www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, सोमवार, 24 अगस्त 2026 शुक्ल पक्ष-द्वादशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 133 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

अम्बिकापुर में सड़क बदहाल, भड़के लोग

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। भारत माता चौक से दरिमा मोड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर लोगों का आक्रोश सड़क पर देखने को मिला। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और मरम्मत के नाम पर डाले गए बड़े-बड़े बोल्डरों से परेशान सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मार्ग पर बैठकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क को तत्काल सुरक्षित बनाने की मांग की। प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सूजन बिंद, त्रिभुवन सिंह, सुरेश राम बुनकर, राजमणि चौबे और अंकुर सिन्हा समेत अन्य लोग शामिल हुए। सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की, जिसके बाद विभाग के एसडीओ मौके पर पहुंचे।

तीन से चार दिन में सुधार का आश्वासन

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के एसडीओ ने प्रदर्शनकारियों को बताया कि सड़क सुधार का काम जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बोल्डरों के ऊपर छोटी गिट्टी डालकर अगले तीन से चार दिनों में सड़क का समतलीकरण कराया जाएगा। विभागीय अधिकारी के आश्वासन के बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। लोगों ने कहा कि बारिश के दौरान सड़क की स्थिति को देखते हुए केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है।

सख्ती : प्लांट पैथोलॉजी का प्रश्न पत्र भी रद्द, दोनों पेपर अब सितंबर के पहले हफ्ते में

दो पेपर लीक के बाद कृषि विवि कॉलेजों में सीसीटीवी कैमरे बढ़ेंगे

दुर्ग के भारती कॉलेज का प्रोफेसर निकला पेपर लीक का मास्टरमाइंड

नवप्रदेश लगातार

■ भारती कृषि कॉलेज दुर्ग व आब्जर्वरों को पेपर लीक मामले में नोटिस

■ विवि प्रबंधन की आपात बैठक में परीक्षा की गोपनीयता व निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई निर्णय

रायपुर/नवप्रदेश। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा पेपर लीक प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए रविवार को अवकाश के दिन डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित आपातकालीन बैठक में अनेक निर्णय लिए गए।

बैठक में 20 अगस्त की परीक्षा के पेपर लीक मामले में रायपुर पुलिस द्वारा की गई जांच में विश्वविद्यालय द्वारा 7 अगस्त 2026 को आयोजित बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी विषय के प्रश्न पत्र को भी अभियुक्त द्वारा लीक किए जाने की जानकारी मिलने पर उस प्रश्न पत्र को भी निरस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग पर पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित न कर पाने हेतु नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने का फैसला लिया गया तथा उन्हें इस संबंध में नोटिस जारी किया गया।

प्रश्न पत्र अब पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल से

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कहा गया है कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य हेतु परीक्षाओं की गोपनीयता, निष्पक्षता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं तथा परीक्षा प्रणाली को लीक प्रूफ बनाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी संबंध में 20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण पश्चात विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग द्वारा 22 अगस्त 2026 को आयोजित परीक्षा के प्रश्न पत्र संबंधित महाविद्यालयों को हार्ड कॉपी के स्थान पर पासवर्ड प्रोटेक्टेड ईमेल के माध्यम से भेजे गए। संबंधित महाविद्यालयों को प्रातः 10 बजे से होने वाले प्रश्न पत्र का ईमेल प्रातः 9:30 बजे उपलब्ध कराया गया जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई आशंका न रहे। सोमवार 24 अगस्त को आयोजित होने वाली परीक्षाएं भी इसी प्रक्रिया से संपन्न कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग तथा महाविद्यालयों के परीक्षा हॉल में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाली परीक्षाओं की गोपनीयता एवं पारदर्शिता में बढ़ोतरी हेतु आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करने पर भी विचार किया जा रहा है।

दोषी पाए गए छात्रों पर भी होगी कड़ी कार्रवाई

20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण में रायपुर पुलिस द्वारा भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग के जिन दोषी पाए गए छात्रों को हिरासत में लिए गया है उनके ऊपर भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही 20 अगस्त को आयोजित बी.एस.सी. कृषि द्वितीय वर्ष के एंटोमोलॉजी प्रश्न पत्र तथा 07 अगस्त को आयोजित प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी प्रश्न पत्र की गोपनीयता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वरों को भी कारण बताओ नोटिस देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में तय किया गया कि दोनों रद्द परीक्षाएं सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में पुनः आयोजित की जाएंगी।

पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और इसमें जांच जारी है। इसमें और भी जो लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उन पर भी कार्रवाई होगी।

– विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

आज बेबाक

जिसका डर था बेदर्दी वही बात हो गई। झारखंड के आंदोलित छात्रों के आगे झुककर वहां की सरकार ने पूर्व में आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाएं और नियुक्तियां रद्द कर वाहवाही लूट ली । छात्र भी खुश हो गए। इससे लाखों का चढ़ावा अर्पित कर नौकरी पाने वाले हजारों युवा खड़े पैर बेरोजगार हुए तो उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जिसने सरकार के फैसले को रद्द कर दिया। अब छात्र फिर आंदोलन की राह पर हैं। बेशक छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति है लेकिन सरकार से पार नहीं पा सकती। सरकार सांप को मारना और लाठी को टूटने से बचाना बेहतर जानती है।

गरमा-गरम

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

■ पीएम मोदी से मुलाकात में स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान

नई दिल्ली/नवप्रदेश। अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स भारतीय स्टार्टअप्स कई नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं:

- स्पेस पेट्रोल पंपः एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह जैश हेडक्वार्टर दोबारा तैयार

नई दिल्ली/ए.। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभानअल्लाह हेडक्वार्टर तबाह कर दिया था। अब यह फिर से बनकर तैयार हो गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके री-कंस्ट्रक्शन में 15 महीने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है।

बारिश बनी आफतः छत्तीसगढ़ में तीन बच्चों समेत 5 की मौत

■ नदी में बहा युवक, बिजली गिरने से दंपती की गई जान, रायपुर में भी हुई तेज बारिश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में रविवार को हुई तेज बारिश कई इलाकों में आफत बन गई। रायपुर में दोपहर से तेज बारिश के चलते दिन में ही अंधेरा छा गया। वहीं बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। रविवार को तीनों के शव बरामद कर लिए गए। बलरामपुर में कन्हर नदी पार करते समय एक युवक बह गया, जबकि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में बिजली गिरने से बैगा दंपती की मौत हो गई। रायपुर में भी भारी बारिश हुई।

बिलासपुर में नदी में बहे तीन बच्चेः बिलासपुर जिले के ग्राम समडील निवासी आशुतोष जायसवाल और विजय जायसवाल की बेटियां रिद्धी और सिद्धी (दोनों 8 वर्ष) नयापारा स्थित डीपी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कन्हर नदी में युवक लापता

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज में रविवार सुबह करीब 9 बजे एक युवक कन्हर नदी का एनीकट पार करते समय तेज बहाव में बह गया। बताया गया कि एनीकट के ऊपर से पानी बह रहा था। युवक झारखंड के गोदरमाना से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहा था। घटना के बाद उसकी तलाश जारी है।

पेंड्रा में बिजली गिरने से बैगा दंपती की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कटरा ढपनीपानी गांव में तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से बैगा दंपती मंगल सिंह और उनकी पत्नी बिरस्पतिया बाई की मौत हो गई। बताया गया कि दोनों घर पर थे। तेज गड़गड़ाहट और मूसलाधार बारिश के बीच उनके मकान पर बिजली गिरी, जिससे दोनों आंगन में ही बेहोश हो गए। परिजन और ग्रामीण उन्हें 108 संजीवनी एक्सप्रेस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना मरवाही थाना क्षेत्र की है।

केदार के काफिले का एक्सीडेंट, 6 घायल

■ स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, कोंडागांव में जुनवानी के पास हुआ हादसा, घायलों में एक महिला समेत चार जवान

कोंडागांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में मंत्री केदार कश्यप के काफिले का एक्सीडेंट हुआ है, हादसे में 6 लोग घायल हुए हैं। इनमें 1 महिला समेत 4 जवान शामिल हैं। वहीं, मंत्री के पीए और ड्राइवर को भी चोटें आई हैं। 4 गंभीर घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। दरअसल, आज दोपहर जुनवानी के पास एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने पहले मंत्री की कार को टक्कर मारी। इसके बाद पीछे से आ रही फॉलो अप वाहन को ठोक दिया। यह बात भी सामने आ रही है कि घटना के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

घायलों को रायपुर रेफर किया गया

इस हादसे में मंत्री के पीछे आ रही फॉलोइंग गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। वहीं, सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। स्थिति खराब होने पर 4 को रायपुर रेफर कर दिया गया है। मंत्री के पीए अनुराग शर्मा और ड्राइवर सुनील को भी रायपुर रेफर किया गया है। वहीं, मौके पर काफी भीड़ लग गई थी। पुलिस ने आसपास के माहौल को शांत कराया।

दुर्ग में स्वाइन फ्लू की दस्तक स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर

■ 2 साल 11 माह की बच्ची में एच1एन1 की पुष्टि

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बरसाती सीजन में स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया है। जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती 2 साल 11 माह की बच्ची में एच1एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। इस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

डॉक्टरो के अनुसार, बच्ची को दो दिनों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई निगरानी

रिपोर्ट मिलते ही घर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम बच्ची की जांच रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसके घर और आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। टीम घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले रही है। बच्ची के परिवार के दूसरे सदस्यों के भी सैंपल लिए गए हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि परिवार में कोई संक्रमित तो नही है। स्वास्थ्य विभाग अब बच्ची के संपर्क में आए लोगों की जानकारी भी जुटा रहा है।

प्रदेश के बच्चों के हक की एक भी सीट नहीं होगी प्रभावितः स्वास्थ्य मंत्री

■ नीट यूजी काउंसलिंग 2026ः फर्जी जानकारी देने पर निरस्त होगा प्रवेश, राज्य काउंसलिंग समिति की चेतावनी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के बच्चों के हितों के साथ किसी भी तरह की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज और एमबीबीएस की सीटें बढ़ाने का उद्देश्य ही यही है कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक बच्चों को मेडिकल शिक्षा का अवसर मिले।

श्री जायसवाल ने कहा है कि डोमिसाइल को लेकर अगर कहीं कोई शंका या शिकायत सामने आती है तो उसकी पूरी गंभीरता से जांच कराई ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ मूल दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही मानी जाएगी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण

नीट यूजी प्रवेश वर्ष 2026 की राज्य स्तरीय काउंसलिंग

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी काउंसलिंग, मेरिट और आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया प्रचलित प्रवेश नियमों के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपादित की जा रही है।छत्तीसगढ़ राज्य काउंसलिंग समिति ने नीट यूजी प्रवेश वर्ष 2026 की राज्य स्तरीय काउंसलिंग को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

भक्ति : भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

कांवड़ यात्रा में शामिल हुए सीएम साय और स्पीकर डॉ. रमन

■ भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अनुपम संगम है कांवड़ यात्राः सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश। पवित्र श्रावण मास में राजधानी रायपुर रविवार को भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुढ़ियारी स्थित मारुति मंगलम परिसर में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का विशेष अवसर है। इस पवित्र माह में कांवड़ यात्रा हमारी आस्था, भक्ति और समर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति है। हजारों शिवभक्त पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए पैदल निकलते हैं। कठिन यात्रा के बीच शिवभक्तों का उत्साह और श्रद्धा सनातन संस्कृति में निहित आस्था की शक्ति को प्रकट करती है। मुख्यमंत्री ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार मिल रहा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इससे हमारी आस्था के केंद्रों को नई पहचान मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को भी विस्तार मिल रहा है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, निगम-मंडलों के अध्यक्ष, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सोनदादर में धूमधाम से मनाई गई गोस्वामी तुलसीदास जयंती, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

मानस गायन में गूंजी श्रीरामचरितमानस की चौपाइयां,

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम सोनदादर में गोस्वामी तुलसीदास जयंती श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भव्य मानस गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न मानस मंडलियों ने श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों का संगीतमय एवं भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु और मानस प्रेमी शामिल हुए।

मानस गायन के दौरान भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा और भक्ति से जुड़े प्रसंगों की चौपाइयों का गायन किया गया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों और भक्ति संगीत से पूरा ग्राम सोनदादर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु देर रात तक मानस गायन का आनंद लेते रहे। आयोजन के दौरान श्रीरामचरितमानस के संदेशों के साथ सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों पर भी प्रकाश डाला गया।

जीवन को सही दिशा देता है रामचरितमानस

कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष मुकेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता छुईहा ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती एसकुमारी प्रीतम यादव ने की। अतिथियों ने मानस मंडलियों एवं श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। ग्रामीणों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्य अतिथि मुकेश यादव ने कहा कि संत गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है। इसमें आदर्श जीवन, परिवार, समाज, कर्तव्य और मानवीय मूल्यों की शिक्षा मिलती है। भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। इन आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है।

धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता का माध्यम

मुकेश यादव ने कहा कि गांवों में आयोजित धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम केवल आस्था तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज को जोड़ने का भी कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव मजबूत होता है। उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराएं जीवंत बनी रहती हैं।

उन्होंने कहा कि तुलसीदास जयंती समारोह ने धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक एकता का संदेश भी दिया। मानस गायन के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और रामायण के आदर्शों से जोड़ने का यह सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम में किशन दीवान, नेतराम दीवान, पतित यादव, नरेंद्र सेन, कांशीराम शर्मा, विनोद दीवान, रोहित ठाकुर, यशराम साहू, करन ठाकुर, देवनारायण दीवान, पवन ध्रुव, माखन दीवान, रमन यादव, किसलाल दीवान, मोहम्मद खान, हीराराम दीवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं मानस प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने मानस गायन का आनंद लिया और आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

न्यूज गैलरी

सद्भावना दिवस पर डोंगरगढ़ रेलवे परिसर में रक्त परीक्षण शिविर

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे स्काउट गाइड फैलोशिप नागपुर द्वारा सद्भावना दिवस के अवसर पर आज दिनांक 23 अगस्त 2026 को रेलवे परिसर में रक्त परीक्षण शिविर लगाया गया। शिविर में नागपुर की प्रसिद्ध मणिपाल लैब के लैब टेक्नीशियन विश्वास जी एवं उनकी टीम द्वारा 60 लोगों का रक्त परीक्षण किया गया। यह कार्यक्रम देवेंद्र कुमार सांखरे के निर्देशन में तथा श्यामलाल साहू, जसवीर सिंह बन्नोआना एवं गोपाल खेमूका के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में 70 प्रकार की जांच की जाएगी। शिविर को सफल बनाने में ए. गोविंद राव, संजय कुमार सरजारे, प्रवीण संगोडे, भूमिका मोडघरे, नलिनी राव एवं कुमारी नेहा संगोडे का महत्वपूर्ण प्रयास रहा। सभी के सहयोग से रक्त परीक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

भोथली में विकास कार्यों का भूमि पूजन, 5.30 लाख के कार्य स्वीकृत

गुरुर/नवप्रदेश। जनपद पंचायत गुरुर क्षेत्र क्रमांक 05 ग्राम पंचायत भोथली में जनपद निधि एवं 15 वे वित्त की राशि से वार्ड क्रमांक 11 और 12 में पक्की नाली निर्माण 1.20एक लाख बीस हजार की राशि सरस्वती शिशु मंदिर भोथली के पास सिंटेक्स टंकी निर्माण 60हजार राशि एवं प्राथमिक शाला में बालिका शौचालय निर्माण 4लाख 30हजार राशी स्वीकृत किया गया इन सभी कार्यो का भूमि पूजन डॉ हरिकृष्ण गंजीर सभापति संचार संकर्म एवं निर्माण समिति जनपद पंचायत गुरुर चुन्नी साहू सरपंच ग्राम पंचायत भोथली खिलेश्वर साहू उप सरपंच ग्राम पंचायत भोथली जसवंत कुमार संयोजक भाजपा शक्ति केंद्र भोथली डॉ धिरपाल अठभैया सहसंयोजक भाजपा शक्ति केंद्र भोथली धनेश राम साहू बूथ अध्यक्ष सेवाराम साहू बूथ अध्यक्ष और चंद्रहास अटभैया बूथ अध्यक्ष सुकालू राम साहू पूर्व अध्यक्ष ग्राम विकास समिति भोथली भरत साहू एवं समस्त पंचगण एवं समस्त ग्राम वासीके आतिथ्य में भूमि पूजन किया गया इस अवसर पर सभापति डॉ हरिकृष्ण गंजीर ने कहा कि मैं अपने जनपद क्षेत्र के सभी गांव में विकास करने संकल्प लिया है और विकास करेंगे ग्राम पंचायत जेवरतला में शीतला मंदिर के पास सीमेंटिकरण का भी भूमि पूजन सोमवार को किया जाना है जिसमें आप सादर आमंत्रित हैं इस अवसर पर शोभाराम साहू सेवक राम साहू हेमंत साहू आमीन कलिहारी सुमन साहू मनोरंजन साहू कौशल्या साहू ओमप्रकाश साहू मनोज साहू हेमंत साहू यशवंत साहू ग्राम पंचायत भोथली के समस्त पंचगण ग्राम विकास समिति के समस्त सदस्य गण और ग्राम के वरिष्ठ जन उपस्थित थे

ग्राम जौंदी में मॉडल शौचालय का भूमि पूजन संपन्न

नवापारा राजीम/नवप्रदेश। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में बालिकाओ के लिए 5 लाख की लागत से मॉडल शौचालय का भूमि पूजन संपन्न हुआ। जिसके मुख्य अतिथि ब्रह्मानंद साहू सभापति जनपद पंचायत अभनपुर थे अध्यक्षता कुंती साहू सरपंच ग्राम पंचायत जौंदी ने किया। इस अवसर पर शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा बाउंड्री वॉल के लिए मुख्य अतिथि को मांग पत्र सोपा गया क्योंकि बाउंड्री वॉल ना होने के कारण बच्चे असुरक्षित रहते हैं व जानवर घुस जाता है इसके कारण स्कूल प्रांगण में वृक्षारोपण नहीं हो पा रहा है। इस कार्यक्रम में जानकी साहू, उषा यादव, हेमलता साहू रोजगार सहायक, शिक्षक गण सपना पांडे, मीरा सोनवानी, विद्या साहू, टोमन लाल साहू पूर्व सरपंच, गणमान्य नागरिक जागेश्वर साहू, रामकृपाल साहू, कुलेश्वर यादव, इंद्र कुमार यादव, भोराम यादव उपस्थित हुए।

शिवानी हिरवानी का राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

भटगांव/नवप्रदेश। सेजेस भटगांव की प्रतिभावान छात्रा शिवानी हिरवानी का चयन राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 22 अगस्त से जांजगीर में किया जा रहा है, जिसमें शिवानी अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

शिवानी हिरवानी श्री लोकनाथ हिरवानी, भटगांव की पुत्री हैं। उनके राज्य स्तर पर चयन से विद्यालय, परिवार एवं भटगांव क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। विद्यालय परिवार एवं खेलप्रेमियों ने शिवानी को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

किसानों की जायज मांग पर एक तिथि तय करे प्रशासन नहीं तो होगी भूख हड़ताल : चंदेल

किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का मुख्य द्वार घेरा, दी भूख हड़ताल की चेतावनी

■ **समय-सीमा तय नहीं हुई तो भूख हड़ताल की चेतावनी**

दुर्ग/नवप्रदेश। किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों एवं ग्रामीणों ने विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। किसानों ने कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट पर बैठकर अपनी मांगों के शीघ्र निराकरण की आवाज उठाई। किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि प्रशासन अब किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए एक निश्चित तिथि तय करे, अन्यथा किसान भूख हड़ताल करने के लिए मजबूर होंगे।

IDBI ऋण माफी के लिए 54 किसानों की मांग

परसबोड़, कूटहा, खपरी, पेंड्री, खैरझिटी एवं हिरेतरा के करीब 54 किसान ढ्ढष्ठक्चढ्ढ बैंक से संबंधित ऋण माफी के मामले को लेकर लंबे समय से परेशान हैं। किसानों का कहना है कि आवेदन, प्रभावित किसानों की सूची और कई बैठकों के बाद भी अब तक ठोस समाधान नहीं हुआ है। और एक तरफबैंक के द्वारा किसानों को कुर्की और नोटिस दे दे के परेशान कर रहे है

ट्रांसफार्मर स्थानांतरण के लिए 76,444 की डिमांड

परसबोड़ में आबादी एवं मुख्य मार्ग के पास स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग भी किसानों ने उठाई। विद्युत विभाग द्वारा इसके लिए 76,444.62 की डिमांड जारी किए जाने की बात किसानों ने कही। ग्रामीणों ने राशि का भार उन पर नहीं डालने और जनसुरक्षा को देखते हुए ट्रांसफार्मर तत्काल हटाने की मांग की।

किसानों ने धरमपुरा गांव में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला भी उठाया। किसानों ने आरोप लगाया कि ग्राम निवासी सुरेश यादव, जो वैशाली नगर थाना में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं, द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। जिसकी कई बार शिकायत हर जगह और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर में भी किया जा चुका है बावजूद पुलिस विभाग और राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं किया गया।

धमधा तहसीलदार के दुर्व्यवहार का मामला उठा

किसानों ने 14 अगस्त को तिरंगा रैली की अनुमति एवं आवेदन की पावती को लेकर धमधा तहसीलदार पर कथित दुर्व्यवहार का मामला भी कलेक्टर के समक्ष उठाया।

किसानों के अनुसार अध्यक्ष आत्मा साहू द्वारा स्ष्ठरूधमधा को आवेदन दिया गया था, जिसे तहसीलदार एवं अन्य विभागों को मार्क किया गया था। किसानों का आरोप है कि तहसील कार्यालय में आवेदन की विधिवत पावती देने के बजाय अनुचित व्यवहार किया गया और रैली की अनुमति भी नहीं दी गई।

'नारी तू नारायणी' महिला समूह द्वारा पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया गया

भटगांव/नवप्रदेश। सावन मास के पावन अवसर पर ÷नारी तू नारायणी ÷ समूह भटगांव के द्वारा ÷पर्यावरण संरक्षण जागरूकता ÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य नगर एवं समाज को पौधा रोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जगरूकता प्रदान करना है

कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथियों निरुपमा केशरवानी, सुमन दुबे, प्रीति देवांगन, अंजू सिदार के द्वारा सरस्वती वंदना, गणेश पूजन, शिव स्तुति के साथ अतिथियों के स्वागत से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य विषय पौधा रोपण एवं पर्यावरण संरक्षण पर गीत, कविता एवं विशेष व्याख्यान प्रत्येक सदस्य द्वारा दिया गया। कार्यक्रम को मनोरंजक बनाने के लिए कुछ पारम्परिक खेल जैसे रस्सी कूद, अट्ठी, बित्ता नाप का आयोजन हुआ।

स्वलपाहर उपरांत कार्यक्रम के आयोजक रेखा देवांगन, सह आयोजक नीलिमा साहू एवं रीता देवांगन द्वारा मुख्य अतिथियों को उपहार स्वरूप पौधा प्रदान किया गया।

सभी सदस्यो ने एक दूसरे को बेल का पौधा प्रदान कर कार्यक्रम को विराम दिया।

आदिवासी सम्मेलन एवं सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। आज डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सहसपुर के आश्रित ग्राम जारवाही में आयोजित आदिवासी सम्मेलन एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल जी सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर विधायक जी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की तथा क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का आश्वासन दिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक हर्षिता स्वामी बघेल जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मूल निवासी आदिवासी समाज है। आदिवासी समाज ने प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक विरासत को संजोकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।

विधायक जी ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित रखने और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का भी आह्वान किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा रक्षाबंधन

भाटापारा/नवप्रदेश। भाई बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन अब चंद दिन ही शेष रह गये है 28 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा ।रक्षाबंधन त्योहार को लेकर बाजार मे राखियों की दुकान सज गई है जहां बहने अपने भाई के कलाई मे राखी बंधाने के लिए खरीददारी शुरू कर दी है अब राखी की दुकान मे ग्राहको की संख्या दिखने लगी है लेकिन जैसी भीड दिखनी चाहिए वैसी दिख नही रही है त्योहार एक दो दिन शेष बचने पर ही ग्राहकों की और भीड बढेगी जयस्तंभ चौक के समीप स्थित श्री गणेश सीजनल शाप मे राखियों की सैकडो वैरायटीयों के साथ दुकान सजी हुई है जहाँ से ग्राहक अपनी मन पसंद राखियों की खरीदी कर रहे हैं दुकान के संचालक बिहारी जोशी ने बताया कि उनकी दुकान मे सबसे बडी रेंज उपलब्ध है उनके पास कोलकाता,सूरत,दिल्ली की लेटेस्ट राखियों का कलेक्शन उपलब्ध है वहीं 1 रूपये पीस से लेकर 450 रूपये तक की राखियां उनके शाप मे उपलब्ध है वहीं मोली राखी की धूम मची हुई है जिसे ग्राहको को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है इसके अलावा सिल्वर पैटर्न की राखियां प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है ,वही राखी के बाजार मे इस साल महंगाई व कीमतो मे वृद्धि भी देखा जा रहा है पेट्रोल डीजल के दामो मे वृद्धि का असर राखियों मे भी देखने को मिल रहा है।

मनरेगा कार्यों के सामाजिक अंकेक्षण हेतु ग्राम सभा बैठक आयोजित

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बलौदा बाजार के ग्राम पंचायत सकरी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कराए गए कार्यों के सामाजिक अंकेक्षण हेतु विशेष ग्राम सभा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, मनरेगा हितग्राहियों एवं सामाजिक अंकेक्षण से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

विशेष ग्राम सभा में मनरेगा के अंतर्गत पंचायत क्षेत्र में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान कार्यों की स्वीकृति, मजदूरी भुगतान, सामग्री व्यय, मस्टर रोल तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच एवं समीक्षा की गई। उपस्थित ग्रामीणों को कार्यों की जानकारी देते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सामाजिक अंकेक्षण के दौरान ग्रामीणों को अपने सुझाव और शिकायतें रखने का अवसर दिया गया। बैठक में मनरेगा योजना के तहत हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों ने दस्तावेजों का अवलोकन कर योजना के क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

फर्जी ट्रांसफर ऑर्डर मामले में ग्रामीण चिकित्सा सहायक एवं भाजपा जिला महामंत्री सहित चार आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर से स्थानांतरण आदेश क्रमांक .एच.एम./ए.आर./2026-27/1359, दिनांक 14 अगस्त 2026 तैयार कर प्रस्तुत करने की डॉ पंकज तिवारी खंड चिकित्सा अधिकारी पलारी द्वारा दर्ज शिकायत पर पुलिस थाना पलारी द्वारा जांच करने के बाद मामले में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रोहांसी में पदस्थ ग्रामिण चिकित्सा सहायक करण कुमार देवांगन और भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी सहित कुल 4 आरोपियों को बीएनएस की धारा 318(4), 336(3),337,338,340(2), 3(5) के तहत गिरफ्तार किया गया है। प्रदत्त जानकारी के अनुसार फर्जी तरीके से तैयार स्थानांतरण आदेश के अनुसार आरोपी ग्रामीण चिकित्सा सहायक करण कुमार देवांगन का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोपर विकासखंड भाटापारा स्थानांतरण होना दर्शाया गया था। जांच में पाया गया कि राज्य संवर्ग के कर्मचारी का स्थानांतरण अधिकार क्षेत्र केवल राज्य शासन के पास है। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था तथा आदेश पर अंकित हस्ताक्षर भी पूर्णतः फर्जी व कूटरचित पाए गए।

जिस पर शासकीय दस्तावेजों में कूटरचना, धोखाधड़ी एवं फर्जीवाड़े के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मार्गदर्शन में थाना पलारी पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर फर्जी स्थानांतरण आदेश तैयार करने वाले आरोपी ग्रामीण चिकित्सा सहायक सहित कुल 4 आरोपियों करण कुमार देवांगन पिता लहुर साय देवांगन 44 वर्ष निवासी मंगलम कालोनी बलौदाबाजार, कृष्णा उर्फ कृष्ण कुमार पिता स्व कुंजराम अवस्थी 53 वर्ष निवासी ग्राम रिसदा, पुनीराम पटेल पिता डेरहा राम पटेल 51 वर्ष निवासी ग्राम गिरौदपुरी तथा रवि कुमार सेन पिता नूतन लाल सेन 43 वर्ष निवासी कसडोल वार्ड क्र0 4 सिरपुर रोड को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जर्जर सड़क को लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मिले मुस्ताक खान

■ **गुलशन चौक से बेमचा रोड तक सड़क बदहाल, बारिश में गड्ढों में भर रहा पानी; हादसों का बढ़ा खतरा**

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव से वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद एवं शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुस्ताक खान (विक्की) ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। पटरी पार संघर्ष समिति के संयोजक के रूप में सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने नयापारा क्षेत्र की जर्जर सड़क की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए तत्काल मरम्मत एवं सड़क निर्माण की मांग की।

उन्होंने बताया कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक आवागमन करते हैं। गड्ढों के कारण कई लोग असंतुलित होकर गिरने और चोटिल होने का सामना कर रहे हैं। वहीं चारपहिया वाहनों के गुजरने से सड़क पर जमा गंदा पानी और कीचड़ राहगीरों पर उछलने से भी लोगों को परेशानी हो रही है।

गुलशन चौक से बेमचा रोड तक सड़क की हालत खराब

मुस्ताक खान ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि गुलशन चौक से एकता चौक, नयापारा पेट्रोल पंप होते हुए बेमचा रोड तक मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर और खस्ताहाल है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है।

एंबुलेंस के आवागमन में भी परेशानी

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में एंबुलेंस को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क पर बने गड्ढों और जलभराव के कारण यातायात प्रभावित होने के साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो रहा है।

तत्काल निरीक्षण और गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण की मांगः मुस्ताक खान (विक्की) ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मांग की कि नयापारा क्षेत्र की सड़क समस्या को जनहित में प्राथमिकता देते हुए गुलशन चौक से बेमचा रोड तक सड़क का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत एवं निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश देने की मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

एकलव्य विद्यालय में पढ़ेगी सोनाली कुरेटी

छुरिया/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर छुरिया के होनहार छात्रा कु.सोनाली कुरेटी का एकलव्य आवासीय विद्यालय के कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा 2026 में अच्छे अंको के साथ चयनित होने एवं द्वितीय कौंसलिंग के पश्चात अध्ययन करने हेतु एकलव्य विद्यालय पेण्ड्री राजनांदगाँव आबंटित हुआ है जहां कक्षा छठवीं से बारहवीं तक नियमित छात्रा के रूप में अध्ययन करेगी।सोनाली कुरेटी प्रारंभ से ही प्रतिभावान छात्रा रही है। कक्षा तीसरी में आयोजित गणित कौशल प्रतियोगिता में जिला स्तर पर एवं नवोदय विद्यालय माकटेस्ट परीक्षा में ब्लाक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वयं सहित अपने शाला एवं परिवार का नाम रौशन कर चुकी हो चुकी है। सोनाली कुरेटी की माता आशा कुरेटी कुशल गृहणी एवं पिता दिनेश कुरेटी दिलेर जिले के ख्यातिलब्ध शिक्षक,कवि,उदघोषक एवं आदिवासी समाज प्रमुख है।

कांग्रेसी नेता पर हमले की साजिश में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। तारबाहर क्षेत्र में कांग्रेसी नेता श्याम कश्यप पर जानलेवा हमला कराने की कथित साजिश के मामले में पुलिस ने उस आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने हमले के लिए दीपक तिवारी को रकम उपलब्ध कराई थी। तारबाहर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने मेन रोड तेलीपारा, अजीत होटल के पास रहने वाले नवीन पटेल (38) को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में नवीन ने श्याम कश्यप को जान से मारने के लिए दीपक तिवारी को पैसे उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की है। उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

मॉर्निंग वॉक के दौरान किया था हमला

पुलिस के अनुसार घटना 4 जुलाई 2026 की सुबह करीब 6:45 बजे की है। श्याम कश्यप मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। रेलवे अस्पताल के पास तीन युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर उनके पास पहुंचे और डंडे व नुकीली वस्तु से हमला कर दिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की जानकारी मिलने पर उनके बेटे शिशिर कश्यप ने तारबाहर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 221/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी से खुला राज

घटना के बाद तारबाहर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने घटनास्थल तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच में हमले में इस्तेमाल मोटरसाइकिल की पहचान की गई। इसके बाद तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने नितिन टेकाम, साहिल सोनकर और विधि से संघर्षरत एक बालक को गिरफ्तार किया था। तीनों को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

रकम का कनेक्शन

पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को नवीन पटेल की भूमिका की जानकारी मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में नवीन ने कथित तौर पर श्याम कश्यप की हत्या के लिए दीपक तिवारी को रकम उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। पुलिस अब हमले की साजिश में शामिल अन्य लोगों, आरोपियों के बीच संपर्क और रकम के लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 296, 351(3), 115(2), 3(5), 61(2), 109 और 55 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और आरोपियों से जब्त मोबाइल फोन विवेचना में महत्वपूर्ण हैं। नवीन पटेल पिता दिव्यानंद पटेल, उम्र 38 वर्ष, निवासी मेन रोड तेलीपारा, थाना सिटी कोतवाली, पूर्व में गिरफ्तारः नितिन टेकाम, साहिल सोनकर और विधि से संघर्षरत एक बालक है।

शराब पीने के लिए पैसा मांगा, नही देने पर चाकू से किया हमला

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रार्थी संतोष ध्रुव ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि प्रार्थी अपने घर के बाहर था उसी समय मोहल्ले का निक्की साहू ऊर्फ बाला शराब पीने के लिये पैसे की मांग करने लगा जिसे मना करने पर मा बहन की अश्लील गाली गलौज कर हाथ मे रखे चाकू जैसे धारदार वस्तु मारपीट किया कि रिपोर्ट पर थाना तारबाहर में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। उक्त घटना से पुलिस उप महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे) को अवगत कराया गया है जिनके द्वारा तत्काल कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। उनके निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (शहर) बिलासपुर पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिटी कोतवाली गगन कुमार (भापुसे) के मार्गदर्शन में थाना तारबाहर में टीम बनाकर विवेचना कार्यवाही किया जा रहा था कि विवेचना दौरान उक्त आरोपी की पतासाजी की जा रही थी जो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकडा गया। आरोपी के कब्जे से 1 नग चाकू जप्त कर आरोपी को गिर. कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में उपनिरी रामनरेश यादव, सउनि सजय शर्मा, आर. महेन्द्र सोनकर, आर नुरूल कादिर, आर. रूपलाल चंद्रा, आर भागीरथी गेदले का सराहनीय योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

विद्यार्थियों ने तैयार किए विभिन्न उत्पाद

बिल्हा/नवप्रदेश। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, हथनी में फल प्रसंस्करण विषय के अंतर्गत प्रायोगिक कक्षा में विद्यार्थियों ने फलों के मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नेक्टर, जैम, टूटी-फ्रूटी तथा रेडी-टू-सर्व ड्रिंक सहित विभिन्न फल प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार किए। प्रायोगिक कार्य का संचालन एवं मार्गदर्शन फल विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. मकसूदन वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को फल उत्पादों की तैयारी, प्रसंस्करण, गुणवत्ता, स्वच्छता एवं उचित पैकेजिंग के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। प्रायोगिक कक्षा के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए सभी उत्पादों का महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा ऑर्गनोलेप्टिक टेस्ट किया गया। उत्पादों की गुणवत्ता, स्वाद, रंग, बनावट, प्रस्तुतीकरण तथा तैयार करने की विधि के आधार पर विद्यार्थियों को अंक प्रदान किए गए।

स्वराज, स्वदेशी और राष्ट्रबोध पर संगोष्ठी

बिल्हा/नवप्रदेश। शासकीय अग्रसेन महाविद्यालय में रविवार 'स्वराज, स्वदेशी और राष्ट्रबोधः एक विमर्श' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कों आयोजन हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक डॉ. सावित्री त्रिपाठी के इस विमर्श में देश के ख्यातिलब्ध भाषाविदों, विचारकों और प्रोफेसरों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और राज्य गीत के साथ हुआ। स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. सावित्री त्रिपाठी ने दी। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के भाषा विज्ञान के डॉ. चित्तरंजन कर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा और संस्कृति ही किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। लखनऊ से पधारे अंग्रेजी के प्राध्यापक डॉ. आई.डी.तिवारी ने वैश्विक परिदृश्य और आधुनिक अर्थव्यवस्था में स्वदेशी के महत्व को समझाया। शासकीय जेपीएम महाविद्यालय, मुंगेली के प्राचार्य डॉ. शोभित बाजपेयी ने अपने व्याख्यान में स्वराज आंदोलन के ऐतिहासिक संदर्भों को रेखांकित किया। सेजेस एमएमसी बिलासपुर के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राजकुमार सचदेवा ने साहित्य और समाज के माध्यम से राष्ट्रबोध की चेतना को जागृत करने पर बल दिया। डॉएके गिरि ने स्वदेशी के महत्व को रेखांकित किया। संगोष्ठी के दौरान महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने भी विभिन्न उप-विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ. पीएल पटेल, डॉ. डीएस टंडन ने तार्किक दृष्टिकोण से राष्ट्रबोध के विभिन्न आयामों को साझा किया।

तीन रेलवे ओवरब्रिज, एजुकेशन हब, अरपा विकास और ड्रेनेज समेत कई बड़े प्रोजेक्ट बजट में शामिल

पांच-दस साल में बदलेगा बिलासपुर का स्वरूप -अमर

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर के समग्र और दीर्घकालीन विकास के लिए तैयार एकीकृत मास्टर प्लान के तहत बिलासपुर में आने वाले पांच से दस वर्षों में विकास की नई तस्वीर दिखाई देगी। तीन रेलवे ओवरब्रिज, एजुकेशन हब, अरपा विकास, एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर और जल निकासी व्यवस्था से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट बजट में शामिल किए गए हैं। इनकी डीपीआर और स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। पूर्व मंत्री एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने रविवार को बिलासपुर प्रेस क्लब के 'हमर पहुंना' कार्यक्रम में यह जानकारी दी। अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बिलासपुर के सभी विधायकों की मौजूदगी में उच्चस्तरीय बैठक कर शहर के विकास की प्राथमिकताएं तय की गई हैं। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं को बजट में शामिल कराया गया है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का परिणाम तत्काल दिखाई नहीं देगा, लेकिन आने वाले वर्षों में इनका प्रभाव शहर की यातायात व्यवस्था, शिक्षा, जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि रेलवे के तीनों ओवरब्रिज बजटेड हैं और उनकी डीपीआर तैयार हो चुकी है। एजुकेशन हब के लिए करीब 28 हेक्टेयर जमीन पर काम शुरू हो चुका है। प्रारंभिक चरण में करीब 30 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जबकि पूरी परियोजना पर लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। अग्रवाल ने कहा कि अरपा नदी के मूल स्वरूप को बचाना जरूरी है। बैराज बनने के बावजूद नदी में पानी नहीं रुक पा रहा है, क्योंकि शहर के गंदे नाले नदी में मिल रहे हैं और एसटीपी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि अरपा में बारह महीने पानी बनाए रखने के लिए करीब 300 करोड़ रुपये की एसटीपी परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। नदी के दोनों ओर करीब 17-17 किलोमीटर के प्रस्तावित विकास कार्यों के लिए कंसल्टेंट की प्रक्रिया भी चल रही है। बारिश के दौरान शहर में जलभराव की समस्या को गंभीर बताते हुए अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2017 में करीब 350 से 400 करोड़ रुपये का ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार

कराया गया था, लेकिन सरकार बदलने के बाद योजना अधूरी रह गई। अब नए सिरे से शहर की जल निकासी व्यवस्था का अध्ययन कराया जा रहा है। उन्होंने अनुमान जताया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए करीब 400 से 500 करोड़ रुपये की जरूरत होगी। एयरपोर्ट को लेकर उन्होंने कहा कि रक्षा भूमि से जुड़े विषयों पर प्रयास कर रास्ता तैयार किया गया है। अब एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की जरूरत है। निजी विमान सेवाएं आर्थिक व्यवहार्यता के आधार पर आएंगी, लेकिन इसके लिए आधारभूत ढांचा पहले से तैयार रखना होगा। अग्रवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधि के लिए पद से अधिक महत्वपूर्ण इच्छाशक्ति है। मंत्री रहते काम कराने में प्रशासनिक सुविधा अधिक होती है, लेकिन विधायक रहते भी वे लगातार अधिकारियों के संपर्क में रहकर योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक के निर्णयों की हर तीन महीने में समीक्षा की जाती है और लंबित स्वीकृतियों के लिए संबंधित अधिकारियों से सीधे चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यकाल में उनका प्रमुख संकल्प अधूरे कार्यों को पूरा कराना था। एजुकेशन हब, एमएसएमई प्रशिक्षण केंद्र, अरपा बैराज और सड़क से जुड़े अधूरे कार्यों में प्रगति हुई है। वहीं दीर्घकालीन योजनाओं की नींव भी रखी जा चुकी है, जिनके परिणाम आने वाले वर्षों में सामने आएंगे। अपने राजनीतिक जीवन का श्रेय पिता स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल को देते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय तक उनके सहायक के रूप में काम करने से राजनीति और प्रशासन को करीब से समझने का अवसर मिला। पिता के संस्कार और वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन ने उनके राजनीतिक जीवन को दिशा दी।

मैं भाजपा में पैदा हुआ कार्यकर्ता हूं

पूर्व मंत्री एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने अपने राजनीतिक जीवन की यात्रा को याद करते हुए कहा कि उनका परिवार शुरू से जनसंघ की विचारधारा से जुड़ा रहा है। उनके पिता स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में रहे। इसी पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण जब उनसे पूछा जाता है कि वे पार्टी में कब से हैं, तो वे मुस्कुराते हुए कहते हैं– 'मैं इस पार्टी में पैदा हुआ हूं।

नार्वे मॉडल है संजीवनी 108

अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षण और अध्ययन के दौरान विदेश जाने का अवसर मिला। आमतौर पर लोग विदेश यात्रा को घूमने के रूप में देखते हैं, लेकिन उन्होंने वहां नई व्यवस्थाओं और तकनीकों को समझने पर अधिक ध्यान दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से दुनिया में डॉक्टरों और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का अध्ययन किया। नॉर्वे में दूरदराज के क्षेत्रों तक एयर एंबुलेंस के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने की व्यवस्था से वे प्रभावित हुए। इसी तरह के अनुभवों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में संजीवनी 108 जैसी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा की अवधारणा को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री रहते समय प्रदेश में संस्थागत प्रसव की स्थिति भी गंभीर थी।

स्वास्थ्य सेवाओं से ज्यादा जरूरी जागरूकता भी

अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में काम करते हुए उन्हें महसूस हुआ कि केवल डॉक्टर, अस्पताल और मशीनें बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। लोगों को स्वस्थ रहने के तरीकों के प्रति जागरूक करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने स्कूलों में स्वास्थ्य जांच के दौरान सामने आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया। बच्चों में आंखों से संबंधित समस्या और त्वचा रोगों के कारणों को समझने की कोशिश की।

दुनिया से सीखें, लेकिन स्थानीय जरूरत के हिसाब से लागू करें

अमर अग्रवाल का कहना है कि जनप्रतिनिधि या किसी भी जिम्मेदारी वाले व्यक्ति को हमेशा नई चीजें सीखते रहना चाहिए। विदेशों या दूसरे राज्यों की योजनाओं की नकल करने के बजाय वहां के अच्छे मॉडल को स्थानीय परिस्थितियों, भौगोलिक स्थिति और बजट के अनुरूप ढालकर लागू करना चाहिए। उनके राजनीतिक जीवन में सीखने की यह प्रवृत्ति लगातार काम आई है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस 26 को

- डीजे, आतिशबाजी, पटाखे और अस्त्र-शस्त्र पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध; शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित जुलूस निकालने का निर्णय

सीपत/नवप्रदेश। यंग मुस्लिम कमेटी के तत्वावधान में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर 26 अगस्त, जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रविवार को सीपत रेस्ट हाउस में दोपहर 2 बजे बैठक आयोजित की गई। बैठक में यंग मुस्लिम कमेटी के पदाधिकारियों सहित समाज के वरिष्ठजन शामिल हुए। जुलूस को शांतिपूर्ण, अनुशासित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद कमेटी एवं समाज के प्रतिनिधियों ने सीपत थाना प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर जुलूस के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस 26 अगस्त को सुबह 9 बजे गतौरा से शुरू होगा। यहां से जुलूस पंधी, लगरा, उर्तुम, झलमला होते हुए सीपत थाना एवं तहसील मार्ग से नवाडीह चौक पहुंचेगा। नवाडीह चौक पर स्वागत एवं इस्तकबाल के बाद जुलूस गुड़ी मार्ग से होते हुए पोड़ी और मंचखड़ा पहुंचेगा। यहां देश और प्रदेश में अमन-चैन, भाईचारे एवं खुशहाली के लिए दुआ की जाएगी। इसके साथ ही जुलूस का समापन होगा। अनुशासन के लिए लिए गए। बैठक में जुलूस के दौरान डीजे, आतिशबाजी एवं पटाखों के साथ ही किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र पर पूर्ण प्रतिबंध रखने का निर्णय लिया गया। कमेटी ने जुलूस में शामिल होने वाले मुस्लिम समाज के लोगों से अपील की कि बाइक रैली एवं जुलूस में सभी लोग एक लाइन में अनुशासन के साथ चलें। साथ ही सड़क पर आवागमन करने वाले राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। बैठक में मोहम्मद उस्मान गनी, गुलाम मुस्तफा, शेख हिमायतुल्ला, सलीम खान, मोहम्मद मुनिर, मोहम्मद असलम, हनीफ मोहम्मद, अब्दुल गफ्फार, शमीम कुरैशी, फिरोज खान, अब्दुल रहमान, राजू खान, इब्राहिम खान, शेख अशरफ, मोहम्मद इकबाल, आरिफ खान सहित मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित रहे।

पूर्व छात्रों ने साझा किए सफलता के अनुभव

सीजीआईटी में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दिए करियर निर्माण के मंत्र

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सीजीआईटी) में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली के निर्देशानुसार नवप्रवेशित बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित द्विसप्ताहिक इंडक्शन कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। 11 से 22 अगस्त तक चले कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास, सतत विकास, लक्ष्य निर्धारण और करियर निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। समापन अवसर पर संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रथम सत्र में प्रथम वर्ष के शिक्षकों ने विद्यार्थियों के लिए आधारभूत विज्ञान एवं गणित की कक्षाएं आयोजित कीं। विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग के विभिन्न संकायों की आधारभूत जानकारी भी दी गई, ताकि वे बीटेक प्रथम वर्ष के मूल पाठ्यक्रम को बेहतर ढंग से समझ सकें। द्वितीय सत्र में सतत विकास एवं लक्ष्य निर्धारण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। प्रो. बी.एम. प्रसाद ने विद्यार्थियों से इंडक्शन कार्यक्रम को लेकर फीडबैक लिया। विद्यार्थियों ने बताया कि कार्यक्रम उनके लिए महाविद्यालय परिसर और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों को समझने का सेतु साबित हुआ। विशेषज्ञों एवं प्रेरक वक्ताओं को सुनने से उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ तथा वे अपने लक्ष्य को लेकर अधिक प्रेरित हुए। पूर्व छात्रों ने बताए सफलता के अनुभव समापन एवं आशीर्वाद समारोह में संस्थान के पूर्व छात्रों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने अपने छात्र जीवन

और कार्यक्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए उच्च शिक्षा तथा करियर निर्माण के लिए मार्गदर्शन दिया। पूर्व छात्रों ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने, अनुशासन बनाए रखने और निर्धारित लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि आर.के. अवस्थी, कार्यपालक निदेशक एवं 1979 इलेक्ट्रिकल बैच के पूर्व छात्र रहे। विशिष्ट अतिथियों में सुधीर गुप्ता, मुख्य अभियंता (सेवानिवृत्त), नगर निगम बिलासपुर एवं 1982 सिविल बैच; डॉ. तजविंदर पल सिंह अरोरा, चार्टर्ड इंजीनियर/स्वतंत्र निदेशक एवं 1997 मैकेनिकल बैच; डॉ. बी.एस. चावला, पूर्व प्राचार्य जीईसी बिलासपुर एवं 1981 मैकेनिकल बैच; इंजी. आर.के. शिवहरे, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग एवं 1980 सिविल बैच; इंजी. संत कुमार नेताम, सदस्य सीजीपीएससी एवं 1992 सिविल बैच; इंजी. गोपाल सिंह ठाकुर, कार्यपालन अभियंता नगर निगम एवं 1992 सिविल बैच तथा सुश्री डिंपी बैस, उप वन मंडल अधिकारी एवं उद्यमी शामिल रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने अनुभव साझा किए और कहा कि सफलता के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ अनुशासन, निरंतर सीखने की आदत और कठिन परिश्रम जरूरी है।

मरम्मत : पुरी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म उन्नयन कार्य

मालतीपाटपुर स्टेशन से अनेक एक्सप्रेस ट्रेनें छुटेंगी व रूकेंगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। ईस्ट कोस्ट रेलवे के खोरधा रोड मंडल के पुरी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 5 एवं 6 के उन्नयन कार्य के कारण 25 अगस्त से 20 अक्टूबर के दौरान निर्धारित परिचालन तिथियों में कुछ ट्रेनों के परिचालन पर प्रभाव पड़ेगा। इसी सन्दर्भ में यात्रियों की सुविधा एवं परिचालन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ट्रेनों के शॉर्ट टर्मिनेशन एवं शॉर्ट ओरिजिनेशन की व्यवस्था मालतीपाटपुर स्टेशन पर की गई है। मालतीपाटपुर स्टेशन में शॉर्ट टर्मिनेशन होने वाली ट्रेनें गाड़ी संख्या 12145 (एलटीटी - पुरी एक्सप्रेस) 25 अगस्त से 20 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन पर समाप्त होगी । गाड़ी संख्या 20917 (इंदौर-पुरी एक्सप्रेस) 26 अगस्त से 14 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन पर समाप्त होगी । गाड़ी संख्या 22909 (वलसाड़-पुरी एक्सप्रेस) 29 अगस्त से 17 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन पर समाप्त होगी ।

गाड़ी संख्या 20471 (श्रीगंगानगर-पुरी एक्सप्रेस) 25 अगस्त से 20 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन पर समाप्त

होगी । गाड़ी संख्या 22973 (गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस) 28 अगस्त से 16 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन पर समाप्त होगी । गाड़ी संख्या 12993 (गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस) 30 अगस्त से 18 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन पर समाप्त होगी । मालतीपाटपुर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें गाड़ी संख्या 12146 (पुरी-एलटीटी एक्सप्रेस) 25 अगस्त से 20 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन से 21.50 बजे प्रारम्भ होगी । गाड़ी संख्या 20918 (पुरी-इंदौर एक्सप्रेस) 27 अगस्त से 15 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन से 00.40 बजे प्रारम्भ होगी ।गाड़ी संख्या 22910 (पुरी-वलसाड़ एक्सप्रेस) 30 अगस्त से 18 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन से 00.40 बजे प्रारम्भ होगी । गाड़ी संख्या 20472 (पुरी- श्री गंगानगर एक्सप्रेस 26 अगस्त से 14 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन से 06.50 बजे प्रारम्भ होगी ।

गाड़ी संख्या 22974 (पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस) 29 अगस्त से 17 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन से 11.25 बजे प्रारम्भ होगी ।गाड़ी संख्या 12994 (पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस) 31 अगस्त से 19 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परिचालन तिथियों को मालतीपाटपुर स्टेशन से 19.55 बजे प्रारम्भ होगी ।

बूढ़ा महादेव में हजारों कांवरिए आज करेंगे जलाभिषेक

रतनपुर/नवप्रदेश। सावन के अंतिम सोमवार को नगर में स्थित प्राचीन बूढ़ा महादेव मंदिर में हजारों की संख्या में कांवरिया शिव भक्त अपनी आस्था प्रकट करते कतारबद्ध होकर ओम नमः शिवाय का जाप करते हुए देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक करेंगे, धार्मिक नगरी मां महामाया धाम रतनपुर में स्थित देवाधिदेव भगवान महादेव का अति प्राचीन मंदिर जो बूढ़ा महादेव के नाम से विख्यात है, जहां पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त दर्शन पूजन कर मनवांछित फल की कामना करते है, सावन के अंतिम सोमवार को हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवरियों के द्वारा हर वर्ष जलाभिषेक किया जाता है, इसी

तारतम्य में आज बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कांवर यात्रा में शामिल हजारों शिवभक्त कांवरियों का जत्था बेलपान के पवित्र कुंड से कांवर में जल भरकर बूढ़ा महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक का पुण्य लाभ लेंगे।शिवभक्त कांवरियों को सुगमता से दर्शन पूजन तथा जलाभिषेक कराने स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारी करते हुए नगर के प्रमुख चौक चौराहों सहित बुद्धा महादेव मंदिर परिसर में पुलिस बल लगाया गया है।

सुविचार

बेशक आप सब कुछ खो दें लेकिन उम्मीद का दामन न छोड़ें क्योंकि उम्मीद ही आपको सब कुछ वापस दिला सकती है।

यूजीसी के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद

आखिरकार स्वर्ण समाज के सब्र का बांध टूट ही गया। यूजीसी के खिलाफ स्वर्णों ने आंदोलन का संखनाद कर दिया है। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर देशभर से स्वर्ण समाज के हजारों लोग जुट गये और उन्होंने यूजीसी वापस लेने की मांग करते हुए अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिस जंतर मंतर पर कॉकरोचों को एक माह तक धरना प्रदर्शन की अनुमति चांदी की थाली में सोने का बर्क लगाकर और हिरे की लौंग खोसकर परोस दी गई थी। वहीं स्वर्ण समाज के लोगों को जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करने की अनुमति देने से न सिर्फ इंकार किया गया बल्कि दिल्ली पुलिस ने उनपर लाठियां बरसाई। यही नहीं बल्कि रेल और सड़क मार्ग से दिल्ली पहुंचने वाले स्वर्ण समाज के लोगों को दिल्ली में घुसने से भी रोका गया। इन तमाम बंदिशों के बावजूद हजारों लोगों ने जब सड़क पर ही प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। तब उन्हें जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति दी गई। इसके बाद वहां जुटे हजारों प्रदर्शनकारियों के लिए पानी की व्यवस्था भी नहीं करने दी गई। दिल्ली प्रशासन और सरकार के इस सौतेले व्यवहार के बावजूद स्वर्ण समाज के लोगों ने शांतिपूर्ण और मर्यादित आंदोलन छेड़ दिया है। वहां कोई देश विरोधी नारे नहीं लग रहे हैं न ही नाच गाना हो रहा है। वे सिर्फ एक सूत्रिय मांग पर जोर दे रहे हैं कि सरकार यूजीसी को वापस लें। क्योंकि इसके लागू होने से स्वर्ण और पिछड़े वर्ग के छात्र छात्राओं के साथ अन्याय हो सकता है। गौरतलब है कि पूर्व शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के कार्यकाल में यूजीसी लागू किया गया था उस समय भी स्वर्ण समाज में इसका प्रखर विरोध किया था और उसी समय से यूजीसी के खिलाफ सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अभियान चलाया गया जिसकी परिणीनीति पर जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की संवाद के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि यूजीसी के खिलाफ स्वर्ण समाज के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का धरवाजा भी खटखटाया था और सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यूजीसी लागू करने पर रोक लगा रखी है। किन्तु केन्द्र सरकार ने अभी तक स्वर्ण और पिछड़े वर्ग के हितों पर कुठारघाट करने वाले इस काले कानून को वापस नहीं दिया है। नतीजतन अब स्वर्ण समाज एकजुट होकर इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन करने पर बाध्य हो गया है। यहां पर यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि स्वर्ण समाज और पिछड़ा वर्ग भाजपा का परंपरागत वोटर माना जाता है। यदि यह समाज सरकार के इस निर्णय से नाराज होकर खिलाफत में उतर आया है तो इसका भाजपा को चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि यह आंदोलन लंबा चले और आरक्षण हटाओं आंदोलन के रूप में तब्दिल हो इसके पहले ही सरकार को यूजीसी वापस लेने पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।

मिलावटखोरी रोकने कड़े कदम जरूरी

छत्तीसगढ़ में नकली पनीर की बिक्री पर रोक लगने के बावजूद जहं तहां नकली पनीर बरामद हो रहे हैं। जाहिर है मिलावटखोरों को सरकार द्वारा लगाये गये प्रतिबंध की कोई परवाह नहीं है। इसी तरह नकली खोवे का कारोबार भी लगातार फल फूल रहा है। छत्तीसगढ़ में हरेली पर्व के साथ ही त्यौहारी सीजन शुरू हो गया है और सामने रक्षाबंधन का पर्व है और इस दौरान मिठाईयों की मांग बढ़ जाती है और ऐसे में मिलावटी मिठाईयों का कारोबार भी धडल्ले से बढ़ता है। ऐसे नकली पनीर और मिलावटी मिठाइयां स्वास्थ के लिए बेहद घातक होती हैं। यह सीधे सीधे जनस्वास्थ के साथ खिलवाड़ है। इसलिए शासन प्रशासन को मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। सिर्फ गिने चुने प्रतिष्ठानों में छापामार कार्यवाही कर मिलावटी मिठाइयों को नष्ट करने से बात नहीं बनेगी। मिलावट खोरों के खिलाफ लगातार ऐसा अभियान जारी रखना होगा और जनस्वास्थ के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावट खोरों के साथ कड़ी कार्यवाही का प्रावधान करना पड़ेगा। तभी मिलावट खोरो के गोरख धंधे पर प्रभावी रूप से लगाम लग पाएगी। हाल ही में छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में खाद्य एवं नागरिक विभाग के अधिकारियों ने कुछ प्रतिष्ठानों पर छापामारा है और मिलावटी मिठाइयां बरामद की है किन्तु आज बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थ तथा खाद्य तेल भी डंके की चोट पर बेचे जा रहे हैं। मिलावट करने वाले तथा नकली खाद्य पदार्थ बेचने वालों का एक पुरा गिरोह प्रदेश में सक्रिय है और यह हो नहीं सकता कि खाद्य विभाग को इसकी जानकारी न हो जाहिर है उनके संरक्षण या मिलीभगत से ही यह कालाकारोबार बेखौफ चल रहा है। सिर्फ त्यौहारी सीजन में छिटपूट कार्यवाही करके संबंधित विभाग सिर्फ खानापूर्ति करके अपने कत्वर्य की इतिश्री कर लेता है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह मिलावटखोरी रोकने के लिए युद्ध स्तर पर लगातार ऐसे अभियान चलाये ताकि लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ बंद हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि शासन प्रशासन जनस्वास्थ से जुड़े इस मुद्दे पर गंभीरतापूर्वक विचार करके जल्द ही कारगर कदम उठाएगा।

संसद में सांसदों की संख्या के साथ चुनाव सुधार का सवाल

आलोक मेहता

अब इस बात के पूरे आसार दिख रहे हैं कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद में महिलाओं के 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व और सदस्य संख्या लगभग 816 से अधिक रखने के संवैधानिक प्रावधान वाले विधेयक आने वाले किसी भी सत्र में पारित करवा लेंगे। कांग्रेस और उसके सहयोगियों के विरोध के बावजूद क्षेत्रीय दलों सांसदों का समर्थन मिलना तय है। लेकिन क्या इससे अधिकाधिक योग्य समाज से जुड़ी ईमानदार महिलाएं और स्वच्छ छवि तथा गंभीर आपराधिक आरोपों से मुक्त सदस्य चुनावों के बल पर संसद में आ सकेंगें ? इस तरह का एक सवाल राजनीति में सक्रिय एक सुसंस्कृत परिवार की शिक्षित प्रवक्ता ने पिछले दिनों एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुझसे किया। सचमुच तत्काल इसका उत्तर मेरे पास नहीं है। इसलिए मैंने अपने इस बार अपने कालम में इस मुद्दे से जुड़ी बातें रखना उचित समझा।

यदि संसद लोकसभा की सीटों का परिसीमन करके संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करती है और महिलाओं के लिए लगभग 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करती है, तो भारतीय लोकतंत्र की चुनावी तस्वीर काफी बदल जाएगी। 816 सीटों के मॉडल में लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसका मतलब है कि नई लोकसभा में कम-से-कम 273 महिलाएँ आरक्षित सीटों के माध्यम से पहुँचेंगी। नई व्यवस्था में लोकसभा का बहुमत भी बदल जाएगा। 543 सदस्यीय वर्तमान लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272 है, जबकि 816 सदस्य होने पर बहुमत के लिए 409 सांसदों का समर्थन आवश्यक होगा।परिसीमन का दूसरा बड़ा असर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आरक्षित सीटों पर पड़ेगा। अभी लोकसभा में 84 सीटें अनुसूचित जाति और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। नई जनसंख्या-आधारित परिसीमन व्यवस्था में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति लगभग 126 से 136 और करीब 70 तक पहुँचने का अनुमान है। अंतिम संख्या परिसीमन आयोग ही तय करेगा।

महिला आरक्षण का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आरक्षित सीटों में भी लगभग एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। करीब 45 करीब 23 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। इस प्रकार 273 महिला आरक्षित सीटों में अनुसूचित जाति जनजाति महिलाओं का भी संवैधानिक प्रतिनिधित्व रहेगा।परिसीमन का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रभाव राज्यों के बीच लोकसभा सीटों के पुनर्वितरण पर पड़ेगा। आबादी के आधार पर सीटें बढ़ने से उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे बड़े और अपेक्षाकृत अधिक जनसंख्या वाले राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। उदाहरण के तौर पर प्रस्तावित मॉडल में उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर लगभग 120 और बिहार की 40 से लगभग 60 हो सकती हैं। महाराष्ट्र लगभग 72, पश्चिम बंगाल 63, तमिलनाडु 59, मध्य प्रदेश लगभग 44 और कर्नाटक लगभग 42 सीटों तक जा सकते हैं। ये अभी संभावित आंकड़े हैं, अंतिम परिसीमन में बदलाव संभव है।वास्तविक संख्या अंतिम रुप से सरकार द्वारा रखे गए प्रस्ताव और परिसीमन आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही तय होगी।

दक्षिण भारत की चिंता भी महत्वपूर्ण है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। उनका तर्क है कि यदि केवल वर्तमान आबादी को आधार बनाकर सीटें बाँटी गईं तो जिन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित की, उनका लोकसभा में सापेक्ष राजनीतिक वजन घट सकता है। दूसरी ओर 816 सीटों का प्रस्तावित मॉडल इस नुकसान को कम करने के लिए कुल सीटों को ही काफी बढ़ाने का रास्ता अपनाता है।इसलिए 816 सीटों का मॉडल केवल महिला आरक्षण का मामला नहीं, बल्कि भारत के संघीय राजनीतिक संतुलन का भी बड़ा प्रश्न है। एक तरफ उत्तर भारत के बड़े राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, दूसरी तरफदक्षिणी राज्यों को भी मौजूदा सीटों की तुलना में अधिक सीटें मिलेंगी। अंतिम संख्या संसद के कानून और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया से तय होगी।

इसी तरह चुनाव लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन चुनावी राजनीति के सामने दो गंभीर चुनौतियाँ लगातार बनी हुई हैं–राजनीति का अपराधीकरण और चुनाव में बढ़ता धनबल। पिछले कई दशकों में निर्वाचन आयोग, सुप्रीम कोर्ट, विधि आयोग और विभिन्न सरकारी समितियों ने इन समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए अनेक सुझाव दिए हैं। कुछ सुझाव कानून बने, कुछ पर न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले दिए और कई आज भी संसद तथा सरकार के सामने लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसी महीने एक फैसले में कुछ महत्वपूर्ण अनिवार्य कही जा सकने वाली सिफारिशें भी की हैं।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि केवल आरोप लगने से किसी व्यक्ति को चुनाव लड़ने से रोकने की व्यवस्था नहीं है। मौजूदा कानून में मुख्यतः दोषसिद्धि के बाद अयोग्यता होती है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को मतदाताओं के सामने अनिवार्य रूप से रखने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी गंभीर आपराधिक मामलों में आरोप तय हो चुके उम्मीदवारों को चुनाव से बाहर रखने का प्रस्ताव दिया है। लेकिन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए संसद को कानून बनाना होगा। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण कदम उठाया था 7इसके बाद किसी सांसद या विधायक को ऐसे अपराध में दोषी ठहराया जाता है जिसमें कानून के अनुसार दो वर्ष या उससे अधिक की सजा होती है, तो दोषसिद्धि के प्रभाव से सदस्यता समाप्त हो सकती है।

इंटरनेट का विस्फोट? अब मासूम कहां रहा बचपन, खंडित सामाजिक रिश्ते

संजीव ठाकुर

इंटरनेट और सोशल मीडिया आधुनिक सभ्यता की ऐसी उपलब्धियाँ हैं, जिन्होंने मनुष्य के जीवन को अभूतपूर्व गति, सुविधा और संचार की शक्ति प्रदान की है। ज्ञान, शिक्षा, सूचना, मनोरंजन और संवाद के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। संसार की दूरियाँ सिमट गई हैं और दुनिया मानो एक छोटे-से गाँव में बदल गई है। लेकिन हर सुविधा का एक दूसरा पक्ष भी होता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया का अनियंत्रित तथा असंतुलित उपयोग आज बच्चों के बचपन, पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक संवेदनाओं के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है।

आज तीन-चार वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या में बच्चे को शांत कराने के लिए मोबाइल उसके हाथ में थमा देते हैं। शुरुआत में यह सुविधा लगती है, लेकिन धीरे-धीरे मोबाइल बच्चे का सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह माता-पिता की गोद से अधिक मोबाइल की स्क्रीन में सुरक्षा और मनोरंजन तलाशने लगता है। बाहर खेलने, मिट्टी में उतरने, दोस्तों के साथ दौड़ने या प्रकृति को देखने की अपेक्षा उसे कार्टून, वीडियो और ऑनलाइन गेम अधिक आकर्षित करने लगते हैं। यहीं से बचपन के बदलने की कहानी शुरू होती है।

एक समय था जब बच्चों की पहचान उनकी खिलखिलाती हँसी, मिट्टी से सने कपड़ों, मैदानों की दौड़, पेड़ों पर चढ़ने की जिद और दोस्तों के साथ खेली जाने वाली गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी से होती थी। शाम होते ही गलियाँ बच्चों की चहचहाहट से भर जाती थीं। घरों के आँगन में कैरम, लूडो और शतरंज की बिसात सजती थी। हारने वाला रूठता था और जीतने वाला मुस्कुराता था, लेकिन थोड़ी देर बाद दोनों फिर दोस्त बन जाते थे।

आज अनेक शहरों और कस्बों की गलियाँ अपेक्षाकृत शांत हैं और बच्चों की दुनिया मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन में सिमटती जा रही है।

खेल के मैदान से स्क्रीन तक : खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं थे। वे जीवन जीने की पहली पाठशाला थे। कबड्डी बच्चों को साहस और सामूहिकता सिखाती थी, खो-खो सहयोग और अनुशासन सिखाता था, क्रिकेट धैर्य और रणनीति का अभ्यास कराता था। गुल्ली-डंडा और गिल्ली जैसे पारंपरिक खेल संसाधनों की कमी के बावजूद बच्चों को आनंद देना जानते थे।

आज ऑनलाइन गेमिंग ने इन खेलों की जगह काफी हद तक ले ली है। स्क्रीन पर जीतने की खुशी वास्तविक मैदान की खुशी जैसी नहीं होती। वास्तविक खेल में बच्चा धूप, हवा, मिट्टी, पसीने और मित्रता के बीच बड़ा होता है। वहाँ वह हारना सीखता है, फिर उठकर प्रयास करना सीखता है। डिजिटल खेलों में अक्सर प्रतिस्पर्धा अधिक तीव्र, आभासी और कई बार आक्रामक होती है।

बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ कम होने से मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, नींद की समस्याएँ, आँखों पर दबाव और गर्दन-पीठ से जुड़ी परेशानियों जैसी चिंताएँ बढ़ रही हैं। अत्यधिक स्क्रीन समय एकाग्रता और दिनचर्या को भी प्रभावित कर सकता है। इसलिए समस्या मोबाइल या इंटरनेट का अस्तित्व नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है।

मासूमियत पर आभासी दुनिया का प्रभाव : सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी प्रभावित किया है। आभासी दुनिया में दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा, लोकप्रियता और त्वरित प्रसिद्धि बच्चों के मन में कम उम्र से ही तुलना और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा कर सकती है।

अब बच्चा यह सोचने लगा है कि उसके कितने लाइक्स हैं, कितने फॉलोअर्स हैं और उसकी तस्वीर को कितने लोगों ने पसंद किया। बचपन की सहज मुस्कान कभी-कभी कैमरे के सामने बनाई गई कृत्रिम मुस्कान में बदलने लगती है।

वह जीवन को जीने से अधिक उसे रिकॉर्ड करने लगता है।

भोजन सामने है, लेकिन पहले तस्वीर खींची जाती है। परिवार साथ बैठा है, लेकिन बातचीत के बजाय हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन पर है। घूमने गए हैं, लेकिन प्रकृति को देखने से अधिक उसे कैमरे में कैद करने की चिंता है। धीरे-धीरे अनुभव की जगह प्रदर्शन लेने लगता है।

एक छत के नीचे, फिर भी दूर : सोशल मीडिया का सबसे गंभीर प्रभाव केवल बच्चों पर नहीं, परिवार पर भी दिखाई देता है। एक ही घर में माता-पिता, बच्चे और बुजुर्ग रहते हैं, लेकिन मानसिक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं।

पहले भोजन का समय परिवार के संवाद का समय होता था। दिनभर की बातें होती थीं। दादा-दादी कहानियाँ सुनाते थे। बच्चे अपने विद्यालय और मित्रों की बातें बताते थे। माता-पिता बच्चों की भावनाओं को समझते थे।

आज भोजन की मेज पर भी मोबाइल उपस्थित है।

कभी घर में घंटी बजने पर पूरा परिवार उत्सुकता से उठता था कि कौन आया है। अब संदेश की सूचना आते ही व्यक्ति सामने बैठे व्यक्ति को छोड़कर दूर बैठे किसी आभासी व्यक्ति से जुड़ जाता है। रिश्ते समाप्त नहीं हुए हैं, लेकिन उनकी आत्मीयता का स्वरूप बदल रहा है। कभी चिट्ठी आने में कई दिन लगते थे, लेकिन उसमें भावनाएँ होती थीं। आज संदेश कुछ सेकंड में पहुँच जाता है, लेकिन कई बार उसमें वह आत्मीयता नहीं होती।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मतलब हद्द ही है ये तो गजब बेज्जती है भाई 40 लाख का पैकेज भी नहीं बचा पाया रिश्ता! कर्नाटक की एक लड़की ने कथित तौर पर ?40 लाख सालाना कमाने वाले लड़के को रिजेक्ट कर दिया। वजह सैलरी, नौकरी या परिवार नहीं बताया गया... मामला अटक गया उसके Instagram Bio पर, जहां Rahul Gandhi को "Role Model" लिखा था। पैकेज भारी था... लेकिन Bio में लिखा Role Model उससे भी भारी पड़ गया! - **सीमा राय**

मैंने रक्खा था जिसे प्यार से फूलों की तरह। ज़ख्म देता है वही अब मुझे काँटों की तरह।। उसने ताउम्र मुझे घर में सजा कर रक्खा। चंद बेजान से मिट्टी के खिलौनों की तरह।। गर्दिश-ए-वक़्त ने जो ख़्वाब मेरे तोड़ दिए। अब वो चुभते हैं मुझे काँच के टुकड़ों की तरह।। यूँ तो हम साथ ही चलते रहे ताउम्र कमल मगर। मिल न पाए कभी दरिया के किनारों की तरह।। - **कमलकांत डोंगरे**

मेरे क़िरदार को हल्का करोगे मुझे मालूम था ऐसा करोगे बदल जाएंगे सब किस्से कहानी कहानी को अगर जिंदा करोगे पता चल जाएगा खुशबू का घर भी गुलों के साथ गर बैठा करोगे कहां जी पाओगे फिर चैन से तुम किसी के साथ गर धोखा करोगे न सिर पर आसमां भी बच सकेगा सितारों से अगर झगड़ा करोगे भला क्यों ये सितारे टूटते है अभी ये जानकर तुम क्या करोगे!! - **नीरू श्रीवास्तव**

ऐसी कमरे में बैठकर भाषण देना बंद करो भाजपाइयों... तुम्हें पता है राहुल गांधी कोई नियम-कानून नहीं मानता.... संसद मार्ग पुलिस स्टेशन को घेरना... बिना अनुमति के रास्ता रोक कर धरना देना... तुमसे अच्छी तो राजस्थान की जनता है... जो अराजकता फैलाने वाले आशुतोष रांका और उनके चेलों को दौड़ा-दौड़ाकर भगा दिया.... तुम्हारे पास तो पुलिस है, फोर्स है, दिमाग का नहीं सही कम से कम सिस्टम का उपयोग तो कर लिया करो..! - **कुमार संतोष**

मैं अपने ज़रूरत की ज़रूरत हूं ... अब जीवन में और कुछ भी जरूरी नहीं कम-से-कम सफ़र में तुम्हारे साथ रहूं क्या फर्क पड़ता है मंजिल मिले ना मिल... जब तुम हम सफर हो तो अब तो मंजिल भी हमारे लिए जरूरी नहीं। - **कुमुद अनुन्जया**

मेरे दिल को भाए न सूरत किसी की, कहीं मार डाले न चाहत किसी की। रफ़ू क्यों करूँ अपने दिल की दरारें, मेरा चाक दिल है इनायत किसी की। मैं पत्थर सा ठहरी, मगर टूट जाऊँ, अगर छू के गुज़रे मुरव्वत किसी की। मुझे चैन आये सलासिल में रहकर, नहीं चाहिये अब ज़मानत किसी की । - **रूबी झा 'कमल'**

चाँद कहाँ से लाऊँ मैं दिल को क्या समझाऊँ मैं टूटे सभी खिलौने हैं माँ को क्या बतलाऊँ मैं दिल के घाव हरे अब भी कैसे दर्द छुपाऊँ मैं नींद नहीं जब आँखों में ख़्वाब कहाँ से लाऊँ मैं चाँद नहीं आता छत पर कैसे चाँद बुलाऊँ मैं गंगा बहे मुहब्बत की नफ़रत चलो मिटाऊँ मैं ज़ख़्मी आज सभी का दिल कैसे आज हँसाऊँ मैं 'ऐनुल' ज़ीस्त भँवर में है कैसे पार लगाऊँ मैं। - **'ऐनुल' बरौलवी**

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1456 - गुटेनबर्ग बाइबिल की छपाई का कार्य पूरा किया गया। 1600 - ईस्ट इंडिया कम्पनी का पहला जहाज 'हेक्टर' सूरत के तट पर पहुंचा। 1690 - जॉब चारनॉक कलकत्ता में आकर बसे। 1690- कलकत्ता शहर का स्थापना दिवस। 1914 - प्रथम विश्व युद्ध : जर्मन सेना ने नैमूर पर क़ब्ज़ा किया। 1969- वाराहगिरि वेंकट गिरि भारत के चौथे राष्ट्रपति बने 1974- फखरुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति बने 1991 - यूक्रेन सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र देश बना। 1995 - उत्तरी अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज 95 की आम जनता के लिए शुरूआत। 1999 - पाकिस्तान ने कारगिल ऑपरेशन के दौरान भारत द्वारा पकड़े गये 8 युद्धबंदियों को युद्धबंदी मानने से इंकार किया। 2000 - बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मद इरशाद को 5 वर्ष की सज़ा। 2002 - संयुक्त राज्य अमेरिका के उप-विदेशमंत्री रिचर्ड आर्मिटेज ने भारत-पाकिस्तान से बातचीत शुरू करने का अनुरोध किया। 2004 - फ़िलिस्तीनियों को अहिंसा का पाठ पढ़ाने अरुण गांधी रामल्ला पहुँचे। 2006 - अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ ने प्लूटो (यम) का ग्रह का दर्जा समाप्त किया।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष: *आज का दिन काफी उठा पटक वाला रहेगा। व्यावसायिक योजनाओं में अचानक बदलाव करना पड़ेगा। दिन के आरंभ में कार्यो की गति धीमी रहेगी ।

वृष: आज का दिन आशाओं के विपरीत रहने वाला है। सोची हुई योजनाए आरम्भ में सफल होती नजर आएंगी परन्तु मध्यान तक इनसे निराशा ही मिलेगी। आज आप जिससे भी सहायता मांगेंगे वो भ्रम की स्थिति में रखेगा।

मिथुन: आज का दिन भी आशानुकूल रहेगा। सेहत उत्तम रहने से कार्यो को मन लगाकर करेंगे लेकिन किसी के हस्तक्षेप करने से मन विक्षिप्त हो सकता है। किसी के ऊपर ध्यान ना दें।

कर्क: आज के दिन आप सम्भल कर ही कार्य करेंगे फिर भी सफलता में संशय बना रहेगा। व्यवहारिकता की कमी के कारण जितना लाभ मिलना चाहिए उतना नही मिल सकेगा।

सिंह: आज के दिन आप बुद्धि विवेक से कार्य करेंगे परन्तु परिस्थिति हर तरह से कार्यो में बाधा डालेगी। कार्य व्यवसाय से मन ऊबने लगेगा धैर्य से कार्य करते रहें।

कन्या: आज के दिन अनैतिक कार्यो से बच कर रहें मन भ्रमित रहने के कारण निषेधात्मक कार्यो में भटकेगा। लोग आपसे भावनात्मक संबंध बनाएंगे।

तुला: आज का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से उन्नति वाला रहेगा। धन संबंधित समस्याएं काफी हद तक सुलझने पर दिन भर प्रसन्नता रहेगी। कार्य व्यवसाय से प्रारंभिक परिश्रम के बाद दोपहर के समय से धन की आमद शुरू हो जाएगी जो संध्या तक रुक रुक कर चलती रहेगी।

वृश्चिक: आज के दिन आप किसी भी कार्य को लेकर ज्यादा भाग-दौड़ करने के पक्ष में नही रहेंगे। आसानी से जितना मिल जाये उसी में संतोष कर लेंगे।

धनु: आज के दिन मानसिक चंचलता के कारण बनते कार्यो को दुविधा के कारण आप स्वयं बिगाड़ लेंगे। सरकारी कार्य आज सावधानी से करें अन्यथा लंबित रखें हानि निश्चित रहेगी।

मकर: आपको आज के दिन प्रत्येक कार्यो में सावधान रहने की आवश्यकता है। धन के पीछे भागने की प्रवृति पर आज लगाम लगाकर रखे अन्यथा धन के साथ-साथ मान हानि भी होगी।

कुंभ: आज के दिन लाभ के अवसर आपकी तलाश में रहेंगे। दिन में जिस किसी के भी संपर्क में रहेंगे उससे कुछ ना कुछ लाभ अवश्य होगा। कार्य क्षेत्र पर भी एक से अधिक साधनो से आय होगी। व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाओ को पदोन्नति के साथ प्रोत्साहन के रूप में आर्थिक सहायता भी मिल सकती है।

मीन: आज का दिन कार्य सफलता वाला रहेगा। प्रातः काल जल्दी कार्यो में जुटने का फल शीघ्र ही धन लाभ के रूप में मिलेगा। अधिकांश कार्य थोड़े से परिश्रम से पूर्ण हो जाएंगे।

QUIZ TIME

1. रोटी फूलने पर उसके अंदर मुख्य रूप से कौन-सी गैस/वाष्प भरती है?
2. किस देश द्वारा दुनियां का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग चुंबक बनाया गया है?
3. किस राज्य के पारंपरिक पिथौरा चित्रकला को हाल ही में जीआई टैग प्रदान किया गया है?
4. भारत में रेयर पृथ्वी तत्व के लिए एक्सप्लोरेशन लाइसेंस देने वाला देश का पहला राज्य कौन सा बना है?
5. किस राज्य में स्थित ग्लॉ झील को रामसर स्थल की सूची में शामिल किया गया है?

उत्तरमाला- (1) जल वाष्प और कार्बन डाइऑक्साइड (2) चीन (3) गुजरात (4) राजस्थान (5) अरूणाचल प्रदेश

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -138

[illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 137 का हल

नक्शे के खिलाफ अतिरिक्त निर्माण पर निगम की कार्रवाई, तोड़ा अवैध हिस्सा

रायपुर/नवप्रदेश। नगर निगम जोन-7 के नगर निवेश विभाग ने वार्ड-36 तात्यापारा में स्वीकृत नक्शे के विपरीत किए गए अतिरिक्त निर्माण पर कार्रवाई करते हुए अवैध हिस्से को तोड़ दिया। निगम की टीम ने कार्रवाई से पहले निर्माणकर्ता को नोटिस जारी कर स्वीकृत नक्शे के अनुसार निर्माण करने और अतिरिक्त निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे।

जांच में नियमों के विपरीत मिला निर्माण : नगर निगम के अनुसार तात्यापारा वार्ड-36 के मुख्य मार्ग पर जोन-7 कार्यालय के पास निर्माणकर्ता राजेंद्र सिंह परिहार द्वारा स्वीकृत नक्शे के विपरीत अतिरिक्त निर्माण किया गया था। नगर निवेश विभाग की जांच में निर्माण नियमों के अनुरूप नहीं पाया गया।

इसके बाद निगम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत निर्माणकर्ता को नोटिस जारी किया। नोटिस के माध्यम से स्वीकृत नक्शे के अनुसार निर्माण करने तथा अवैध हिस्से को हटाने के निर्देश दिए गए।

टीम ने मौके पर पहुंचकर तोड़ा अतिरिक्त निर्माण

निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और नक्शे के विपरीत किए गए अतिरिक्त निर्माण को तोड़कर हटा दिया। कार्रवाई के दौरान निगम के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

आयुक्त के निर्देश पर हुई कार्रवाई

निगम अधिकारियों के मुताबिक कार्रवाई नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर की गई। जोन-7 के नगर निवेश विभाग की टीम ने जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणीग्रही के मार्गदर्शन में कार्रवाई को अंजाम दिया। निगम ने स्पष्ट किया कि शहर में भवन निर्माण के दौरान स्वीकृत नक्शे और निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य है। नक्शे के विपरीत किए गए अतिरिक्त निर्माण की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जशपुर में 200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को मिला नि:शुल्क फॉस्टेक प्रशिक्षण

रायपुर/नवप्रदेश। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला जशपुर द्वारा जिला पंचायत के संवाद सभागार में 200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को निःशुल्क फॉस्टेक (खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन) प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेस्ले इंडिया एवं नासवी (नेशनल एसोसिएशन ऑफस्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया) के सहयोग से किया गया।

खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के प्रावधानों के तहत खाद्य कारोबारियों के लिए फॉस्टेक प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रशिक्षण में चाय-नाश्ता, भोजन ठेला, टपरी, खोमचा, जलेबी-पकौड़ा-भजिया, चाट-गुपचुप, इडली-डोसा, भुंजा-फल्लीदाना, जूस-लस्सी-शेक, फास्ट फूड, मोमोज, चाइनीज फूड तथा आइसक्रीम-फ्लूदा सहित विभिन्न खाद्य व्यवसायों से जुड़े विक्रेता शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों की स्वच्छ एवं सुरक्षित तैयारी, उचित तरीके से परोसने तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक स्वच्छता के निर्धारित मानकों की जानकारी दी गई। साथ ही खाद्य सुरक्षा के प्रति ग्राहकों को जागरूक करने के लिए आवश्यक सावधानियों से भी अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी 200 विक्रेताओं को फॉस्टेक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, स्ट्रीट फूड विक्रेता प्रमाण पत्र तथा हाईजीन किट निरूशुल्क प्रदान की गई। हाईजीन किट में एप्रन, टोपी, हेड कवर, हाथ के दस्ताने, किचन तौलिया, हाथ धोने का साबुन और गोल्डन रूल चार्ट शामिल हैं।

पीएम आवास को लेकर भूपेश फैला रहे भ्रम, सरकार बनने के बाद 11 लाख आवास पूर्ण: डिप्टी सीएम

- प्रथम कैबिनेट में 18 लाख से अधिक पीएम आवास निर्माण का लिया गया था संकल्प

रायपुर/नवप्रदेश। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व मे प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण का कार्य निरंतर गति से जारी है। संसद में छत्तीसगढ़ से सांसद बृजमोहन अग्रवाल के 5 वर्षों के प्रधानमंत्री आवास निर्माण के सवाल पर केंद्र सरकार ने फिर से हमारे दावों पर मुहर लगाने का कार्य किया है परंतु पूर्व सीएम इसमें भी आंकड़ों का भ्रम फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं ।उन्होंने कहा कि श्री बघेल अपने कार्यकाल में भ्रम फैलाने की जगह अगर कार्य करते तो गरीबों को अपने आवासों से वंचित नहीं होना पड़ता। अब भी यदि श्री बघेल चर्चा से भागना छोड़ किसी भी मंच पर आकर प्रधानमंत्री आवास के संबंध में बात करना चाहते हैं तो हम तैयार हैं।

2011 और 2018 की पात्रता सूची के सभी पात्र आवास मंजूर

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2011 एवं 2018 की पात्रता सूची के अंतर्गत पात्र पाए गए सभी आवासों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। कुल स्वीकृत आवासों में से अब तक 20 लाख 40 हजार मकानों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं, वर्तमान में लगभग 4 लाख आवासों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आवास स्वीकृत करना नहीं, बल्कि पात्र परिवारों को शीघ्रता से उनके पक्के मकान का लाभ दिलाना है। इसी उद्देश्य से निर्माणाधीन आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

पुराने वित्तीय वर्षों के आवास भी वर्तमान सरकार में हुए पूर्णः उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पूर्ण किए गए 11 लाख से अधिक आवासों में पिछले वित्तीय वर्षों में स्वीकृत आवास भी शामिल हैं। पुराने समय में स्वीकृत ऐसे आवास, जो विभिन्न कारणों से लंबित थे, उन्हें भी आवश्यक राशि उपलब्ध कराकर वर्तमान सरकार द्वारा पूर्ण कराया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पुराने लंबित आवासों को भी प्राथमिकता देते हुए हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाने का कार्य किया है। इस प्रकार पिछले ढाई वर्षों के अल्प समय में पुराने एवं नए वित्तीय वर्षों के आवासों को मिलाकर 11 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने रविवार को अपने निवास में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि नई सरकार के गठन के बाद से अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ लगातार कार्य कर रहे हैं ।

छग पर्यटन बोर्ड ने बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े से किया सावधान

- पर्यटन बोर्ड की पर्यटकों से अपील—फर्जी वेबसाइट, बुकिंग लिंक, मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया से रहें सतर्क

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं की बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े की शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। बोर्ड को ऐसी अनधिकृत वेबसाइटों और माध्यमों की जानकारी मिली है, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम पर फर्जी बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रहे हैं। ऐसे माध्यमों के जरिए पर्यटकों से ऑनलाइन भुगतान कराकर ठगी किए जाने की आशंका है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पर्यटक पर्यटन स्थलों, आवासीय सुविधाओं तथा अन्य पर्यटन सेवाओं की बुकिंग के लिए केवल छत्तीसगढ़ पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट tourism.cgstate.gov.in का ही उपयोग करें। किसी अन्य वेबसाइट, अनधिकृत बुकिंग लिंक, संदिग्ध मोबाइल नंबर, विज्ञापन अथवा सोशल मीडिया के ऐसे पेज पर भरोसा नहीं करें, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन की बुकिंग उपलब्ध कराने का दावा करते हों।

बोर्ड के अनुसार, साइबर ठगी करने वाले तत्व छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम, प्रतीक चिन्ह, पर्यटन स्थलों की तस्वीरों और अन्य प्रचार सामग्री का दुरुपयोग कर पर्यटकों को भ्रमित कर सकते हैं।

सियाराम गैस एजेंसी पर खाद्य विभाग का छापा, 471 सिलेंडर जब्त

- स्टॉक बोर्ड और रेट लिस्ट भी नहीं मिली

रायपुर/गौरेला-पेंड्रा-मरवाही/नवप्रदेश। गौरेला की सियाराम गैस एजेंसी में लंबे समय से भंडारण और वितरण में अनियमितता की शिकायतों के बाद खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर पालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे की शिकायत के बाद विभाग की टीम ने अचानक एजेंसी की जांच की। कार्रवाई के दौरान कुल 471 गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

433 घरेलू और 38 व्यावसायिक सिलेंडर जब्त

खाद्य विभाग के अनुसार कार्रवाई द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश, 2000 के तहत की गई। जांच के दौरान 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 433 घरेलू गैस सिलेंडर मिले। इनमें 346 भरे हुए और करीब 87 खाली सिलेंडर शामिल हैं।

इसके अलावा 19-19 किलोग्राम क्षमता वाले 38 व्यावसायिक सिलेंडर भी जब्त किए गए। विभाग ने सिलेंडरों के भंडारण और वितरण से संबंधित नियमों में अनियमितता पाए जाने पर यह कार्रवाई की है।

स्टॉक बोर्ड और रेट लिस्ट भी नहीं मिली

जांच के दौरान एजेंसी में कई अन्य कमियां भी सामने आईं। अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी परिसर में मुख्य एवं स्टॉक बोर्ड नहीं लगाया गया था। उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए रेट लिस्ट भी प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित नहीं की गई थी। इसके अलावा गैस सिलेंडरों की आवक-जावक का रिकॉर्ड भी निर्धारित तरीके से दर्ज नहीं किया जा रहा था। अचानक हुई विभागीय कार्रवाई से गैस एजेंसी में हड़कंप मच गया। विभाग ने जब्त सिलेंडरों और सामने आई अनियमितताओं के संबंध में आगे की नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहले भी लग चुका है जुर्माना

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी के खिलाफ पहले भी अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रही हैं। पूर्व में जांच के दौरान गड़बड़ी पाए जाने पर एजेंसी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया जा चुका है। इसके बावजूद शिकायतें मिलने के बाद विभाग ने दोबारा जांच की।

महतारी वंदन योजना से उर्मिला यादव के परिवार को मिला आर्थिक सहारा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना परिवारों के लिए मजबूत आर्थिक सहारे का माध्यम बन रही है। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी घरेलू जरूरतों के साथ बच्चों के पोषण, शिक्षा और बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए भी आर्थिक प्रबंधन कर रही हैं।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम जमगवां की श्रीमती उर्मिला यादव महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होकर इस आर्थिक संबल का उपयोग अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। उर्मिला यादव बताती हैं कि योजना के तहत उनके बैंक खाते में प्रतिमाह राशि प्राप्त होती है। इस राशि से वे बच्चों के खान-पान और परिवार की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग लेती हैं। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से घरेलू खर्चों को व्यवस्थित करने में उन्हें काफी सहूलियत मिली है।

'राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ – विष्णु भैया संग विकास की बात'

- कम लागत में राखियां बनाकर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहीं बिहान की महिलाएं

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं समूह के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाते हुए आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत किशुन नगर की जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। समूह की महिलाएं मौसम और त्योहारों के अनुरूप सीजनल गतिविधियों का चयन कर अपनी आय के नए अवसर तैयार कर रही हैं।

रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए इन दिनों समूह की महिलाएं घर में उपलब्ध सामग्री और स्थानीय संसाधनों से आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। चावल, गेहूं, मक्का और कोहड़े के बीज सहित अन्य सामग्री को रंगकर और सजाकर सुंदर राखियां बनाई जा रही हैं। वहीं रेशमी धागे, ऊन और अन्य सजावटी सामग्री आवश्यकतानुसार बाजार से खरीदी जाती है। इससे राखियों की उत्पादन लागत कम रहती है और महिलाओं को बेहतर आय अर्जित करने का अवसर मिलता है।

12 महिलाओं ने मिलकर संवारी आजीविका

समूह की सदस्य सुश्री सोनाली सिंह ने बताया कि जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह में कुल 12 महिलाएं हैं। सभी सदस्य मिलकर अलग-अलग मौसम और त्योहारों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों का संचालन करती हैं। वर्तमान में राखी निर्माण का कार्य किया जा रहा है। तैयार राखियों को विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर तथा घर से भी बेचा जा रहा है।

77 घंटे बाद ब्लू वाटर खदान से मिला आदिल का शव

रायपुर/नवप्रदेश। नकटी गांव स्थित ब्लू वाटर खदान में डूबे आदिल का शव करीब 77 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। पिछले तीन दिनों से एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार युवक की तलाश में जुटी थीं। शनिवार देर रात आदिल का शव पानी की सतह पर दिखाई दिया, जिसके बाद उसे बरामद कर लिया गया।

पानी की सतह पर मिला शव : आदिल की तलाश के लिए प्रशासन ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को लगाया था। लगातार तीन दिनों तक अभियान चलाने के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो प्रशासन ने भारतीय नौसेना से भी मदद मांगी थी। भारतीय नौसेना की ईस्टर्न कमांड की विशेष टीम के रविवार को रायपुर पहुंचने की तैयारी थी। इससे पहले ही आदिल का शव पानी की सतह पर आ गया। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिवार को पिछले तीन दिनों से आदिल के मिलने की उम्मीद थी, लेकिन शव मिलने से इलाके में मातम का माहौल है।

दोस्तों के साथ तैरने के दौरान हुआ हादसा : जानकारी के मुताबिक 19 अगस्त की शाम आदिल अपने तीन दोस्तों के साथ ब्लू वाटर खदान घूमने गया था। इसी दौरान दोस्तों के बीच पानी के एक छोर से दूसरे छोर तक तैरकर जाने की शर्त लगी। आदिल और उसका एक दोस्त पानी में उतर गए। तैरते हुए आदिल पानी के गहरे हिस्से में चला गया और अचानक डूब गया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। इसके बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी।

पहले भी हो चुके हैं हादसे : ब्लू वाटर खदान में इस तरह का हादसा पहली बार नहीं हुआ है। यहां पहले भी कई लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले करीब नौ वर्षों में 10 लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने ब्लू वाटर क्षेत्र को प्रतिबंधित करने और खदान के चारों ओर सुरक्षा के लिए फेंसिंग कराने की जानकारी दी है। प्रशासन अब क्षेत्र में लोगों की आवाजाही रोकने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में कार्रवाई कर रहा है।

जिला प्रशासन कोरिया की अभिनव पहल : विजनरी-15' से विद्यार्थियों को मिली नई दिशा

रायपुर/नवप्रदेश। कोरिया जिले के आकांक्षी विकासखण्ड बैकुंठपुर के स्वामी आत्मानंद विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए रविवार का दिन यादगार बन गया। जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'विजनरी-15 : जहां सपने मिलते हैं नेतृत्व से' के दूसरे सत्र में विद्यार्थियों को प्रशासन के साथ सीधे संवाद, अपने सपनों को साझा करने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। 'विजनरी-15' की अवधारणा पर आयोजित इस विशेष संवाद में विद्यार्थियों ने अपने लक्ष्य, रुचियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा की। जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि बड़े सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन आवश्यक है। 'उठो, पढ़ो और बढ़ो' के मंत्र के साथ बच्चों को हर गलती से सीखते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की सबसे खास बात आत्मीय और पारिवारिक वातावरण रहा। बच्चों ने झूला झूला, वॉलीबाल और शतरंज खेला तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने फूल लगाए तो विद्यार्थियों ने बांस से सुंदर फूल बनाकर स्थानीय कला और हुनर की झलक प्रस्तुत की। बच्चों ने कविता और पेंटिंग भी भेंट की। विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने पर बच्चों ने अपने विचार रखे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी।

विद्यार्थियों के साथ भोजन और अनौपचारिक बातचीत ने इस आयोजन को और खास बना दिया। जिला प्रशासन की यह पहल बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। 'सशक्त युवा, समृद्ध कोरिया' के संकल्प को साकार करने वाली यह पहल विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान दे रही है।

बिहान से जुड़कर शुरू किया कुम्हारी का कारोबार, दीये-मटके और गमले बनाकर हर माह कमा रहीं 8 से 9 हजार रुपये

आत्मनिर्भरता की कहानी, लखपति दीदी बनने तक सावित्री का सफर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। बचत, ऋण, कौशल विकास और स्वरोजगार से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर को आय के साधन में बदल रही हैं। रायगढ़ जिले की ग्राम पंचायत सियारपाली की श्रीमती सावित्री राणा की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

गृहणी से बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी: बिहान योजना से जुड़ने से पहले सावित्री राणा एक सामान्य गृहणी थीं। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनके पास अपनी आय का कोई स्वतंत्र साधन नहीं था। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत शुरू की और समूह के माध्यम से मिले वित्तीय सहयोग तथा बैंक ऋण का उपयोग अपनी आजीविका शुरू करने में किया। सावित्री ने अपने पारंपरिक हुनर को पहचानते हुए मिट्टी के दीये, मटके, गमले, गुल्लक सहित विभिन्न उपयोगी एवं सजावटी वस्तुओं का निर्माण शुरू किया। मेहनत और लगन से उन्होंने कुम्हारी के पारंपरिक कार्य को व्यवस्थित व्यवसाय का रूप दिया। आज उनकी मासिक आय लगभग 8 से 9 हजार रुपये तक पहुंच गई है और वे परिवार की आर्थिक जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

समूह का सहारा, ऋण से मजबूत हुआ कारोबार

सावित्री राणा कृष्णा स्वयं सहायता समूह और जागृति ग्राम संगठन से जुड़ी हैं। बिहान योजना के माध्यम से उन्हें नियमित बचत के साथ आंतरिक वित्तीय सहयोग और ऋण की सुविधा मिली। आजीविका गतिविधि शुरू करने के लिए उन्होंने आरएफ से 4 हजार रुपये और सीआईएफसे 8 हजार रुपये का सहयोग प्राप्त किया।

इसके बाद उन्होंने बैंक से पहली बार 30 हजार रुपये और दूसरी बार 20 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने कुम्हारी व्यवसाय को विस्तार दिया। वर्तमान में उन्होंने बैंक से 1 लाख रुपये का ऋण लिया है, जिसमें से अब केवल 30 हजार रुपये की राशि शेष है। अपने व्यवसाय से प्राप्त आय के माध्यम से वे नियमित रूप से ऋण की अदायगी भी कर रही हैं।

मिट्टी से गढ़ रहीं खुशहाली: सावित्री बताती हैं कि कुम्हारी का काम अब उनके लिए केवल पारंपरिक व्यवसाय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का माध्यम बन गया है। वे मांग और मौसम के अनुसार अलग-अलग उत्पाद तैयार करती हैं। त्योहारों के समय दीयों की मांग बढ़ने पर वे अधिक संख्या में दीये तैयार करती हैं, वहीं सामान्य दिनों में मटके, गमले, गुल्लक और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं का निर्माण करती हैं। तैयार उत्पादों की बिक्री से होने वाली आय परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग देती है। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनमें आर्थिक निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। जो सावित्री पहले परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, आज वही अपने हुनर के बल पर परिवार की आय बढ़ाने में सहभागी बन चुकी हैं।

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने दुर्ग में नवीन न्यायालय भवन का किया भूमिपूजन

■ 'संधि सेतु' पुस्तक का विमोचन, डिजिटल न्यायिक सुविधाओं का भी शुभारंभ

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला दुर्ग के न्यायिक इतिहास में शनिवार को महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा, जब छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के निर्माण के लिए विधिवत भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में न्यायिक अधोसंरचना के विकास के साथ डिजिटल न्याय और सामुदायिक मध्यस्थता से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ भी किया गया। इस अवसर पर न्यायाधिपति पी.पी. साहू, नरेश कुमार चंद्रवंशी, रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, विभु दत्त गुरु एवं अमितेंद्र किशोर प्रसाद उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के. विनोद कुजूर ने स्वागत उद्बोधन में नवीन न्यायालय भवन की आवश्यकता और भविष्य की न्यायिक जरूरतों के अनुरूप आधुनिक परिसर के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रस्तावित नवीन भवन में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं न्यायार्थियों के लिए बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे न्यायिक कार्यों के लिए अधिक सुव्यवस्थित वातावरण मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधिपति सिन्हा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता के विषय पर तैयार पुस्तक 'संधि सेतु' का विमोचन किया। पुस्तक में संवाद, सहमति और मध्यस्थता के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विवादों के समाधान तथा सौहार्दपूर्ण समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को प्रस्तुत किया गया है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की सूचना प्रौद्योगिकी टीम द्वारा विकसित कैशलेस जुर्माना भुगतान सुविधा, एएफआर मोबाइल एप्लिकेशन और कोर्ट फीस टिकट जनरेशन सिस्टमका शुभारंभ एवं वीडियो प्रस्तुतीकरण किया गया। इन सुविधाओं से न्यायालयीन प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्य न्यायाधिपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि न्याय व्यवस्था की वास्तविक सफलता तभी है, जब न्याय आमजन के लिए सुलभ, सरल, पारदर्शी और उनके निकट हो। उन्होंने नवीन न्यायालय भवन के निर्माण को दुर्ग जिले की न्यायिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए डिजिटल तकनीक और सामुदायिक मध्यस्थता जैसी पहलों की सराहना की।

कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, जिला न्यायपालिका के अधिकारी, कर्मचारी, अधिवक्तागण, विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पैरालीगल वॉलंटियर्स तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय दुर्ग श्रीमती सुमन एक्का ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवीन न्यायालय भवन का भूमिपूजन, 'संधि सेतु' का विमोचन और डिजिटल न्यायिक सुविधाओं का शुभारंभ दुर्ग की न्याय व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ एवं जन-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

न्यूज गैलरी

एमजीएम में ओणम और रक्षाबंधन उत्सव

भिलाई/नवप्रदेश। एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-6 में प्री-प्राइमरी के छात्रों और शिक्षकों ने ओणम एवं रक्षाबंधन का त्योहार उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रिंसिपल रेव. फादर जेम्स गीवर्गीस ने किया। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी इंचार्ज एस. जीना सहित शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा। स्कूल परिसर को दोनों त्योहारों की थीम पर आकर्षक ढंग से सजाया गया। नन्हे बच्चों ने पूकलम, पारंपरिक नाव दौड़ और भाई-बहन के स्नेह को दर्शाने वाली विभिन्न गतिविधियों में उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति की विविधता, एकता और भाईचारे की भावना को सुंदर रूप से प्रस्तुत किया। साथ ही, बच्चों को विभिन्न भारतीय परंपराओं से परिचित कराने वाला यह आयोजन उनके लिए आनंददायक और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा।

मैत्री विद्या निकेतन में स्वास्थ्य परीक्षण और एचपीवी टीकाकरण अभियान

भिलाई/नवप्रदेश। विद्यार्थियों और शिक्षकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए मैत्री विद्या निकेतन, रिसाली में विद्यालय स्टाफ के लिए व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण तथा 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्टाफ सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आवश्यकता के अनुसार पैथोलॉजिकल जांच, स्वास्थ्य निगरानी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय मार्गदर्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के प्रति किशोरियों में जागरूकता बढ़ाना और समय पर टीकाकरण के महत्व को समझाना था। विद्यालय प्रबंधन ने राज्य स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शिविर के सफल आयोजन के लिए चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया।

संपत्तिकर जमा करने पर 4 प्रतिशत छूट

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई के समस्त संपत्तिकरदाताओं को सूचित किया जाता है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 का संपत्तिकर जमा करने पर 4 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जा रही है। इस छूट का लाभ लेने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2026 है। अतः समस्त संपत्तिकरदाताओं से अनुरोध है कि निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपना संपत्तिकर शीघ्र जमा कर छूट का लाभ उठाएं। संपत्तिकर का भुगतान निगम कार्यालय, आपके वार्ड में भ्रमण कर रहे टैक्स कलेक्टर अथवा ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता है।

निधन

रोहित कुमार वर्मा

भिलाई/नवप्रदेश। पाटन ब्लॉक के ग्राम पतोरा निवासी एवं बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी रोहित कुमार वर्मा 65 वर्ष का शनिवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम पतोरा स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. गोविंद सिंह वर्मा के पुत्र एवं अभिषेक व अभिमत वर्मा के पिताजी तथा पत्रिका के दुर्ग प्रमुख हेमंत कपूर और कांग्रेस नेता सुरेश कपूर के बड़े भाई थे। उनके निधन की खबर से पतोरा सहित पाटन क्षेत्र में शोक की लहर है। दुर्ग प्रेस क्लब और पत्रकार संघ पाटन के सदस्यों एवं पत्रकार साथियों ने रोहित कुमार वर्मा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

सेल के निदेशक नटराजन ने किया बीएसपी का दौरा

भिलाई/नवप्रदेश। सेल के निदेशक वाणिज्यिक टीएन नटराजन ने भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा कर प्रमुख उत्पादन इकाइयों के परिचालन प्रदर्शन की समीक्षा की। इस दौरान वायर रॉड मिल एवं यूनिवर्सल रेल मिल में उत्पादकता सुधार पर विशेष जोर दिया गया। निदेशक प्रभारी सेल-बीएसपी चित्तरंजन महापात्र ने उनका स्वागत किया और पदभार ग्रहण करने के बाद पहली भिलाई यात्रा पर अभिनंदन किया। दौरे के दौरान सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर में नटराजन को आवश्यक सुरक्षा निर्देशों से अवगत कराया गया। इसके बाद उन्होंने कार्यपालक निदेशक वर्क्स राकेश कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वायर रॉड मिल तथा यूनिवर्सल रेल मिल का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों ने दोनों इकाइयों के संचालन एवं प्रदर्शन की जानकारी दी।

नटराजन ने सेक्टर-10 स्थित ओवरहेड वाटर टैंक के समीप आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र सहित बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारी, संयंत्रकर्मी एवं बीएसपी स्कूलों के विद्यार्थी उपस्थित रहे और पौधारोपण अभियान में सहभागिता की। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए नटराजन ने कहा कि स्वच्छ मिट्टी, स्वच्छ वायु, स्वच्छ पेयजल और अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की वास्तविक संपदा हैं। उन्होंने भिलाई की हरित संपदा की सराहना करते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। इसके पश्चात इस्पात भवन में नटराजन ने वरिष्ठ प्रबंधन के साथ उच्चस्तरीय मिल्स कलेक्टिव बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में संयंत्र के प्रदर्शन, परिचालन दक्षता और उत्पादकता की व्यापक समीक्षा की गई। एमडब्ल्यूआरएम एवं यूआरएम पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और उपलब्ध क्षमताओं का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्यक्ष डिस्पैच बढ़ाने, बिक्री प्रदर्शन एवं परिचालन दक्षता में सुधार तथा उत्पादकता में निरंतर वृद्धि के लिए सतत प्रयास करने पर जोर दिया।

चित्तरंजन महापात्र ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा हर वर्ष संयंत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में करीब एक लाख पौधे रोपे जाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाली को बनाए रखना और उसे निरंतर बढ़ाना संयंत्र के पर्यावरणीय प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महापात्र ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र से संगठन की अपेक्षाएं काफी अधिक हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि संयंत्र का पूरा कार्यबल संगठन के लक्ष्यों एवं अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

जिले में मिलावटी 'फॉर्च्यून' ब्रांड मैदे की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध

■ खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने जारी किया निषेधात्मक आदेश

दुर्ग/नवप्रदेश। जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला दुर्ग ने 'फॉर्च्यून' ब्रांड के मैदा के एक संबंधित बैच की बिक्री, भंडारण एवं वितरण पर पूरे जिले में तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई प्रयोगशाला जांच में उत्पाद के असुरक्षित पाए जाने के बाद की गई है। अभिहित अधिकारी जितेंद्र कुमार नेते द्वारा जारी आदेश में जांच प्रयोगशाला भोपाल से प्राप्त रिपोर्ट में बैच नंबर 550059, पैक्ड 500 ग्राम, निर्माण तिथि 28 फरवरी 2026 के मैदा के नमूने की जांच की गई। जांच के दौरान इसमें निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में कीटनाशक (इंसेक्टिसाइड) पाए जाने की पुष्टि हुई। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित उत्पाद को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत असुरक्षित घोषित किया गया है। प्रशासन ने इस मामले को जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए जिले के सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों, थोक विक्रेताओं एवं खुदरा दुकानदारों को संबंधित बैच के उपलब्ध स्टॉक की बिक्री तत्काल रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बाजार में उपलब्ध इस बैच के उत्पाद को तत्काल वापस मंगाने यानी रिकॉल करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। संबंधित व्यापारियों को आदेश का कड़ाई से पालन करने तथा प्रतिबंधित बैच के मैदा का किसी भी माध्यम से विक्रय, भंडारण ना करने निर्देश दिए।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों की हुंकार, रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

नंदिनी अहिवारा/नवप्रदेश। सेवा सुरक्षा एवं पदोन्नति सुरक्षा की मांग को लेकर धमधा में शिक्षक साझा मंच के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने रैली निकालकर शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष धमधा संजय शर्मा एवं उत्तम ठाकुर ने किया। शिक्षकों ने मांग की कि लंबे समय से शासकीय विद्यालयों में सेवा दे रहे शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और सेवारत शिक्षकों पर ञ्चश्वञ्च की अनिवार्यता लागू किए बिना पूर्व प्रचलित नियमों के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी की जाए। ज्ञापन में कहा गया कि छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक एवं शिक्षक संवर्ग के कर्मचारी वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में सेवा के दौरान टीईटी की अनिवार्यता लागू होने से उनकी सेवा एवं पदोन्नति पर संकट उत्पन्न

हो रहा है। मंच ने अन्य राज्यों की तर्ज पर सेवारत शिक्षकों को ञ्चश्वञ्च अनिवार्यता से राहत देते हुए वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति देने की मांग की। इसके अलावा सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने, नियुक्ति तिथि से पूर्व की सेवा की गणना कर क्रमोन्नति, पेंशन सहित सभी लाभ प्रदान करने की मांग भी रखी गई।

रैली में शिक्षक साझा मंच एवं विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रदेश पदाधिकारी अमितेश तिवारी, मनोज जोशी, प्रदीप राजपूत, ओम प्रकाश टिकरिहा, सर्विस गेंद्रे, महेश राजपूत, विनोद पटेल, सुनील स्वर्णकार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए।

वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे शिक्षकों के हितों एवं सेवा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर शासन को सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। मंच ने मांगें जल्द पूरी करने की अपील की। मांगों का निराकरण नहीं होने पर धमधा ब्लॉक के शिक्षक 29 अगस्त को दुर्ग में आयोजित जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन में शामिल होकर सेवा एवं पदोन्नति सुरक्षा के लिए संघर्ष करेंगे।

आईआईटी को मिला 'आरोहण पुरस्कार' रेशमा बानो को 'विशिष्ट सेवा सम्मान'

भिलाई/नवप्रदेश। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की 63वीं छमाही बैठक में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई को राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं प्रोत्साहन के लिए 'आरोहण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। वहीं संस्थान की रेशमा बानो को उनके उत्कृष्ट एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए 'विशिष्ट सेवा सम्मान' प्रदान किया गया। यह सम्मान संस्थान में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना के रूप में प्रदान किया गया। इस उपलब्धि को डॉ. महावीर शर्मा, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग एवं सदस्य, राजभाषा प्रकोष्ठ, संस्थान के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी

हिंदी अधिकारी तथा राजभाषा समिति के सदस्यों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया गया।

आईटीआई भिलाई की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रभावी प्रयोग कार्यालयीन कार्यों को सुगम बनाने के साथ संस्थान और समाज के बीच संवाद को भी मजबूत करता है। रेशमा बानो को मिला 'विशिष्ट सेवा सम्मान' उनके समर्पण, कार्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता एवं संस्थान के प्रति उत्कृष्ट सेवाभाव की पहचान है। यह सम्मान उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासन, प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्ट कार्यशैली को रेखांकित करता है।

राजीव प्रकाश के मार्गदर्शन में हिंदी के संवर्धन एवं प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निरंतर कार्यरत है। संस्थान भविष्य में भी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों एवं पहलों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

गुरुर वितरण केंद्र में विद्युत सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

■ तकनीकी कर्मचारियों को विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की दी गई जानकारी

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत वितरण केंद्र गुरुर में तकनीकी एवं ठेका कर्मचारियों के लिए एकदिवसीय विद्युत सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें गुरुर सबडिविजन के गुरुर, पलारी एवं पुरुर वितरण केंद्रों के लाइन कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस मनोज ने कर्मचारियों को विद्युत कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा लाइन मेंटेनेंस के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी लापरवाही से विद्युत दुर्घटनाएं हो सकती हैं, इसलिए सुरक्षा उपकरणों का सही उपयोग और सतर्कता बेहद जरूरी है। अधिकारियों ने कर्मचारियों को सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर एवं डिस्चार्ज रॉड सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग और रखरखाव की जानकारी प्रायोगिक रूप से दी। कर्मचारियों को स्वयं के साथ सहकर्मियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया गया। कार्यशाला में कार्यपालन अभियंता अनसुईया ठाकुर, सहायक अभियंता एच.के. यादव, कनिष्ठ अभियंता दुष्यंत पोया एवं उदिता साहू सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शून्य विद्युत दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने पर जोर दिया।

ब्रह्माकुमारीज पुण्य स्मृति व विश्व बंधुत्व दिवस पर आज रक्तदान महाअभियान

भिलाई/नवप्रदेश। दादी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्य स्मृति एवं विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा 21 से 25 अगस्त तक देशभर में रक्तदान महाअभियान चलाया जा रहा है। भारत और नेपाल में एक लाख यूनिट से अधिक रक्त संग्रह का लक्ष्य है। इसी कड़ी में 23 अगस्त को राजयोग भवन, सेक्टर-7, भिलाई में सुबह 8:30 बजे से रक्तदान शिविर आयोजित होगा। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने शहरवासियों से वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से रक्तदान करने की अपील की।

शिविर में रक्तदान से पूर्व पांच मिनट का आध्यात्मिक चिंतन एवं मेडिटेशन भी कराया जाएगा। इच्छुक लोग क्यूआर कोड, गूगल फॉर्म या निकटस्थ सेवाकेंद्र से संपर्क कर भाग ले सकते हैं। गत वर्ष अभियान में भारत-नेपाल में 88,378 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया था।

खोपली स्कूल के 156 बच्चों को ट्रस्ट ने बांटी शैक्षणिक सामग्री

उतई/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला खोपली में सरवती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक सुरेश फरमानिया ने करीब 156 बच्चों को कॉपी, पेन, स्कूल बैग और पहाड़ा वितरित किया। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के करीब 300 बच्चों को बिस्किट पैकेट तथा मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूल बैग भी वितरित किए गए। ट्रस्ट के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए विद्यालय के शिक्षकों ने सुरेश फरमानिया का उपहार भेंट कर सम्मान किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। नवीन शिक्षक संघ प्रदेश सचिव गिरीश साहू ने बताया कि सरवती देवी बनारसी दास फरमानिया ट्रस्ट पिछले 10 वर्षों से सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के हित में निस्वार्थ भाव से स्वेटर, कॉपी, पुस्तकें, कंपास, बेंच-डेस्क सहित विभिन्न सामग्री का वितरण करता आ रहा है। कार्यक्रम में प्रधान पाठक कुमार साहू सहित संतोषी कश्यप, रामेश्वरी चंदेल, रोशनी चंद्राकर, दीपक साहू, सुंदर लाल देवांगन, लोकेश साहू, रामती पाटिल, भुनेश्वरी देवांगन, निधि गेडाम, दानेश्वरी चंद्राकर, रानू यादव सहित शिक्षक एवं अन्य उपस्थित रहे।

समापन : फैशन शो, चमच दौड़ और कुर्सी दौड़ के विजेताओं का सम्मान, लोकनृत्य व भजनों ने बांधा समां

रिमझिम सावन मेला 2026 में गूंजा नारी जागरुकता का संदेश

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय रिमझिम सावन मेला 2026 का शनिवार को भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर रहे, जबकि अध्यक्षता महापौर अलका बाघमार ने की। महापौर ने अतिथियों का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि रिमझिम सावन मेला दुर्ग की परंपरा, लोकसंस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि सावन मेला हर वर्ष दुर्गवासियों के लिए उत्साह लेकर आता है। यह धार्मिक आस्था के साथ लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बन गया है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा मेले के माध्यम से महिलाओं और नागरिकों को अपनी प्रतिभा व कला प्रदर्शित करने का अवसर मिला। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए निगम अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों का आभार जताया।

नारी जागरूकता की प्रस्तुति ने मोहा मन

जागृति महिला समिति की महिलाओं ने ओम योग नृत्य एवं सावन थीम पर मनमोहक प्रस्तुति देकर नारी जागरूकता का संदेश दिया। इसके अलावा लोकनृत्य, भजन, समूह गायन, स्किट और नारीशक्ति आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता विजेताओं का सम्मान

महापौर अलका बाघमार, संस्कृति विभाग प्रभारी हर्षिका संभव जैन एवं महिला एवं बाल विभाग प्रभारी शशि साहू ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

फैशन शो में क्षमा देशमुख प्रथम और पूजा साहू द्वितीय रहीं। चमच दौड़ में विद्या नामदेव प्रथम एवं देवकी सिन्हा द्वितीय तथा कुर्सी दौड़ में उमेश्वरी साहू प्रथम और आशा यादव द्वितीय रहीं।

समापन समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त मोहेंद्र साहू, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, नगर पालिक निगम दुर्ग के अधिकारी-कर्मचारी एवं शहरवासी उपस्थित रहे।

जमकर बरसे बदरा, नदी-नाले उफान पर; बाढ़ से जनजीवन प्रभावित

लखनपुर/नवप्रदेश। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं और कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई है।

नगर पंचायत लखनपुर के सरहदी क्षेत्र चुल्हट और चंदनई में बाढ़ का पानी भरने से हालात चिंताजनक हो गए हैं। नगर के बीच से होकर बहने वाली चुल्हट नदी ने भी इस बार अपना रौद्र रूप दिखाया है। जूनाडीह के समीप पुराने पुल के नीचे आवागमन के लिए बनाए गए वैकल्पिक सड़क पुल को तेज बहाव ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पानी के तेज प्रवाह में ह्यूम पाइप उखड़कर नदी में इधर-उधर बिखर गए। राहत की बात यह रही कि वर्ष 1974-75 में निर्मित पुराना पुल अभी तोड़ा नहीं गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की ठेका कंपनी द्वारा नए पुल के निर्माण के लिए पुराने पुल को तोड़ने की कवायद शुरू की गई थी। यदि पुराना पुल पहले ही तोड़ दिया गया होता तो बिलासपुर-रायपुर मार्ग पर आवागमन बाधित होने की आशंका थी। तेज बाढ़ के कारण नदी किनारे कछारी खेतों में लगी धान की फसल भी प्रभावित हुई है। वहीं 22 अगस्त की रात आई बाढ़ से नगर पंचायत के वार्ड 1 झिनपुरीपारा तथा वार्ड 3 के समीप जामढोढ़गा में मैदान चौड़ीकरण के लिए की गई मिट्टी फिलिंग भी बहने लगी है।

नदी के तेज बहाव से मिट्टी कट-कटकर नदी में समा रही है। नदी किनारे तटबंध बनाने की चर्चा लंबे समय से होती रही, लेकिन अब तक तटबंध का निर्माण नहीं हो सका। वार्डवासियों का कहना है कि लाखों की लागत से मैदान के लिए की गई मिट्टी फिलिंग पानी में बहने से शासकीय राशि का अपेक्षित उपयोग नहीं हो पाया है। कुंवरपुर जलाशय का वेस्ट वियर छलकने के बाद चुल्हट नदी में बाढ़ का पानी और बढ़ गया। नगरीय क्षेत्र में नदी किनारे बनाए गए छठ घाट भी जलमग्न हो गए हैं। लगातार बारिश को देखते हुए आगामी दिनों में भी स्थिति सामान्य होने में समय लगने के आसार हैं।

बाढ़ में पुराना पुल हुआ उपयोगी

लखनपुर के जूनाडीह के समीप चुल्हट नदी में आए तेज बाढ़ के कारण वैकल्पिक सड़क पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पानी के तेज बहाव में ह्यूम पाइप तक बहकर नदी में फैल गए। ऐसे समय में वर्ष 1974-75 में निर्मित पुराना पुल उपयोगी साबित हो रहा है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की ठेका कंपनी द्वारा नए पुल के निर्माण के लिए पुराने पुल को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। हालांकि पुल टूटने से पहले ही क्षेत्र में तेज बारिश और बाढ़ की स्थिति बन गई। यदि पुराना पुल पहले ही तोड़ दिया गया होता तो बिलासपुर-रायपुर मार्ग पर आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बन सकती थी। फिलहाल पुराने पुल के सुरक्षित रहने से मुख्य मार्ग पर यातायात को राहत मिली है।

न्यूज गैलरी

मछली बीज व साइकिल का वितरण दिव्यांगों को भी मिली सहायता

लखनपुर/नवप्रदेश। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में आजीविका मिशन (बिहान) के तहत चयनित पंचायतों को मछली बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कटिंदा स्थित शासकीय स्कूल में कक्षा नौवीं की 20 छात्राओं को विधायक प्रबोध मिंज ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत निःशुल्क साइकिल वितरित की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन से हुई। स्कूली बच्चों ने अतिथियों का स्वागत गीत-नृत्य एवं पुष्पगुच्छ से किया। इस दौरान करीब 60 दिव्यांग एवं असहाय लोगों को पांच-पांच हजार रुपये की अनुदान राशि के चेक भी प्रदान किए गए।विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि साइकिल मिलने से दूर-दराज से पैदल स्कूल आने वाली छात्राओं को काफी सुविधा होगी और समय की बचत होगी। स्कूल भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उन्होंने नए भवन निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष विक्रम शशिकला सिंह, राकेश साहू सहित जनप्रतिनिधि, अभिभावक, अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एग्रीस्टैक के लिए 15 सितम्बर तक अभियान

रायगढ़/नवप्रदेश। किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने और एग्रीस्टैक से संबंधित लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायगढ़ जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए 15 सितंबर 2026 तक एग्रीस्टैक के सभी लंबित 'अनक्लेम्ड बकेट' प्रकरणों के शत-प्रतिशत निराकरण के निर्देश दिए हैं। जिले समस्त किसानों से अपने अपने जमीन का फॉर्मर रजिस्ट्री कराने के लिया अपील की गई है। इसके लिए किसानों से संबंधित बीएलई,सीएससी सेंटर, समिति प्रबंधक कार्यालय और क्षेत्र के संबंधित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क करने के लिए कहा गया। अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने कहा गया है। वर्तमान फॉर्मर रजिस्ट्री (बकेट दावा) रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 3 लाख 5 हजार 717 बकेट प्रकरण दर्ज हैं। इनमें से 1 लाख 33 हजार 873 बकेट पर दावा किया जा चुका है, जबकि 1 लाख 71 हजार 844 बकेट अभी दावा किए जाने के लिए लंबित हैं। इन लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रतिदिन 8 हजार 183 प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए प्रत्येक अनुविभाग, तहसील एवं धान उपार्जन समिति के निर्धारित दैनिक लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जाए। किसी भी स्तर पर प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए।

ढिमरापुर-कोतरा एनएच के लिए 41.49 करोड़ मंजूर

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले के विकास को नई गति देने वाली एक महत्वपूर्ण सौगात के रूप में ढिमरापुर चौक से कोतरा थाना तक एनएच मार्ग के लिए 41.49 करोड़ की राशि मंजूर की गई है इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से क्षेत्रवासियों में खुशी का

माहौल है। लंबे समय से बेहतर सड़क और सुगम आवागमन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी जिसे अब पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए भाजयुमो जिला प्रवक्ता आकाश शर्मा ने ओपी चौधरी जी का आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रयासों की जमकर सराहना की उन्होंने कहा कि रायगढ़ के विकास को लेकर ओपी चौधरी जी लगातार गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं ढिमरापुर चौक कोतरा थाना मार्ग के लिए इतनी बड़ी राशि की स्वीकृति इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है आकाश शर्मा ने कहा कि बेहतर सड़क बेहतर विकास की मजबूत नींव होती है इस मार्ग के निर्माण से आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी यातायात अधिक सुगम और सुरक्षित होगा तथा लोगों को कम समय में अपनी मंजिल तक पहुंचने में मदद मिलेगी सड़क की बेहतर कनेक्टिविटी से आसपास के क्षेत्रों के व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास केवल बड़े भवनों और योजनाओं से नहीं बल्कि मजबूत सड़क बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यातायात व्यवस्था से भी होता है इस मार्ग के निर्माण से रायगढ़ शहर और आसपास के क्षेत्रों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। इससे आम लोगों, व्यापारियों, कर्मचारियों विद्यार्थियों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा आकाश शर्मा ने कहा कि 41.49 करोड़ की यह मंजूरी रायगढ़ के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है इससे सड़क व्यवस्था मजबूत होगी और क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं पैदा होंगी बेहतर सड़क से व्यापार को गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी उन्होंने कहा कि ओपी चौधरी जी के प्रयासों से रायगढ़ लगातार विकास के नए आयाम छू रहा है सड़क शिक्षा स्वास्थ्य अधोसंरचना और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता मिल रही है। ढिमरापुर चौक कोतरा थाना एनएच मार्ग की यह स्वीकृति भी रायगढ़ को बेहतर और विकसित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दोस्त को डांट का बदला लेने पिस्टल लेकर पहुंचा था आरोपी, गार्ड पर दाग दी गोली

शराब दुकान में गार्ड पर फायरिंग करने वाला आरोपी बिहार से गिरफ्तार

रायगढ़/नवप्रदेश। पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के गेरवानी स्थित शासकीय देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान में प्राइवेट गार्ड पर पिस्टलनुमा हथियार से फायरिंग कर फरार हुए आरोपी को पूंजीपथरा पुलिस ने बिहार के जमुई जिले से गिरफ्तार कर रायगढ़ लाने में सफलता हासिल की है। गंभीर वारदात के बाद आरोपी दूसरे राज्य में जाकर छिप गया था, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय स्तर पर की गई पतासाजी और तकनीकी सुरागों के आधार पर उसकी पहचान कर ली।

इसके बाद पुलिस टीम ने बिहार पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से सर्च ऑपरेशन चलाया और आरोपी को खेत में छिपे होने के दौरान धर दबोचा। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार 17 अगस्त 2026 की रात गेरवानी स्थित शासकीय देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान में ईगल

हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड के तहत सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात चन्द्रशेखर पटेल पिता स्व. बीरबल पटेल, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम कलगामुड़ा, उर्दना, जिला रायगढ़* रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ड्यूटी पर था। करीब 10:30 बजे शराब दुकान के सामने एक युवक पहुंचा और अपने साथी के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की बात को लेकर विवाद करने लगा। युवक ने गार्ड को जान से मारने की धमकी दी और अचानक पिस्टलनुमा हथियार निकालकर फायरिंग कर दी। गोली गार्ड चन्द्रशेखर पटेल के पेट में लगी। गोली लगने के बाद गार्ड जान बचाने के लिए आहाता के पीछे जाकर छिप गया और अपने साथियों को घटना की जानकारी देकर डायल 112 को सूचना दी।घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में पूंजीपथरा थाना प्रभारी निरीक्षक रामकिंकर यादव, साइबर थाना प्रभारी विजय चेलक सहित पूंजीपथरा थाना, साइबर थाना, आबकारी विभाग एवं डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू किया। घायल गार्ड की रिपोर्ट पर *अपराध क्रमांक 206/2026 में धारा 296, 351(3), 109(1) बीएनएस, 25, 27 आर्म्स एक्ट* के तहत अपराध दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान के लिए गेरवानी क्षेत्र में व्यापक पतासाजी शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहुंचे आरोपी तक

गेरवानी शराब दुकान में सुरक्षा गार्ड पर पिस्टल से फायरिंग करने के बाद आरोपी विवेक कुमार यादव वारदात को अंजाम देकर बिहार के जमुई जिले स्थित अपने गांव भाग गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय स्तर पर पतासाजी और तकनीकी सुरागों के आधार पर उसकी पहचान की। पुलिस की गतिविधियों की भनक लगते ही आरोपी घर से निकलकर खेत की ओर भाग गया और वहां छिप। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को खेत से गिरफ्तार कर लिया गया।

संगीत व नृत्य प्रशिक्षण अभ्यास का आयोजन

भंवरमाल/नवप्रदेश। संस्कार भारती एवं जिला शिक्षा विभाग बलरामपुर के सहयोग से भंवरमाल स्थित डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में पांच दिवसीय संगीत एवं पांच दिवसीय नृत्य प्रशिक्षण अभ्यास वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में क्षेत्र के कला साधकों के साथ डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, भंवरमाल हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल के सैकड़ों विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षक पवन कुमार पांडेय के मार्गदर्शन तथा संस्कार भारती के सहयोगी कल्याण मंडल के प्रयासों से बच्चों को संगीत और नृत्य की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास कराया जा रहा है, जिससे उनकी रचनात्मक क्षमता और कलात्मक प्रतिभा को बेहतर मंच मिल सके। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव का कहना है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना जरूरी है। कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास से बच्चों की प्रतिभा को निखारा जा सकता है। इसी उद्देश्य से क्षेत्र में इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर मिल सके। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव द्वारा क्षेत्र के विद्यालयों का लगातार दौरा कर शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग की जा रही है।

असामाजिक तत्वों के आग लगाने से गौवंश चपेट में

रामानुजगंज/नवप्रदेश। नगर के वार्ड नंबर 9 स्थित गांधी मैदान के समीप सामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की घटना सामने आई। आग की चपेट में आने से एक गोवंश गंभीर खतरे में आ गया।

मौके पर मौजूद समाजसेवी विकास दुबे ने तत्परता दिखाते हुए गोवंश को आग से सुरक्षित बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। बताया जा रहा है कि गांधी मैदान के समीप लगाए गए आग की चपेट में गोवंश के आने की जानकारी मिलते ही विकास दुबे मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना

देर किए गोवंश को आग से बाहर निकाला। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी गई।स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह आग लगाने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पशुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की अपील की गई है। समाजसेवी विकास दुबे की तत्परता से गोवंश की जान बच गई। उनकी इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

ग्रामसभाओं में तय की गांव की प्राथमिकताएं

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 20 अगस्त को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जन संवाद-2.0 विकसित भारत ग्राम संकल्प के तहत विशेष ग्राम सभाओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को विकसित भारत एवं जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रावधानों से जोड़ते हुए ग्राम विकास की प्राथमिकताओं पर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा।विशेष ग्राम सभाओं में

ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ 5 विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी आवश्यकताओं, सुझावों एवं अधिकारों को ग्राम सभा के समक्ष रखने का अवसर मिला। सभी ग्राम पंचायतों में 'मेरे गांव की प्राथमिकता वोटिंग वॉल' स्थापित की गई। ग्रामीणों ने गांव की प्रमुख आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज किया। इनमें तालाब निर्माण, आंगनबाड़ी भवन, तालाब गहरीकरण, सीसी रोड, नाली निर्माण, खेल मैदान सहित अन्य आवश्यक कार्य शामिल रहे। इस पहल से ग्राम पंचायतों को स्थानीय जरूरतों एवं ग्रामीणों की मांग के अनुरूप विकास कार्यों की कार्ययोजना तैयार करने में सहायता मिलेगी।

चार मेडिकल दुकानों की जांच

रायगढ़/नवप्रदेश। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार नशीली एवं नकली दवाओं के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए रायगढ़ शहर में राज्यव्यापी विशेष सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सीएण्डएफ एजेंट, सुपर स्टॉकिस्ट, थोक औषधि विक्रेताओं सहित संदिग्ध प्रतिष्ठानों को चिन्हांकित कर उनके यहां दवाओं के क्रय-विक्रय, स्टॉक एवं संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की जा रही है। इसी क्रम में 21 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने रायगढ़ शहर में सुमित फार्मा, श्रीराम मेडिकल स्टोर, ओम मेडिकल स्टोर एवं अनुराग मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा प्रतिष्ठानों में उपलब्ध औषधियों के स्टॉक, क्रय-विक्रय संबंधी दस्तावेजों तथा अभिलेखों की नियमानुसार जांच की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जांच के दौरान यदि किसी प्रतिष्ठान में औषधि नियमों का उल्लंघन अथवा अनियमितता पर कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई भी की जाएगी। अभियान का उद्देश्य नशीली, नकली एवं संदिग्ध दवाओं के अवैध कारोबार पर रोक लगाना तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध कराना है।

सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग करें- एसपी ठाकुर

बाराद्वार/नवप्रदेश।जिले के एसपी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के द्वारा आमजन को साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत पुलिस थाना बाराद्वार अंतर्गत शैक्षणिक संस्थान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 22 अगस्त को बाराद्वार के एशियन वर्ल्ड स्कूल में साइबर जागृति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें एसपी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के द्वारा उपस्थित लोगो एवं छात्र- छात्राओं

को बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेश में साइबर ठगी और अपराधों से बचाव के लिए एक विशेष साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए उन्होने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी देना है, अभियान की मुख्य बातें संचालन अवधि अभियान 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सक्रिय है इसका लक्ष्य छात्र-छात्राएं, युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को यह समझाना कि ऑनलाइन धोखाधड़ी कैसे होती है और उससे बचाव कैसे किया जाए साथ ही साइबर ठगी से बचने के जरूरी उपायो के बारे में बताया कि ओटीपी साझा न करने, बैंक खाता, पासवर्ड या ओटीपी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर नहीं करने, अज्ञात लिंक से बचने, किसी भी अनजान नंबर से आए एपीके फाइल या संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने, वीडियो कॉल सावधानी व व्हाट्सएप पर किसी भी अनजान या विदेशी नंबर से आने वाली वीडियो कॉल को रिसीव करने से बचने, डिजिटल अरेस्ट से सतर्क रहने पुलिस या सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर डराने वाले कॉल से सावधान रहने के लिए कहा गया।

उत्सव लोकगीत, लोकनृत्य और परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान की अमूल्य धरोहर, इन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व

करमा पर्व सामाजिक एकता का प्रतीक: मंत्री अग्रवाल

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। नगेसिया किसान समाज द्वारा तुर्रापानी अंबिकापुर में आयोजित करमा उत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए।

उन्होंने करमा पर्व की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर पारंपरिक लोकगीत, लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव के माहौल को और अधिक जीवंत बना दिया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि करमा पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और लोक परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ पर्व है। यह प्रकृति के प्रति आस्था, कृषि परंपराओं, सामुदायिक भावना और सामाजिक एकता का प्रतीक है। करमा उत्सव के माध्यम से हमारी लोक संस्कृति के गीत, संगीत, नृत्य और परंपराएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती हैं। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं हमारी जड़ों से जुड़ी हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें संजोना और नई पीढ़ी तक

पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते समय में अपनी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखना बेहद आवश्यक है। हमारी नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित होगी, तभी वह अपनी जड़ों और अपनी पहचान को बेहतर ढंग से समझ सकेगी। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति अपनी विशिष्ट परंपराओं, लोकनृत्यों, लोकगीतों और प्रकृति से गहरे जुड़ाव के लिए देश-दुनिया में विशेष पहचान रखती है। करमा जैसे पारंपरिक उत्सव इस सांस्कृतिक विविधता की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोककला, लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

स्थानीय स्तर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक आयोजन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्सव केवल मनोरंजन के अवसर नहीं हैं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक स्मृतियों, परंपरागत ज्ञान और सामुदायिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी हैं। करमा उत्सव में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता हमारी सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नगेसिया किसान समाज द्वारा आयोजित करमा उत्सव की सराहना करते हुए आयोजकों एवं समाज के लोगों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक एवं जनजातीय संस्कृति को व्यापक पहचान दिलाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कामना की कि करमा पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली लेकर आए तथा हमारी सांस्कृतिक परंपराएं इसी तरह निरंतर समृद्ध होती रहें।

सीएम हेल्पलाइन पर बढ़ा भरोसा, जनदर्शन में 523 आवेदन, 380 लंबित

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में स्थानीय स्तर पर समस्याओं के निराकरण में हो रही देरी के कारण अब आम नागरिकों का रुझान सीधे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

शासन द्वारा संचालित इस हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने वाले फरियादियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जिला एवं विभागीय स्तर पर लंबित मामलों का समय पर समाधान नहीं होने से हितग्राही अब सीधे प्रदेश के मुखिया तक अपनी बात पहुंचाने को अधिक प्रभावी माध्यम मान रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पहले अधिकांश लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के कार्यालयों या जिला प्रशासन का रुख करते थे। वहीं प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन में भी दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें और आवेदन लेकर पहुंचते हैं। जनदर्शन में प्राप्त अनेक आवेदनों का निराकरण किया जाता है, लेकिन कई मामलों में कार्रवाई लंबित रहने या समाधान में विलंब होने से आवेदकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जानकारी मुताबिक जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जनदर्शन में 7 जुलाई 7 अगस्त तक एक माह की अविधि में हितग्राहियों द्वारा लगभग 523 आवेदन, 143 का हुआ निराकरण, 380 अब भी लंबित है। इसी स्थिति के चलते अब बड़ी संख्या में लोग मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर फोन कर अपनी शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभागों से समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा रहती है, जिससे लोगों का भरोसा इस व्यवस्था पर लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के हितग्राही अब अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इस माध्यम को प्राथमिकता देने लगे हैं। प्रदेश सरकार भी शिकायतों के निराकरण को लेकर गंभीर नजर आ रही है। मुख्यमंत्री द्वारा सभी जिलों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर अनावश्यक विलंब पर जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर लगातार बढ़ती शिकायतें इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि जिला और विभागीय स्तर पर आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं हो पा रहा है। यदि स्थानीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करें तो लोगों को अपनी शिकायत लेकर सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचने की

लंबित शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर लगातार बढ़ती शिकायतें इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि जिला और विभागीय स्तर पर आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं हो पा रहा है। यदि स्थानीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करें तो लोगों को अपनी शिकायत लेकर सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सरकार को चाहिए कि लंबित शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करे। जनता केवल समय पर न्याय और पारदर्शी व्यवस्था चाहती है, इसलिए प्रशासन को संवेदनशील होकर आम लोगों की समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

-घनश्याम वर्मा जिलाध्यक्ष कांग्रेस मुंगेली

न्यूज गैलरी

एकलव्य विद्यालय में प्रवेश आज से

मुंगेली/नवप्रदेश। एकलव्य विद्यालय बंधवा में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन 24 अगस्त से मुंगेली, 22 अगस्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बंधवा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लेटरल एंट्री के तहत रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 24 अगस्त से 31 अगस्त तक निर्धारित अवधि में आवेदन जमा कर सकते हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 11वीं में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के लिए कुल 7 सीटें रिक्त हैं, जिनमें 5 सीटें बालकों तथा 2 सीटें बालिकाओं के लिए हैं। वहीं कक्षा 9वीं में 1 सीट बालक तथा कक्षा 7वीं में 1 सीट बालिका के लिए रिक्त है। कक्षा 11वीं में प्रवेश कक्षा 10वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार मेरिट सूची के अनुसार किया जाएगा। जबकि कक्षा 7वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा 2 सितंबर को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बंधवा परिसर में आयोजित होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 24 से 31 अगस्त तक प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच विद्यालय कार्यालय से प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश पत्र के साथ निर्धारित सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर आवेदन विद्यालय कार्यालय में जमा करना होगा।अभ्यर्थियों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है।

बच्चों और ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के बताए उपाय

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम बिजातराई स्थित हाईस्कूल में फास्टरपुर पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी एवं सरपंच डां. राजीव सिंह ठाकुर द्वारा उपस्थित बच्चों तथा ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, पासवर्ड, संदिग्ध लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग तथा अन्य साइबर अपराधों से सावधान रहने के लिए जागरूक किया गया। साईबर क्राइम से बचने के लिए हमे किसी भी अनजान लिंक को टच नही करना चाहिये किसी प्रकार के ओटीपी पिन एवं पासवर्ड को दूसरे से शैयर करने से बचना चाहिये। बच्चों एवं बड़ों को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की समझाइश दी गई।सहयोग एवं सहभागिता के लिए हाई स्कूल बिजातराई के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यालय विद्यार्थीगण कार्यक्रम में शामिल हुए।

ई-गिरदावरी कार्य का मैदानी निरीक्षण किया कलेक्टर ने

रायगढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज शुक्रवार को खरसिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों एवं सेवा सहकारी समितियों का भ्रमण कर ई-गिरदावरी कार्य का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम डोमनारा, तहसील खरसिया में पहुंचकर खेतों में चल रहे डिजिटल फसल सर्वे की स्थिति का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं सर्वेयरों से सर्वे कार्य की प्रगति, प्रक्रिया और मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान खरसिया एसडीएम प्रवीण भगत, तहसीलदार एवं राजस्व अमला उपस्थित रहा। कलेक्टर ने चपले स्थित सेवा सहकारी समिति में आयोजित बकेट क्लेम पंजीयन शिविर का भी निरीक्षण किया।छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों तथा आयुक्त, भू-अभिलेख छत्तीसगढ़, नवा रायपुर अटल नगर के दिशा-निर्देशों के तहत जिले में शत-प्रतिशत एवं त्रुटिरहित ई-गिरदावरी का कार्य कराया जा रहा है। शासन द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में फसल गिरदावरी कार्य में विशेष सावधानी एवं पारदर्शिता बरतने के निर्देश हैं। (पीएसएस) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए फसल गिरदावरी की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से जिले के सात विकासखंडों के अंतर्गत आने वाले 105 धान उपार्जन केंद्रों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के ग्रामों में ई-गिरदावरी कार्य की सतत निगरानी करते हुए शत-प्रतिशत एवं त्रुटिरहित सर्वे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।निरीक्षण के दौरान बताया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य 17 अगस्त से 20 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। सर्वेयरों द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से खेतों में पहुंचकर वास्तविक स्थिति के आधार पर फसल की जानकारी दर्ज की जा रही है। सर्वे के दौरान तालाब, मेड़, पड़ती, खलिहान तथा अन्य फसलों को चिन्हित करते हुए वास्तविक फसल रकबे का सही निर्धारण किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्धारित प्रक्रिया एवं मानकों का पालन करते हुए मौके पर जाकर फसल की वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जाए।उन्होंने अधिकारियों को सर्वेयरों की कम से कम एक बार समीक्षा बैठक आयोजित करने, योजनाबद्ध तरीके से आकस्मिक निरीक्षण कर गिरदावरी कार्य का भौतिक सत्यापन करने तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा विसंगति पाए जाने पर तत्काल संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं उच्च अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि ई-गिरदावरी का कार्य शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जाए। कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने आवंटित क्षेत्रों में नियमित रूप से मैदानी भ्रमण कर सर्वे कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मातृशक्ति की सहभागिता से हुआ सावन उत्सव

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया सावन उत्सव

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला भाजपा कार्यालय अटल परिसर में भाजपा महिला मोर्चा मुंगेली द्वारा सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साह, उमंग एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता रही। बारिश के मौसम के बावजूद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगीत एवं राजकीय गीत का गायन हुआ। प्रेमलता गुप्ता द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले ने किया । विशिष्ट अतिथियों के रूप में लीलावती तोखन साहू, मीना अरुण साव, महिला मोर्चा प्रभारी कल्याणी साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, प्रदेश मंत्री शीलू साहू, वंदना दीनानाथ केशरवानी, कुसुम विक्रम मोहले, विक्रम मोहले, सहित भाजपा महामंत्री गुरमीत सलूजा, कैलाश सिंह एवं द्वारिका जायसवाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि बेटी के बिना राखी और भाई दूज जैसे पर्वों की कल्पना नहीं की जा सकती। मातृशक्ति हमारे जीवन का आधार है। उन्होंने उपस्थित सभी माताओं-बहनों को सावन महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि सावन उत्सव के लिए मातृशक्ति ने व्यापक तैयारियां की हैं। महिलाओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं मातृशक्ति के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हैं, जिससे समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। महिला मोर्चा प्रभारी कल्याणी साहू ने कार्यक्रम में मातृशक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सावन महोत्सव में महिलाओं का उत्साह और सहभागिता सराहनीय है। उन्होंने सभी उपस्थित महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने बारिश के बावजूद दूर-दूर से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने वाली सभी मातृशक्ति को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू की धर्मपत्नी लीलावती साहू एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव की धर्मपत्नी मीना साव की गरिमामयी उपस्थिति के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। भाजपा प्रदेश मंत्री शीलू साहू ने कहा कि सावन उत्सव उमंग और उत्साह से भरा हुआ है।

स्टार्स ऑफ टुमॉरो ने लगाए नीम-कदम समेत 30 पौधे

मुंगेली/नवप्रदेश। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर जनजागरण का प्रतीक बन चुका स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी का अभियान हरियर मुंगेली सुघ्घर मुंगेली आज अपने दसवें वर्ष के आठवें चरण में पहुँचा।

संस्था द्वारा आज पुलिस लाइन नहर रोड पर नीम, कदम, बादाम, गुलमोहर और मौलश्री जैसे छायादार व उपयोगी 30 पौधों का रोपण कर हरियाली को नया जीवन दिया गया। पौधों की सुरक्षा हेतु बांस भी लगाए गए ताकि ये पौधे न केवल धरती को हरियाली दें बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए छाया और जीवन का आधार बनें। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य सुनील वाधवानी और देवेंद्र सिंह ने कहा कि आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती प्रकृति और मानव जीवन के बीच बिगड़ता हुआ संतुलन है। इसी उद्देश्य को लेकर हमारी संस्था ने यह अभियान आरंभ किया था, जो आज एक जनांदोलन का रूप ले चुका है। इस अवसर पर स्टार्स ऑफ टुमॉरो के संयोजक रामपाल सिंह, सहसयोंजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, कोषाध्यक्ष धनराज परिहार, दिनेश गोयल, सतपाल मक्कड़, गोखलेश सिंह, दीपक जैन, श्रेणिक पारेख, मुकेश पांडेय, आशीष सोनी, गिरीश सुथार, सुनील वाधवानी, देवशंकर श्रीवास्तव, कोमल चौबे, नागेश साहू, राहुल मल्लाह, पवन यादव, आर्या सिंह, संदीप सिंह, वासु पांडेय, रवि साहू, पप्पू शर्मा, वैभव ताम्रकार, देवेंद्र सिंह, अजय चंद्राकर, चित्रकान्त सिंह, संतोष जांगड़े, श्रीओम सिंह, दिलबाग सिंह, सुरेश यादव, सुमित उपाध्याय सहित नगर के पर्यावरण प्रेमी अरविंद रूपवानी, प्रियांक गुप्ता, सागर वैष्णव, प्रद्युम्न सिंह, धनेश्वर साहू, जयकुमार मार्को उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर से लोगों को मिली राहत

मुंगेली/नवप्रदेश। वर्षा ऋतु के दौरान फैलने वाली मौसमी बीमारियों और चर्म रोगों से आमजन को राहत दिलाने के उद्देश्य से शहर के शनि मंदिर परिसर में एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. यामिनी शर्मा के कुशल मार्गदर्शन और शासकीय होम्योपैथिक औषधालय मुंगेली की प्रभारी डॉ. गुंजन तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान मुख्य रूप से वर्षा ऋतु जन्य चर्म रोगों और उनसे जुड़ी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। प्रभारी डॉ. गुंजन तिवारी ने शिविर में पहुंचे मरीजों का बारीकी से स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया। परीक्षण के बाद जरूरतमंदों को होम्योपैथिक औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। इस जनकल्याणकारी स्वास्थ्य शिविर को लेकर स्थानीय निवासियों में काफी उत्साह देखा गया और लोगों ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लिया। समय पर और घर के पास ही त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से लाभान्वित नागरिकों ने इस पहल की भूरि-भूरि सराहना की। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के शिविरों से मौसम जनित बीमारियों से बचाव के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ती है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा सम्मेलन में 150 कार्यकर्ता हुए शामिल

रायगढ़/नवप्रदेश। जांजगीर में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा बिलासपुर संभाग द्वारा 'प्रबुद्ध जन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें समाज के प्रबुद्धजनों, प्रतिभाशाली व्यक्तित्व को सम्मानित कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

यह सम्मेलन सामाजिक गौरव सम्मान,संगठनात्मक एकजुटता और राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने वाला रहा, भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह के संचार देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं अध्यक्षता वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी की। इस अवसर पर लोकसभा सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व सांसद कमला पाटले, पूर्व सांसद चन्दूलाल साहू, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष नारायण चंदेल एवं रायगढ़ जिला संगठन प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर सहित अनेक वरिष्ठ अतिथि, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने में भाजपा ओबीसी मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू , बिलासपुर संभाग प्रभारी शांतनु साहू, सह-प्रभारी आशीष जायसवाल, जांजगीर-चांपा के प्रभारी विनय साहू, सह-प्रभारी लक्ष्मी वैष्णव सहित बिलासपुर संभाग के सभी 9 जिलों के अध्यक्षगण, पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जलेश्वर महादेव के दर्शन से पूरी होती है हर मनोकामना

अमरकंटक/नवप्रदेश। अमरकंटक की पवित्र पहाड़ियों में स्थित जलेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। अमरकंटक से करीब 7 किलोमीटर दूर स्थित इस धाम का धार्मिक महत्व पुराणों में वर्णित है। पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार मान्यता है कि यहां भगवान शिव के दर्शन और पूजन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जलेश्वर महादेव धाम के समीप ही जोहिला नदी का उद्गम स्थल माना जाता है। अमरकंटक नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों का उद्गम क्षेत्र है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मां नर्मदा कुंड का जल जलेश्वर महादेव को अर्पित करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है। पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि शिव पुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है। सावन माह में यहां नर्मदा जल चढ़ाने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

राजपूत महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव, प्रतिभाओं को मिला मंच

मुंगेली/नवप्रदेश। महिलाओं के अंदर छुपी प्रतिभाओं को उभारने के अलावा घरेलू महिलाओं को मंच के माध्यम से अपनी विचारों को लोगों के सामने रखने के लिए सर्व राजपूत महिलाओं ने सावन उत्सव का आयोजन किए।

कार्यक्रम के संयोजक सरला सिंह दौड़ ने कहा कि घरेलू महिलाएं अपने घर के चारदीवारी तक सिमट कर रह जाती हैं, उनके अंदर छुपी प्रतिभा घर की जिम्मेदारी के चलते छुपी रह जाती हैं। वहीं आज के भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसान मशीन बन कर रह गया है। सामाजिक व पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते महिलाएं अपनी वजूद खो रही हैं। इस आयोजन के माध्यम से उनके विचार व छुपी प्रतिभाओं को लोगों के बीच लाने के प्रयास से हमने सावन उत्सव का आयोजन किया है, ग्राम मौहामड़वा निवासी सुकन्या देवी सिंह ने कहा कि सावन माह का विशेष महत्व है, ये माह अपने आराध्य के प्रति अनुराग का, अपने परिवार के प्रति प्रेम और वात्सल्य प्रकट करने का माह है। पूरे सावन माह में भगवान भोलेनाथ की आराधना व राधा कृष्ण के अटूट प्रेम को आत्मसात करने का माह है । भगवान की भक्ति को आधार मानकर अपने परिवार के नवनिहालों को पल्लवित करने का माह है। रीना सिंह श्रीनेत ने कहा कि छोटे परिवार की भावना ने संयुक्त परिवार के अस्तित्व को खत्म कर दिया है। आज हर व्यक्ति आर्थिक रूप से भले सक्षम हो रहा हो लेकिन भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते अकेलापन महसूस करने लगा है। संयुक्त परिवार का अपनापन , प्रेम व समर्पण अब खोने लगा है। ऐसे में सावन उत्सव के आयोजन के माध्यम से हम महिलाएं इकट्ठा होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम कर हास परिहास करते।

पेज 1 का शेष...

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग...

विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।

- कचरा हटानाः एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और 'डेड' सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

- स्पेस फार्माः एक स्टार्टअप ऐसे सैटेलाइट्स तैयार कर रहा है जो अंतरिक्ष की जीरो-ग्रेविटी में दवाइयां बनाएंगे और धरती पर लाएंगे।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस ...

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी। वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं। इसके उलट, अंतरिक्ष में दवाइयां और प्रोटीन बिना किसी खिंचाव के शुद्ध रूप में आपस में मिलते हैं। इससे दवाइयों के बनने का तरीका बेहद सटीक और साफ होता है।

बारिश बनी आफतः छत्तीसगढ़...

विप्र स्कूल में पढ़ती थीं। शनिवार को स्कूल की छुट्टी के बाद उन्हें लेने के लिए उनका बड़ा भाई अनमोल जायसवाल (7) साइकिल से पहुंचा था। घर लौटते समय तीनों बच्चे पुल की बजाय घोंघा नदी के रास्ते से जाने लगे। नदी के बीच पहुंचते ही तेज बहाव में अनमोल साइकिल नहीं संभाल सका और तीनों पानी में बह गए। रविवार को तलाशी अभियान में तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए।

तेज बारिश से कई इलाकों में हालात बिगड़े

प्रदेश के कई हिस्सों में रविवार को तेज बारिश हुई। नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने से खतरा बढ़ गया है। प्रशासन और पुलिस की ओर से लोगों को नदी-नालों के तेज बहाव वाले हिस्सों से दूर रहने की अपील की जा रही है।

केदार के काफिले का...

वक्त मंत्री भी कार में मौजूद थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि काफिले की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दुर्ग में स्वाइन फ्लू की दस्तक...

तक तेज बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरो की जांच और टेस्ट रिपोर्ट में बच्ची एच वन एनवन से संक्रमित पाई गई। फिलहाल निजी अस्पताल में बच्चे का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में किया जा रहा है।

रिपोर्ट में एच1एन1 वायरस की पुष्टि

दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. आशीष कुमार मिंज के अनुसार बच्ची को करीब दो दिन पहले तेज बुखार और दूसरे फ्लू जैसे लक्षणों के बाद अस्पताल लाया गया था। लक्षणों को देखते हुए डॉक्टरों को स्वाइन फ्लू होने की आशंका जताई। इसके बाद बच्ची की आरटी-पीसीआर जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में एच1एन1 वायरस की पुष्टि हुई।

विभाग का कहना है कि फिलहाल स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार, 5 साल से कम उम्र के बच्चे फ्लू की वजह से गंभीर बीमारी के ज्यादा खतरे वाले समूह में आते हैं। फ्लू का संक्रमण खांसने, छींकने और बात करने के दौरान निकलने वाले छोटे कणों से एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंच सकता है। बंद और भीड़ वाली जगहों पर इसके फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

प्रदेश के बच्चों के हक की...

जाएगी। व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और पुख्ता बनाया गया है। जिनके दस्तावेज सही हैं, उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कहीं नियमों का उल्लंघन या फर्जीवाड़ा पाया गया तो उसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों ने मेहनत की है, उनके भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। मेडिकल कॉलेज और सीटें बढ़ाना हमारी उपलब्धि है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि इसका लाभ पात्र विद्यार्थियों को ही मिले। इस मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी।

कांवड़ यात्रा में शामिल हुए...

कहा कि गुढ़ियारी के मारुति मंगलम परिसर से हजारों कांवड़िए पवित्र जल लेकर महादेव घाट स्थित भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए रवाना हुए हैं। शिवभक्तों के जयघोष और भक्ति से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा है। यह आयोजन केवल धार्मिक यात्रा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का उत्सव भी है।मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मंदिर छत्तीसगढ़ की प्राचीन शिव आराधना परंपरा का प्रमुख केंद्र है। महादेव घाट में विराजमान भगवान हटकेश्वरनाथ के प्रति प्रदेशवासियों की गहरी आस्था है। विशेष रूप से श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करते हैं।

बिना टॉवर और केबल के दौड़ेगा सुपरफास्ट इंटरनेट, भारत में 'स्टारलिंक' लॉन्च करने की तैयारी में एलन मस्क

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क भारत के टेलीकॉम और इंटरनेट सेक्टर में बड़ा धमाका करने की पूरी तैयारी में हैं।

मस्क अपनी बहुचर्चित सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' को भारत में उतारने के लिए लगातार जमीन तैयार कर रहे हैं। इसी बीच उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भारत के उन सुदूर और ग्रामीण इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का बड़ा विजन साझा किया है, जहां आज भी पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क या 4त्र कनेक्टिविटी दम तोड़ देती है।

बिना मोबाइल टॉवर के कैसे काम करती है यह जादुई तकनीक?

स्टारलिंक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे काम करने के लिए जमीन पर किसी भी तरह के भारी-भरकम मोबाइल टॉवर या ऑप्टिकल फाइबर केबल के जाल की जरूरत नहीं होती। यह पूरी तरह से लो अर्थ ऑर्बिट (ख्रह्) सैटेलाइट्स पर आधारित इंटरनेट प्रणाली है।

इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता को केवल अपने घर या इमारत की छत पर एक छोटा सा डिश एंटीना (रिसीवर) लगाना होता है, जो सीधे अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स से सिग्नल पकड़कर यूजर को बिजली जैसी तेज इंटरनेट स्पीड मुहैया कराता है। हालांकि, भारत में स्टारलिंक की एंट्री का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है और कंपनी को कई जरूरी सरकारी मंजूरियों का इंतजार है। इससे पहले गृह मंत्रालय ने सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के चलते स्टारलिंक को हरी झंडी देने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। लेकिन मस्क हार मानने के मूड में नहीं हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने अपने अत्याधुनिक 'त्रद्गठ्ठ 2' सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन की मंजूरी के लिए भारतीय अंतरिक्ष नियामक में

दोबारा आवेदन किया है। इन नई पीढ़ी के सैटेलाइट्स की खासियत यह है कि ये सीधे मोबाइल डिवाइस से कनेक्ट होने (डायरेक्ट-टू-डिवाइस) की क्षमता भी रखते हैं।

ग्रामीण भारत में कनेक्टिविटी की खाई पाटने पर नजर

एलन मस्क ने हाल ही में एक पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए साफ किया कि स्टारलिंक का मुख्य फोकस भारत के उन इलाकों तक पहुंचना है, जहां इंटरनेट की पहुंच बेहद सीमित है। उन्होंने जिस रिपोर्ट का हवाला दिया, उसमें बताया गया है कि देश के तमाम गांवों में अब भी स्थिर 4त्र नेटवर्क का अभाव है और शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट डेंसिटी काफी कम है। मस्क का मानना है कि स्टारलिंक सीधे अंतरिक्ष से सिग्नल भेजकर इन दुर्गम इलाकों के डिजिटल अंधेरे को हमेशा के लिए दूर कर सकती है।

न्यूज गैलरी

क्रेडिट कार्ड को सक्रिय न करने पर भी न करें नजरअंदाज, शुल्क और बकाया से हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली। बैंक या वित्तीय कंपनी से क्रेडिट कार्ड घर पहुंचने के बाद यदि उसे सक्रिय नहीं किया जाता है, तो आमतौर पर उससे खरीदारी या भुगतान नहीं किया जा सकता। हालांकि, ऐसे कार्ड को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, कार्ड जारी करने वाली संस्था को कार्ड सक्रिय करने से पहले ग्राहक की स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है। ग्राहक की मंजूरी नहीं मिलने पर कार्ड को बंद करना जरूरी है। इसलिए क्रेडिट कार्ड मिलने के बाद उसकी सक्रियता की स्थिति, शुल्क, नियम और अन्य शर्तों की समय-समय पर जांच करते रहना चाहिए। यदि क्रेडिट कार्ड को सक्रिय नहीं किया गया है, तो सामान्य तौर पर उसका इस्तेमाल खरीदारी या किसी भुगतान के लिए नहीं किया जा सकता। हालांकि, कार्ड को केवल इसलिए अनदेखा कर देना सही नहीं है। ग्राहक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्ड की स्थिति क्या है और उस पर किसी प्रकार का शुल्क तो नहीं लगाया जा रहा है।यदि ग्राहक ने कार्ड को सक्रिय कर दिया है और इसके बाद उसका इस्तेमाल नहीं किया, तो स्थिति अलग हो सकती है। ऐसे कार्ड पर वार्षिक शुल्क या नवीनीकरण शुल्क लगाया जा सकता है। इसलिए कार्ड लेते समय शुल्क और उससे जुड़ी सभी शर्तों को ध्यान से पढ़ना जरूरी है।कई ग्राहक यह मान लेते हैं कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करने पर उससे जुड़े सभी शुल्क अपने आप समाप्त हो जाएंगे। ऐसा जरूरी नहीं है। कार्ड की शर्तों के अनुसार शुल्क लगाया जा सकता है और भुगतान नहीं करने पर बकाया राशि बन सकती है।यदि सक्रिय किए गए कार्ड पर कोई शुल्क या अन्य राशि बकाया है और ग्राहक उसका समय पर भुगतान नहीं करता, तो इसका असर उसकी वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है।क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि समय पर नहीं चुकाने पर इसकी जानकारी ग्राहक की क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज हो सकती है। इससे साख अंक यानी क्रेडिट स्कोर प्रभावित होने की आशंका रहती है। भविष्य में ऋण या अन्य वित्तीय सुविधाएं लेने के दौरान इसका असर पड़ सकता है। इसलिए यदि कार्ड की आवश्यकता नहीं है, तो उसे केवल काटकर या फेंककर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। कार्ड जारी करने वाली बैंक या वित्तीय संस्था से संपर्क करके खाता बंद कराने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।

अमेज़न पर जुर्माना: राम मंदिर का प्रसाद बोलकर बेच रहे थे साधारण मिठाई

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की विक्रेता सेवा इकाई पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने यह कार्रवाई साधारण मिठाइयों को 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' के नाम से बेचने और उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापन दिखाने के मामले में की है। उपभोक्ता नियामक की जांच में सामने आया कि अमेजन के मंच पर ऐसे उत्पादों की बिक्री की अनुमति दी गई, जिनके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की ओर से कोई आधिकारिक मंजूरी या प्रामाणिकता प्रमाण उपलब्ध नहीं था।केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अपने 19 पन्नों के आदेश में कहा कि 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' शब्द देश के करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक और भावनात्मक महत्व रखता है। प्राधिकरण के अनुसार, बिना आधिकारिक अनुमति के सामान्य मिठाइयों को इस नाम से बेचकर व्यावसायिक लाभ कमाना उपभोक्ताओं को गुमराह करने के साथ-साथ उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है।प्राधिकरण ने कहा कि अमेजन जैसे बड़े ऑनलाइन मंच की व्यापक पहुंच के कारण उपभोक्ता ऐसे विज्ञापनों को वास्तविक और प्रामाणिक मान सकते हैं। इससे भ्रामक प्रचार के प्रभाव और संभावित नुकसान में वृद्धि होती है। यह मामला जनवरी 2024 में सामने आया था। अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ ने 19 जनवरी 2024 को अमेजन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अमेजन पर चार प्रकार की मिठाइयों को अयोध्या में श्रीराम मंदिर का प्रसाद बताकर 299 से 385 रुपये के बीच बेचा जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से तीन दिन पहले, 19 जनवरी को ही अमेजन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

विदेशी मुद्रा से लबालब होगी देश की तिजोरी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे से देशवासियों के लिए एक बेहद राहत और उत्साह बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। दुनिया भर में चल रही आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत का खजाना विदेशी मुद्रा से भरने जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आने वाले समय में देश के पास विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी।

इस सकारात्मक बदलाव से न केवल देश की आर्थिक सेहत मजबूत होगी, बल्कि लंबे समय में महंगाई पर लगाम कसने में भी बड़ी मदद मिलेगी, जिसका सीधा फायदा आम जनता की जेब तक पहुंचेगा। विदेशी मुद्रा भंडार में इस शानदार इजाफे के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक की एक अहम रणनीति ने काम किया है। आरबीआई ने विदेशी

50 अरब डॉलर की भारी बचत का अनुमान

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत का 'बैलेंस ऑफ पेमेंट्स' 50 अरब डॉलर के शानदार सरप्लस में रहने की उम्मीद है। सरप्लस का सीधा अर्थ यह है कि देश से जितना पैसा बाहर जा रहा है, उसके मुकाबले कहीं ज्यादा विदेशी मुद्रा भारत आ रही है। इस मजबूत स्थिति का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि देश का चालू खाता घाटा जीडीपी के महज 1 प्रतिशत तक ही सीमित रह जाएगा, जो किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए एक बेहतरीन संकेत है।

मुद्रा जुटाने के लिए एफसीएनआर डिपॉजिट स्कीम पेश की थी, जो पूरी तरह से सफल साबित हुई है। इस योजना के जरिए अब तक देश में 57 अरब डॉलर की भारी-भरकम रकम आ चुकी है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि अगस्त के बचे हुए दिनों में 25 से 30 अरब डॉलर का निवेश और आ सकता है, जिससे यह आंकड़ा 85 अरब डॉलर के करीब पहुंच जाएगा। विदेशी निवेश के इस मजबूत प्रवाह से भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति काफी बेहतर हुई है।

अक्सर जब इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी पैसा देश में आता है, तो उसके प्रबंधन को लेकर कई तरह की चिंताएं पैदा होती हैं। बाजार में भी आरबीआई की स्वैप सुविधा की लागत को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन एसबीआई रिसर्च ने इन सभी चिंताओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि पांच साल की कुल हेजिंग लागत लगभग 10.5 अरब डॉलर होगी। भारत के 700 अरब डॉलर के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार को देखते हुए यह खर्च मात्र 1.45 प्रतिशत है, जो इस बंपर खजाने के फायदों के आगे नाममात्र है।

सोना इस हफ्ते 8 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुएं क्रमशः 8 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम और 12 हजार रुपए प्रति किलो से अधिक महंगी हो गई हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 8,257 रुपए बढ़कर 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,52,363 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,47,128 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,39,565 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,20,465 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,14,272 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 1,52,884 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।चांदी का दाम 12,788 रुपए बढ़कर 2,46,630 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,842 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 2,46,630 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 2,27,392 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,600 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 69 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।

प्रतियोगिता: ट्रीसा-गायत्री ने रचा इतिहास

क्वार्टर फाइनल जीतकर पक्का किया पदक

नईदिल्ली। भारत की गैर-वरीयता प्राप्त युवा महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपनी चमत्कारी फॉर्म जारी रखते हुए बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 में भारत का पहला पदक सुनिश्चित कर दिया है। इस जोड़ी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी जिया यिफान और झांग शुक्सियन को 16-21, 21-15, 21-13 से

हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ऐसे में अब उनका पदक जीतना पक्का है।ट्रीसा और गायत्री की भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी के खिलाफ अपने 0-3 के रिकॉर्ड के बावजूद हार नहीं मानी और शानदार खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की।चीनी जोड़ी ने पहला सेट 16-21 से अपने नाम कर ट्रीसा-गायत्री पर दबाव बनाया था।हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में दमदार प्रदर्शन करते हुए 21-15 से जीत हासिल कर ली।इसके बाद निर्णायक सेट में भारतीय जोड़ी ने विरोधियों को कोई मौका नहीं दिया और 21-13 जीत दर्ज कर ली।भारतीय बैडमिंटन इतिहास में महिला युगल को हमेशा से एक कठिन श्रेणी माना जाता रहा है। साल 2011 में जब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, उसके बाद से कोई भी भारतीय महिला जोड़ी पदक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी।

लद्दाख में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम

***11,800 फीट की ऊंचाई पर गूंजेगा क्रिकेट का रोमांच**

नई दिल्ली। भारत के नाम एक और बड़ी खेल उपलब्धि जुड़ने जा रही है। लद्दाख में समुद्र तल से करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की योजना तैयार की गई है। लेह के पास थिक्से इलाके में प्रस्तावित इस स्टेडियम के निर्माण पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

लद्दाख में क्रिकेट की बुनियाद मजबूत करने और स्थानीय युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह परियोजना तैयार की गई है। प्रस्तावित स्टेडियम का नाम 'रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम' रखा जा सकता है।

लद्दाख प्रशासन का लक्ष्य क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देना और स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। स्टेडियम बनने के बाद घरेलू स्तर के मुकाबलों के आयोजन के साथ-साथ खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास का बेहतर विकल्प मिलेगा।

अमृतसर सूरमाज की कप्तानी मेरे लिए गर्व की बात : अभिषेक शर्मा

अमृतसर। भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शेर ए पंजाब टी20 लीग में अमृतसर सूरमाज की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अपने गृहनगर की टीम की कप्तानी करना बेहद खास है। मैं अमृतसर सूरमाज की कप्तानी करने और पंजाब की अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को आगे बढ़ाने को लेकर उत्साहित हूं। अभिषेक शर्मा ने कहा, इस टीम की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है और साथ ही एक भावनात्मक जिम्मेदारी भी है। पंजाब ने मेरे क्रिकेट सफर में मुझे सब कुछ दिया है। अब सिर्फ खिलाड़ी के रूप में नहीं, बल्कि अपने गृह राज्य की टी20 लीग में एक फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा, मेरी व्यक्तिगत सोच हमेशा पहली गेंद से ही विपक्ष पर दबाव बनाने की रही है और मैं चाहता हूं कि यही मानसिकता पूरी प्लेइंग इलेवन में दिखाई दे। बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फील्डिंग—किसी भी विभाग में हमें असफलता के डर के साथ नहीं खेलना चाहिए।

कोको गॉफ सेमीफाइनल में पहुंची, सारा बेजलेक से होगी फाइनल में पहुंचने की जंग

सिनसिनाटी। कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। जीत के बाद गॉफ ने कहा, यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम पक्का एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

पूर्व क्रिकेटर जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने मामले में बड़ी राहत, सभी आरोपों से बरी

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी और वडोदरा निवासी जैकब मार्टिन को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने 22 साल पुराने आपराधिक मामले में बड़ी राहत दी है। अदालत ने वर्ष 2004 में दर्ज प्राथमिकी से जुड़े मामले में मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत के फैसले के बाद भावुक हुए मार्टिन ने कहा कि उन्हें बड़े क्रिकेटर होने की वजह से इस मामले में घसीटा गया और पिछले 22 वर्षों के दौरान उन्हें काफी मानसिक और व्यक्तिगत परेशानियों का सामना करना पड़ा। जैकब मार्टिन के खिलाफ वर्ष 2004 में धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज का इस्तेमाल, आपराधिक साजिश और पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर ब्रिटेन के फर्जी आव्रजन मुहर लगाने और अवैध यात्रा की व्यवस्था कराने जैसे आरोप लगाए गए थे। मामले की जांच के दौरान उनका नाम भी सामने आया और उन्हें आरोपी बनाया गया।

यश की टॉक्सिक का अंग्रेजी ट्रेलर आया सामने, 11 सेकंड कम पर एक्शन से भरपूर

यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा। ट्रेलर 9 अगस्त को एक शानदार इवेंट में रिलीज किया गया जिसके बाद से फैंस के मन में इसको लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

एक तरफ जहां कुछ फैन्स ने ट्रेलर के विजुअल्स और स्केल की तारीफ की, वहीं दूसरों ने इसके डायलॉग्स और इसे पेश करने के कुछ तरीकों की आलोचना की। अब मेकर्स ने ट्रेलर का इंग्लिश वर्जन भी रिलीज कर दिया है।

अब इसको लेकर एक अलग बहस छिड़ गई है। इंटरनेट का मानना है कि यह हिंदी वर्जन से बेहतर है। तो वहीं कुछ लोग तो इसे आलोचना का सही जवाब भी बता रहे।

इंग्लिश ट्रेलर ने कई दर्शकों को आकर्षित किया। वहीं कुछ ने इसे सिर्फ हिंदी वर्जन की डबिंग करने के बजाय इंग्लिश में शूट करने के मेकर्स के फैसले की तारीफ की। फैंस ने कियारा आडवाणी के इंग्लिश डायलॉग बोलने के अंदाज और आवाज के उतार-चढ़ाव की भी तारीफ की है। कुछ लोगों ने तो ट्रेलर को सीधे हॉलीवुड फिल्म जैसा भी बताया है।फैंस ने यश और कियारा की अंग्रेजी में डायलॉग डिलीवरी की तारीफ की। एक ने लिखा,टॉक्सिक के इंग्लिश ट्रेलर में कियारा आडवाणी की आवाज का उतार-चढ़ाव और डायलॉग बोलने का अंदाज जबरदस्त है। वह सच में बहुत टैलेंटेड हैं। एक अन्य कमेंट था,परफेक्ट एक्सेंट और डायलॉग डिलीवरी, यश ने इंग्लिश ट्रेलर में कमाल कर दिया।तीसरे ने लिखा-अभी-अभी टॉक्सिक का इंग्लिश ट्रेलर देखा। इसकी डबिंग हॉलीवुड लेवल की है। स्केल,साउंड और इंटेंसिटी बेहतरीन हैं।गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश डबल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी होंगी। यह फिल्म छह भाषाओं हिंदी,तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और अंग्रेजी में रिलीज होगी।

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, वह इमोशनली समझदार और मेंटली

मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है। अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।हर्षिता गौर ने कहा, असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है।

25 अगस्त को टेट मुक्ति रैली में जुटेंगे तोकापाल के शिक्षक

जगदलपुर/ नव प्रदेश। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर 25 अगस्त को जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित टेट मुक्ति रैली एवं प्रदर्शन में तोकापाल ब्लॉक के सभी संवर्गों के शिक्षक शामिल होंगे। ब्लॉक अध्यक्ष भुवनेश्वर नाग ने शिक्षकों से बड़ी संख्या में रैली में पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और मांगों के निराकरण की मांग की जाएगी।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा के अनुसार आंदोलन का प्रमुख मुद्दा शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) की अनिवार्यता से राहत दिलाना है। सेवा सुरक्षा और पदोन्नति के लिए टेट की बाध्यता समाप्त करने की मांग रखी जाएगी। इसके साथ ही पूर्व सेवा अवधि को जोड़कर पेंशन एवं अन्य सेवा लाभ देने, केंद्रीय वेतनमान के अनुरूप लाभ प्रदान कर वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

मोर्चा ने 13 फरवरी 2026 को जारी भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में शिक्षकों के हित में आवश्यक संशोधन करने की मांग की है। साथ ही सेवा एवं पदोन्नति के लिए ब्रिज कोर्स के माध्यम से बीएड कराने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। भुवनेश्वर नाग ने कहा कि यह आंदोलन शिक्षकों के भविष्य, सेवा सुरक्षा और अधिकारों से जुड़ा है। इसलिए सभी संवर्गों के शिक्षक 25 अगस्त को जगदलपुर पहुंचकर एकजुटता का परिचय दें और आंदोलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं।

प्रमुख मांगें : टेट से मुक्ति 7 पूर्व सेवा अवधि का पेंशन में लाभ 7 केंद्रीय वेतनमान के अनुरूप लाभ 7 भर्ती-पदोन्नति नियमों में संशोधन 7 बीएड ब्रिज कोर्स की व्यवस्था।

स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल के खिलाफ कांग्रेस बनाएगी जनआंदोलन की रणनीति

जगदलपुर/दरभा/नवप्रदेश। ग्राम कोलेंग में दरभा मंडल कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण मासिक बैठक शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। पूर्व विधायक रेखचंद जैन की उपस्थिति और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महादेव नाग की अगुवाई में हुई बैठक में स्मार्ट मीटर, बढ़ते बिजली बिल और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफयोजना की पुनः बहाली को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में इन मुद्दों को लेकर चरणबद्ध जनआंदोलन की रणनीति तैयार करने का निर्णय लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए सुशील मौर्य ने भाजपा सरकार पर आम उपभोक्ताओं पर बिजली के बढ़ते बिल का अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं में कई तरह की चिंताएं हैं। कांग्रेस शासनकाल में 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफयोजना से गरीब, मध्यमवर्गीय और सामान्य परिवारों को राहत मिलती थी। उन्होंने सरकार से योजना को तत्काल बहाल करने तथा स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल की समस्याओं का निराकरण करने की मांग की।

गांव-गांव पहुंचकर उपभोक्ताओं को जोड़ेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि कांग्रेस हमेशा आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करते हुए जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राहत नहीं मिलने पर आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से व्यापक रूप दिया जाएगा।

जर्जर स्कूल भवन में पढ़ने को मजबूर नौनिहाल,रसोई कक्ष बना कक्षा

ढोरकट्टा स्कूल की बदहाली से बच्चों की सुरक्षा पर सवाल

छोटे कापसी/ नव प्रदेश। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड अंतर्गत आनंदपुर संकुल के शासकीय प्राथमिक शाला ढोरकट्टा में शिक्षा व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने आई है। वर्ष 1981 में स्थापित यह स्कूल भवन लंबे समय से जर्जर है। छत, दीवारों और प्लास्टर की हालत ऐसी है कि हर समय हादसे का खतरा बना हुआ है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए मुख्य भवन में कक्षाएं संचालित करने के बजाय रसोई कक्ष को ही कक्षा बना दिया गया है।

स्कूल में पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित होती हैं। पर्याप्त वैकल्पिक कक्ष नहीं होने के कारण कई कक्षाओं के बच्चों को एक ही रसोई कक्ष में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। इससे न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, बल्कि शिक्षकों के लिए भी कक्षाओं का संचालन चुनौती बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर भवन की स्थिति की जानकारी संबंधित विभाग और अधिकारियों को कई बार दी गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ।

1981 में स्कूल की स्थापना भवन हुआ जर्जर : 1981 में स्कूल की स्थापना भवन हुआ जर्जर सुरक्षा के चलते मुख्य भवन में पढ़ाई बंद रसोई कक्ष बना कक्षा बच्चों और शिक्षकों की बढ़ी परेशानी ग्रामीणों ने नए भवन की मांग उठाई।

नया भवन नहीं तो वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

ग्रामीणों और अभिभावकों ने जर्जर भवन को हटाकर तत्काल नया एवं सुरक्षित स्कूल भवन स्वीकृत करने की मांग की है। उनका कहना है कि नया भवन बनने तक बच्चों के लिए किसी सुरक्षित वैकल्पिक भवन की व्यवस्था की जाए। शिक्षा के बेहतर माहौल के दावे के बीच दूरस्थ अंचल के इस स्कूल की तस्वीर व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने ला रही है। अब ग्रामीणों की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर है कि नौनिहालों को सुरक्षित स्कूल भवन कब तक मिल पाता है।

हर महीने तीसरे शनिवार को होगा स्कूलों का सघन निरीक्षण

170 से अधिक स्कूलों में पहुंचा प्रशासन शिक्षा व्यवस्था की जमीनी पड़ताल

जगदलपुर/नव प्रदेश। बस्तर जिले के शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने और परीक्षा परिणाम बेहतर करने जिला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया है। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देश पर जुलाई से शुरू किए गए विशेष गुणवत्ता सुधार अभियान के तहत अगस्त के तीसरे शनिवार को जिलेभर में दूसरे चरण का व्यापक निरीक्षण किया गया। इसके लिए 178 अधिकारियों को अलग-अलग स्कूलों की जिम्मेदारी सौंपकर नोडल अधिकारी बनाया गया है।

अभियान के दौरान अपर कलेक्टर,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जगदलपुर, लोहंडीगुड़ा,तोकापाल,बास्तानार,दरभा,बस्तर और बकावंड विकासखंड के दूरस्थ विद्यालयों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति,विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति और शाला अभिलेखों के संधारण की स्थिति जांची।जिला प्रशासन ने इस व्यवस्था को प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को अनिवार्य रूप से जारी रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का उद्देश्य नियमित निगरानी के माध्यम से दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में भी गुणवत्तापूर्ण और बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है।

निरीक्षण अभियान........

178 नोडल अधिकारियों ने निर्धारित विद्यालयों का दौरा किया शिक्षकों की उपस्थिति और पाठ्यक्रम की स्थिति जांची विद्यार्थियों से संवाद कर शैक्षणिक प्रगति जानी प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अभिलेखों की स्थिति देखी परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विद्यार्थियों से संवाद,प्रयोगशाला और पुस्तकालय पर जोर

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। साथ ही आगामी बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। प्रयोगशाला, पुस्तकालय तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों के नियमित संचालन पर भी विशेष जोर दिया गया।

बारिश-हवा आते ही अंधेरे में डूब जाते हैं मधोता, खैरगुड़ा और कुंडगुड़ा

हर बार 'फाल्ट' का बहाना, घंटों गुल रहती है बिजली; ग्रामीणों ने स्थायी समाधान की उठाई मांग

जगदलपुर/नव प्रदेश। मधोता,खैरगुड़ा और कुंडगुड़ा क्षेत्र में बिजली गुल होने की समस्या अब ग्रामीणों के लिए परेशानी नहीं, बल्कि रोजमर्रा की स्थिति बनती जा रही है। बारिश या तेज हवा चलने के साथ ही बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार विद्युत विभाग की ओर से केवल 'फाल्ट' होने की जानकारी देकर समस्या से पल्ला झाड़ लिया जाता है, लेकिन बार-बार सामने आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। रात से बिजली बंद होने के कारण ग्रामीणों को एक बार फिर अंधेरे में रात गुजारने की स्थिति का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों के मुताबिक मौसम खराब होते ही क्षेत्र की बिजली व्यवस्था चरमरा जाती है। घंटों आपूर्ति बंद रहने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है,वहीं मोबाइल चार्जिंग,पेयजल व्यवस्था और घरेलू कामकाज भी प्रभावित होते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि एक ही क्षेत्र में बार-बार फाल्ट हो रहा है तो विभाग को इसकी जड़ तक पहुंचकर तकनीकी जांच करनी चाहिए। ग्रामीणों ने विद्युत लाइनों,खंभों,ट्रांसफार्मरों और अन्य उपकरणों के नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव की मांग की है। उनका कहना है कि केवल खराबी आने के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से कमजोर व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए,ताकि बारिश और तेज हवा के दौरान बार-बार बिजली गुल होने की स्थिति निर्मित न हो।

बेंगलुरु में विज्ञान,अंतरिक्ष और विमानन संस्थानों का सांसद महेश कश्यप ने किया अध्ययन दौरा

जगदलपुर/नव प्रदेश। विज्ञान और प्रौद्योगिकी,पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्ययन यात्रा के तहत बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने बेंगलुरु और मैसूर स्थित विभिन्न प्रमुख वैज्ञानिक, तकनीकी एवं पर्यावरणीय संस्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और अधिकारियों से संवाद कर अनुसंधान,नवाचार, अंतरिक्ष विज्ञान,विमानन,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जानकारी ली।

सांसद ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स में खगोल विज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रकाशिकी विज्ञान से जुड़े कार्यों को समझा। इसके बाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेटा साइंस एंड एआई में डेटा विज्ञान,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों पर चर्चा की। नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज में नागरिक विमान विकास और हंसा-एनजी विमान से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

अध्ययन यात्रा के दौरान सांसद इसरो मुख्यालय स्थित अंतरिक्ष परिसर पहुंचे, जहां इसरो अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ वी नारायणन सहित वैज्ञानिकों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने वैज्ञानिकों से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम, गगनयान, आदित्य-एल1 और भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों पर विस्तार से संवाद किया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के दौरे में भावी पायलटों और प्रशिक्षणरत युवाओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण एवं उड़ान कौशल को जाना।

नागरहोल से मैसूर तक पर्यावरण और खाद्य तकनीक की जानकारी

सांसद ने नागरहोल टाइगर रिजर्व में कर्नाटक सरकार,वन विभाग और अधिकारियों के साथ वन्यजीव संरक्षण,वन प्रबंधन तथा टाइगर रिजर्व से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की। इसके बाद मैसूर स्थित सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट का दौरा कर खाद्य प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। महेश कश्यप ने कहा कि ऐसी अध्ययन यात्राओं का उद्देश्य देश के प्रमुख वैज्ञानिक,तकनीकी और पर्यावरणीय संस्थानों के कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से समझना तथा प्राप्त अनुभवों को संसदीय विमर्श में उपयोगी बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। वैज्ञानिक संस्थानों का अनुसंधान,नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता विकसित भारत के निर्माण को नई गति दे रहे हैं।

अध्ययन यात्रा..........

बेंगलुरु के वैज्ञानिक संस्थानों से लेकर नागरहोल टाइगर रिजर्व और मैसूर के खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान तक सांसद ने अनुसंधान,अंतरिक्ष,विमानन,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को करीब से समझा।

शराब दुकान में धांधली के आरोप, जिम्मेदारों की निगरानी पर उठे सवाल

पखांजुर/नवप्रदेश। पखांजुर की अंग्रेजी शराब दुकान में कथित अनियमितताओं को लेकर स्थानीय स्तर पर शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकान में निर्धारित दर से अधिक कीमत पर शराब बेचने के साथ कथित तौर पर कोचियों को भी शराब उपलब्ध कराई जा रही है। पखांजुर और बांदे क्षेत्र में मिलावटी शराब को लेकर भी समय-समय पर शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है।

शिकायतकर्ताओं के मुताबिक दुकान की बिक्री व्यवस्था और संचालन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि प्रभाव के चलते नियमों की अनदेखी की जा रही है और ग्राहकों से निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूली जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मामले में दुकान संचालन से जुड़े व्यक्ति से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से भी समाचार लिखे जाने तक स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विभाग द्वारा शराब दुकान की बिक्री,स्टॉक और सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जाए तो कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

मिलावटी शराब की शिकायत,जांच की मांग

पखांजुर-बांदे क्षेत्र में मिलावटी शराब की शिकायतों को लेकर भी लोगों में चिंता है। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो यह मामला अवैध बिक्री से आगे बढ़कर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय बन सकता है। स्थानीय लोगों ने शराब के नमूनों की जांच, दुकानों की नियमित जांच तथा निर्धारित दर से अधिक वसूली की शिकायतों की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गड्ढों में मुरुम डालकर की गई लीपापोती,बारिश में फिर बदहाल हुआ परलकोट जलाशय मार्ग

अस्थायी मरम्मत की खुली पोल, पानी और कीचड़ से बढ़ा हादसे का खतरा

छोटे कापसी/नवप्रदेश। छोटे कापसी से परलकोट जलाशय जाने वाले मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों को स्थायी रूप से दुरुस्त करने के बजाय उनमें मुरुम डालकर खानापूर्ति कर दी गई। बारिश शुरू होते ही मुरुम बह गया और सड़क एक बार फिर गड्ढों व कीचड़ से बदहाल हो गई है। हालात यह हैं कि राहगीरों को हर कदम संभलकर चलना पड़ रहा है।

इस मार्ग से रोजाना स्कूली बच्चे, महाविद्यालयीन विद्यार्थी, दोपहिया वाहन चालक और आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीण आवागमन करते हैं। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। वहीं मुरुम के बह जाने के बाद कई हिस्सों में कीचड़ और दलदल जैसी स्थिति बन गई है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। फिसलन के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है।

स्थायी मरम्मत की मांग,जांच की उठी आवाज

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की वास्तविक समस्या दूर करने के बजाय केवल औपचारिकता निभाते हुए गड्ढों में मुरुम डाल दिया गया। उनका कहना है कि यदि सड़क की गुणवत्ता और मरम्मत कार्य की गंभीरता से जांच की जाए तो स्थिति स्पष्ट हो सकती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क की जांच कराने के साथ गड्ढों की स्थायी मरम्मत कर मार्ग को सुरक्षित और आवागमन योग्य बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बारिश के मौसम में बड़ा हादसा हो सकता है।

बस्तर की 1,524 कक्षाओं में गूंजेगी बच्चों की अपनी भाषा

जगदलपुर/नव प्रदेश। बस्तर जिले की 1,524 कक्षाओं में अब बच्चों की अपनी भाषा में सीखने और समझने की प्रक्रिया को और मजबूती मिलेगी। नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम के तहत अकादमिक सत्र 2026-27 में शिक्षक प्रशिक्षण की तैयारी के लिए जिला एवं विकासखंड स्रोत समूह के सदस्यों का छह दिवसीय प्रशिक्षण 17 से 22 अगस्त तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के सातों विकासखंडों के विद्यालयों में हल्बी,भतरी और गोंडी भाषायी पृष्ठभूमि वाले बच्चों के लिए शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण में 76 स्रोत समूह सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के प्रशिक्षकों सुभाष चन्द्र,अंजलि तिवारी,भारत साहू,उत्तम साहू एवं टार्जन साहू ने बहुभाषी शिक्षा के साथ साक्षरता एवं संख्याज्ञान से जुड़े विभिन्न सत्र संचालित किए। प्रशिक्षण का उद्देश्य आगामी शिक्षक प्रशिक्षण के लिए स्रोत समूह को तैयार करना रहा।

.टाटा ट्रस्ट्स के वित्तीय सहयोग से संचालित

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अतिरिक्त निदेशक जय प्रकाश रथ,पद्मश्री डॉ महेंद्र मिश्रा,बस्तर डाइट प्राचार्य नितिन दंडसेना एवं सहायक प्राध्यापक डॉ स्टेनली जॉन ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्मार्ट मीटर लगाए जाने और बिजली बिलों में बढ़ोतरी के विरोध में कोलेंग मंडल कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफप्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। कार्यक्रम बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य और पूर्व विधायक रेखचंद जैन की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तत्काल रोकने, बढ़े हुए बिजली बिलों से राहत देने और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को पुनः बहाल करने की मांग उठाई। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि स्मार्ट मीटर और लगातार बढ़ते बिजली बिलों को लेकर आम जनता में भारी आक्रोश है।

कांवड़ यात्रा: महादेव घाट से कुरंदी गौ धाम तक गूंजे भोलेनाथ के जयकारे

बस्तर में पहली बार निकली गौ सेवा संकल्प कांवड़ यात्रा

जगदलपुर/नव प्रदेश। भगवान महादेव की भक्ति और गौ सेवा के संकल्प के साथ बस्तर संभाग में पहली बार गौ सेवा संकल्प कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ महादेव घाट से हुआ। श्रद्धालु पवित्र जल, रोटी और गुड़ लेकर कुरंदी स्थित हैप्पी कामधेनु गौ धाम के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान भगवान महादेव के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने गौ सेवा और सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

यात्रा महादेव घाट से सिरहासार,गोलबाजार मुख्य मार्ग, कोतवाली,शहीद पार्क,कुम्हारपारा, राजमार्ग एवं आड़ावाल होते हुए कुरंदी गौ धाम पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कुरंदी गौ धाम पहुंचने के बाद कांवड़ यात्रियों ने शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित कर भगवान महादेव का जलाभिषेक किया। इसके पश्चात 5100 रोटियां और 51 किलो गुड़ गौ माता को अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने गौ सेवा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

आयोजकों ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कांवड़ यात्रा को गौ सेवा से जोड़कर सेवा,संवेदना और संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक सेवा आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाने की बात कही गई। यात्रा में दीपक पनपालिया,नरेश कोरी,कैलाश ठाकुर,रोहन कुमार,विक्रम ठाकुर, सुनीता कश्यप,वंशिका पोडाल,जशवंत जोशी, रवि नेताम,नरसिम्हा सिन्हा,रोहन सेठिया,अमन धीवर, आदि ठाकुर,अमित ठाकुर,हर्षा यादव,रीना ठाकुर,उमेश सेन, महेंद्र कश्यप,गीतेश पाणीग्राही,आनंद बघेल,डालेश्वर कश्यप, जितेन्द्र जोशी,कृष ठाकुर,कृष बाजपेयी, विजय ठाकुर, अंशु कुमार सहित बड़ी संख्या में गौ सेवक एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

सेवा का संकल्प: महादेव घाट से यात्रा प्रारंभ

पवित्र जल व गौ सेवा सामग्री के साथ श्रद्धालु रवाना कुरंदी गौ धाम में शिवलिंग का जलाभिषेक 5100 रोटियां व 51 किलो गुड़ गौ माता को अर्पित गौ सेवा एवं संरक्षण को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प।

'स्वाधीनता के गान' में गूंजा वतनपरस्ती का पैगाम, शब्दों से साकार हुआ आजादी का महासमर

बिलासपुर/नवप्रदेश। बादल, बौछार और बयार से गमकती शाम में रायपुर के आसमान पर देशभक्ति का सतरंगी इंद्रधनुष खिल उठा। शब्द, स्वर, लय और देह-मुद्राओं के जादुई सम्मोहन के बीच नौनिहालों और युवा कलाकारों ने रंगमंच पर आजादी के महासमर की गाथा जीवंत कर दी। डीआर सीवी रमन विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 'स्वाधीनता के गान' की यह अनूठी प्रस्तुति रवीन्द्र भवन, रायपुर में हुई, जिसे देखने बड़ी संख्या में कलाप्रेमी, साहित्यकार, कलाकार, प्राध्यापक और विद्यार्थी पहुंचे। हर प्रस्तुति पर सभागार

तालियों से गूंजता रहा और समापन में 'वंदेमातरम' की प्रस्तुति के साथ दर्शकों के हाथों में तिरंगे लहराने लगे।

हिंदी पत्रकारिता की दो सदी की सांस्कृतिक यात्रा और राष्ट्र के प्रति शब्द की रचनात्मक भूमिका को केंद्र में रखकर आयोजित इस कार्यक्रम में कविता, संगीत और नृत्य के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह थे। उन्होंने प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि देश की आजादी में साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों की महान भूमिका रही है। उनके शब्दों ने जनमानस में आजादी की लौ जगाई और यही चेतना आगे चलकर आंदोलन का रूप बनी। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय ने 'स्वाधीनता के गान' के माध्यम से इस महत्वपूर्ण इतिहास को जिस अलग और रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया है, वह अद्भुत और अलौकिक है। उन्होंने कहा कि यह इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हो जाता है की पूरी प्रस्तुति बेटियों ने दी है।

डीआर सीवी रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं वरिष्ठ साहित्यकार-कवि संतोष चौबे ने कहा कि हम स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों और आजादी में योगदान देने वाले अनेक महान व्यक्तित्वों को याद करते हैं, लेकिन उन कवियों, साहित्यकारों और रचनाकारों को अक्सर भूल जाते हैं, जिन्होंने अपनी लेखनी से जनमानस में स्वतंत्रता की चेतना पैदा की। ऐसे प्रयोगों का उद्देश्य उन रचनाकारों और महान विभूतियों को नई पीढ़ी के सामने लाना है।

'स्वाधीनता के गान' पुस्तक का हुआ लोकार्पण

कार्यक्रम में आईसेक्ट पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'स्वाधीनता के गान' का लोकार्पण भी किया गया। इस संग्रह में हिंदी के 34 कवियों की 50 से अधिक देशभक्ति कविताओं को शामिल किया गया है। पुस्तक का संकलन साहित्यकार श्रीराम परिहार और रामवल्लभ आचार्य ने किया है। इसके लिए परामर्श संतोष चौबे का तथा समन्वय विनय उपाध्याय का रहा। 'स्वाधीनता के गान' डीआर सीवी रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे की विशेष रचनात्मक परियोजना की परिणति है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आधुनिक हिंदी कविता की यात्रा को देशभक्ति के संदर्भ में देखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की परिकल्पना की गई थी। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से लेकर वीरेंद्र मिश्र तक हिंदी कविता की राष्ट्रवादी चेतना को समेटते हुए यह अभियान आगे बढ़ा। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष ममता साहू, पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर, साहित्यकार ज्योति रघुवंशी, प्रसिद्ध रंगकर्मी राजकमल नायक विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अरविंद कुमार तिवारी समकुलपति डॉक्टर जयंती चटर्जी डॉ प्रफुली शर्मा डॉ अशोक कुमार तिवारी बड़ी संख्या में रचनाप्रेमी, साहित्यकार, कलाकार, प्राध्यापक, विद्यार्थी और शहर के नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

हाइड्रोलिक फेस शॉवेल का शुभारंभ

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एसईसीएल की गेवरा मेगा परियोजना में देश के पहले 21 CuM क्षमता वाले इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक फेस शॉवेल का शुभारंभ किया गया है । एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहन ने आज इसका लोकार्पण किया। विदित हो कि गेवरा एशिया की सबसे बड़ी खदान है । यह अत्याधुनिक मशीन गेवरा परियोजना में कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ आधुनिक, सुरक्षित एवं उच्च दक्षता वाले खनन संचालन को नई गति प्रदान करेगी। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी, योजना एवं परियोजना) रमेश चंद्र महापात्र भी उपस्थित रहे। 21 CuM क्षमता वाला यह अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक फेस शॉवेल 360 डिग्री कैमरा, ऑपरेटर फटीग मॉनिटरिंग सिस्टम, एयर-सस्पेंशन सीट, एडजस्टेबल जॉयस्टिक, हाइड्रोलिक सीढ़ियां, गैस आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम तथा FOPS मानक के सुरक्षित केबिन जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके साथ ही इसे एसईसीएल के फ्लीट मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे इसकी कार्यक्षमता की रियल-टाइम निगरानी की जा सकेगी। लगभग 5.31 मिलियन घनमीटर वार्षिक उत्पादन क्षमता वाली यह मशीन उत्पादन, सुरक्षा और परिचालन दक्षता को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। कार्यक्रम में एजीएम संजय मिश्रा सहित गेवरा परियोजना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

दुर्गा तिवारी प्रदेश किसान कांग्रेस के सचिव बने

सीपत/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस संगठन में

सीपत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद तिवारी को प्रदेश सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की सहमति से जारी नियुक्ति आदेश में तिवारी को छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है।

उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। प्रदेश किसान कांग्रेस की ओर से जारी नियुक्ति आदेश में संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता और जिम्मेदारी को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर पर नई भूमिका दी गई है।

सीपत क्षेत्र में कांग्रेस संगठन के लिए लगातार सक्रिय रहने वाले दुर्गा प्रसाद तिवारी को प्रदेश संगठन में जिम्मेदारी मिलने से स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। दुर्गा प्रसाद तिवारी लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े रहकर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

अटल विश्वविद्यालय में साइबर जागृति अभियान

प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल लेन-देन एवं ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क रहें

बिलासपुर/नवप्रदेश। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए बिलासपुर पुलिस द्वारा संचालित 'साइबर जागृति अभियान' को व्यापक रूप से आगे बढ़ाते हुए आज 22 अगस्त को अटल विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराध, साइबर ठगी के नए तरीकों तथा उससे बचाव के व्यावहारिक उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उच्च शिक्षित लोग भी साइबर ठगी का शिकार–एसएसपी रजनेश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं उप महानिरीक्षक रजनेश सिंह ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में सामने आए साइबर अपराधों के आधार पर बताया कि साइबर ठग लगातार नए-नए तरीकों का इस्तेमाल कर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध का शिकार केवल कम पढ़े-लिखे लोग ही नहीं, बल्कि उच्च शिक्षित एवं

जागरूक माने जाने वाले लोग भी हो रहे हैं। उन्होंने एक सेवानिवृत्त इंजीनियर के साथ हुई साइबर ठगी का उदाहरण देते हुए बताया कि साइबर ठग किस प्रकार विश्वास में लेकर शिक्षित लोगों से भी बड़ी रकम ठग लेते हैं। उन्होंने अपने एक रिश्तेदार के साथ हुई साइबर ठगी की घटना का भी उल्लेख किया तथा बताया कि उस समय वे उनके पैसे वापस नहीं करा पाए, लेकिन वर्तमान में साइबर अपराध से पीड़ित लोगों की समस्याओं के समाधान एवं ठगी की रकम वापस दिलाने के प्रयासों में पुलिस को कई सफलताएं प्राप्त हुई हैं। युवाओं को फर्जी लिंक, फर्जी , संदिग्ध वेबसाइट एवं अनजान डिजिटल संदेशों से सावधान रहने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवाओं की जल्दबाजी, लालच, डर एवं बिना सत्यापन के किसी लिंक पर क्लिक करना साइबर ठगी का कारण बन सकता है। उन्होंने किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने तथा संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की तत्काल शिकायत करने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर QR कोड स्कैन कर भुगतान न करें। भुगतान करने से पहले QR कोड एवं संबंधित जानकारी की अच्छी तरह जांच करें। उन्होंने साइबर सुरक्षा से संबंधित उपयोगी मोबाइल एप्लीकेशन एवं संसाधनों की जानकारी भी दी, जो Google Play Store पर उपलब्ध हैं। साइबर जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश–कलेक्टर संजय अग्रवाल कलेक्टर संजय अग्रवाल ने भी साइबर अपराध की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए अपने करीबियों के साथ हुई साइबर फ्रॉड की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध किसी भी व्यक्ति के साथ हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल लेन-देन एवं ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क रहना आवश्यक है।

कोचिंग संस्थानों में भी पहुंचा 'साइबर जागृति अभियान'

इसी क्रम में बिलासपुर स्थित चंद्रा अकादमी एवं चंद्रहासिनी अकादमी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के बीच भी 'साइबर जागृति अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक भूपेंद्र कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी कोतवाली देवेश राठौर, सूबेदार तिलक कुमार एवं सूबेदार अविनाश ध्रुव उपस्थित रहे। रक्षित निरीक्षक भूपेंद्र कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को वर्तमान रिस्थितियों में साइबर जागरूकता की आवश्यकता एवं साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में इंटरनेट एवं ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग बढ़ने के साथ-साथ साइबर अपराधियों की सक्रियता भी बढ़ी है, इसलिए सावधानी और जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

समग्र ब्राह्मण मातृशक्ति परिषद् ने मनाया सावन उत्सव

रतनपुर/नवप्रदेश। समग्र ब्राह्मण मातृशक्ति परिषद् बिलासपुर द्वारा आयोजित 'सावन उत्सव' में देखने को मिला, महिलाओं ने गीत, संगीत, नृत्य, कविता और मनोरंजक खेलों के माध्यम से सावन की पारंपरिक छटा को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम की जानकारी संगठन की जिला सचिव श्रीमती अंजू शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। श्वेता शर्मा ने भगवान श्रीगणेश एवं मां सरस्वती की भावपूर्ण वंदना प्रस्तुत की।सावन के पारंपरिक गीतों पर महिलाओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं की प्रस्तुतियों में सावन की खुशी, लोक परंपरा और भारतीय नारी की सहज कलात्मकता की झलक दिखाई दी। उपस्थित महिलाओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही सावन आधारित कविता पाठ ने कार्यक्रम को साहित्यिक रंग प्रदान किया। कविताओं के माध्यम से सावन की फुहार, हरियाली, प्रकृति, रिश्तों और जीवन में उमंग के भावों को खूबसूरती से अभिव्यक्त किया गया। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न रोचक एवं मनोरंजक गेम्स में मातृशक्ति ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। खेलों के दौरान हंसी-खुशी और मनोरंजन का माहौल बना रहा। प्रतिभागियों की सक्रियता ने आयोजन को और जीवंत बना दिया।

उम्र और औपचारिकताओं की सीमाओं से परे सभी ने एक साथ उत्सव का आनंद लिया।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'सावन सुंदरी प्रतियोगिता' रही। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, पारंपरिक सौंदर्यबोध और सावन की थीम के अनुरूप अपनी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न चरणों के बाद इंदु दीवान को 'सावन सुंदरी' घोषित किया गया। विजेता बनने पर उपस्थित मातृशक्ति ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कबड्डी स्पर्धाः विजेता शिवतराई को 7 हजार नकद एवं उपविजेता कंचनपुर की टीम को 5 हजार इनाम

रतनपुर/नवप्रदेश। एमेच्योर ब्लॉक कबड्डी संघ कोटा द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरेली तिहार के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार आयोजन औठारानी पहाड़ एवं भेलवाही डोंगरी के आंचल तले दारसागर कुपाबांधा में ग्राम पंचायत के सहयोग से किया गया स्पर्धा का शुभारंभ सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार पोर्ते, शिवसिंह पोर्ते, चैन सिंह पैकरा, ईश्वर सिंह पोर्ते, गनपत सिंह मरावी,कलीराम पोर्ते, सियाराम जायसवाल, विजय मसराम,राजेंद्र जगत, भूपेंद्र जगत, रामायण पोर्ते, किताब सिंह पैकरा, मनोज ध्रुव, सचिव गेंदू सिंह ध्रुव द्वारा भारतमाता, छत्तीसगढ़ महतारी व बजरंगबली के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया! प्रतियोगिता में बिलासपुर जिला, पेण्ड्रा गोरेला मरवाही और मुंगेली जिला से 52 कबड्डी टीम ने हिस्सा लिया! विशिष्ट अतिथि राजू सिदार, प्रभु सिंह जगत, कौशल मेश्राम, लखनलाल पैकरा, पंचराम

यादव, प्रकाश सिंह पैकरा,नरेंद्र मरकाम,सुरेश कुमार पोर्ते, रैन सिंह पैकरा, ऊषा अगरिया, दुर्गा जायसवाल, पुष्पा पैकरा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन कबड्डी संघ सचिव हेमंत सिंह क्राँति ने किया(स्पर्धा का पहला सेमीफाइनल कंचनपुर और चचेडी मुंगेली के बीच खेला गया जिसमें कंचनपुर ने 20 - 10 के अंतर से जीत कर फायनल प्रवेश किया! दूसरा सेमीफाइनल शिवतराई और कुदरी पेण्ड्रा के बीच कसमकस भरे मैच में शिवतराई ने 11-10 अर्थात मात्र एक अंक से जीतने में सफल हुआ! रातभर चले स्पर्धा में फायनल मुकाबला प्रातः 7.00 बजे शिवतराई एवं कंचनपुर के मध्य खेला गया, शिवतराई की टीम ने 19- 9 से जीतकर 7001/- रू.(सौजन्य एमेच्योर कबड्डी संघ) व ट्राँफी (सौजन्य जयकुमारी प्रभु जगत)खिताब पर कब्जा जमाया। उपविजेता कंचनपुर को 5001/- भूपेंद्र जगत सरपंच पटैता एवं मनोज ध्रुव सरपंच पंडरापथरा द्वारा एवं ट्राँफी प्रदान किया गया। तृतीय पुरस्कार कुदरी पेण्ड्रा को 3001 /- रु. विजय मसराम अध्यक्ष कबड्डी संघ व ट्राफी, तथा चतुर्थ ईनाम चचेडी मुंगेली को 2001/- रू. रामायण सिंह पोर्ते द्वारा एवं ट्राँफु जयकुमारी प्रभु जगत द्वारा प्रदान किया गया।

मछली पालन से आत्मनिर्भर बनेंगी एक सौ महिलाएं

बिहान योजना के तहत हितग्राहियों को मिला मछली बीज

बिलासपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। सरकार की इसी सोच को सेमरताल की ग्रामीण महिलाएं अपनी मेहनत और हौसले से नई पहचान दे रही हैं। मछली पालन को आजीविका का माध्यम बनाकर 100 ग्रामीण महिलाओं एवं उनके परिवारों ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। जनपद पंचायत बिल्हा के सेमरताल में ज्ञान सुधा संकुल संगठन के आईएफसी एवं आजीविका सेवा केंद्र द्वारा 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत 100 हितग्राहियों को मछली पालन से जोड़ने के लिए प्रत्येक हितग्राही को 1000 फिंगरलिंग मछली बीज उपलब्ध कराया गया।'

मत्स्य विभाग द्वारा कुल 150 पैकेट फिंगरलिंग मछली बीज उपलब्ध कराया गया। एक पैकेट में 1000 मछली बीज हितग्राहियों को मात्र 300 रुपये में उपलब्ध कराया गया।

कम लागत में स्वरोजगार की शुरुआत

मछली बीज उपलब्ध होने से ग्रामीण परिवारों को कम लागत में मछली पालन शुरू करने का अवसर मिला है। इससे महिलाओं को गांव में ही स्वरोजगार का साधन मिला है और परिवार की आय बढ़ाने की उम्मीद भी मजबूत हुई है। स्थानीय संसाधनों के उपयोग से शुरू हुई यह पहल आने वाले समय में इन परिवारों के लिए अतिरिक्त आय का माध्यम बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

महिलाओं की आर्थिक मजबूती से परिवार होगा खुशहालः सेमरताल की यह पहल बताती है कि जब महिलाओं को अवसर और सहयोग मिलता है, तो वे अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मछली पालन से जुड़कर महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर को आमदनी में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जा रही है।

आजीविका के ऐसे अवसर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके परिवारों को भी आर्थिक रूप से मजबूत करने में सहायक बन रहे हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर सेमरताल की बहनों की यह पहल आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई कहानी कह रही है। राखी के इस पावन पर्व पर बहनों के सपनों को उड़ान मिल रही है और स्वरोजगार के माध्यम से उनके हाथ मजबूत हो रहे हैं।

आयोजन : विद्यालय परिसर में रोपे गए करीब सौ पौधे

न्यौता भोज में विद्यार्थियों को थालियां व स्टेशनरी वितरित

सीपत/नवप्रदेश। बसंत शराफ की पुण्य स्मृति को सेवा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए उनके सुपुत्र संतोष शराफ एवं प्रमोद शराफ, द्वारा वनांचल क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य शासकीय उन्नत प्राथमिक शाला धनुहारपारा कुकदा में विद्यार्थियों के लिए न्यौता भोज का आयोजन किया गया।

इस दौरान बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन कराने के साथ शैक्षणिक सामग्री एवं थालियां वितरित की गईं। वहीं विद्यालय परिसर को हराभरा बनाने करीब सौ पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान शराफ दम्पति संतोष शराफ एवं सुशीला शराफ ने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन के लिए थालियां तथा पढ़ाई-लिखाई में उपयोगी पेन, पेंसिल, पहाड़ा, इरेजर एवं कटर सहित आवश्यक स्टेशनरी सामग्री वितरित की। इस पहल से विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए विद्यालय परिसर में करीब सौ पौधारोपण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, पालकों और विद्यार्थियों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प

लिया।

समाज के लिए प्रेरणादायी

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि किसी दिवंगत व्यक्ति की स्मृति को सेवा, शिक्षा और पर्यावरण जैसे जनहितकारी कार्यों से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायी पहल है। न्यौता भोज, शैक्षणिक सामग्री वितरण और वृक्षारोपण ने आयोजन को सेवा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के त्रिवेणी संगम में बदल दिया।

विद्यालय परिवार ने शराफ परिवार के इस पुनीत एवं समाजोपयोगी प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के प्रधानपाठक बसंत कुमार जायसवाल एवं शिक्षक चरणदास महंत ने किया। शिक्षिका चंद्रिका मिरी ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर दीपक आदित्य, पूरन प्रजापति, राधेलाल यादव, लवकुमार देवांगन, कोहिनूर तिवारी, रामदुलार यादव, विमलेश यादव एवं संकेत कांशकार उपस्थित रहे। साथ ही उपसरपंच रूपेश पाटनवार, पूर्व जनपद सदस्य नूर मोहम्मद, प्राचार्य प्रमिला यादव, प्रधानपाठक सोहन लाल राज, शिक्षक सत्यनारायण राठौर, रविंद्र कुमार खैरवार एवं प्रीतिका सूर्यवंशी सहित गणमान्यजन मौजूद रहे।

शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष लच्छि धनुहार के साथ अंजू धनुहार, सतन बाई एवं दुर्गा धनुहार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लवली लैहर्षण एवं मीना कैवर्त, आदि उपस्थित रहे।

सावन हाउजी का आयोजन

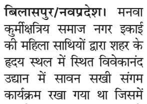

बिलासपुर/नवप्रदेश। मनवा कुर्मीक्षत्रिय समाज नगर इकाई की महिला साथियों द्वारा शहर के हृदय स्थल में स्थित विवेकानंद उद्यान में सावन सखी संगम कार्यक्रम रखा गया था जिसमें सब ने सावन थीम पर हाऊजी में आया सावन झूमकर खेलने का मजा लिया और 1 मिनट गेम मटका लटका अटका झटका के साथ महिला साथियों ने अपने सावन सखी के साथ अपने हर पल को आनंद के साथ गुजारे और पर्यावरण के लिए वातावरण को स्वच्छ रखना आवश्यक है ।

'मम्मी खेलने जाऊं' से 'चार्जर देना' तक...

मोबाइल ने बदल दिया बचपन

शाम के पांच बजते ही कभी मोहल्ले का मैदान बच्चों की आवाजों से गूंज उठता था- कहीं गिल्ली-डंडे की टकराहट, कहीं कंचों की खनक, कहीं पिट्ठू के लिए होने वाली नोकझोंक। कहीं कबड्डी-कबड्डी का शोर... झूलों पर कब्जे के लिए झगड़े होते थे और शाम तब खत्म होती थी, जब किसी मां की आवाज आती थी- 'अरे, घर चलो!' आज भी वही शाम है। वही मैदान है। वही झूले हैं। बस बच्चे नहीं हैं। हर घर की खिड़की से निकलती नीली रोशनी बता रही है कि बच्चे मैदान में नहीं, मोबाइल की स्क्रीन के भीतर मौजूद हैं। कभी जिस बेटे की पहली मांग होती थी- 'मम्मी, खेलने जाऊं?' आज उसकी सबसे बड़ी जरूरत है- 'मम्मी, चार्जर देना।' घर में साइकिलें जंग खा रही हैं, किताबों पर धूल जम रही है और आंखें स्क्रीन पर टिक गई हैं। मां पास बैठी है, पिता सामने हैं, थाली में खाना है, लेकिन बच्चा किसी दूसरी दुनिया में है- एक ऐसी दुनिया, जहां दोस्त ऑनलाइन हैं, खेल ऑनलाइन हैं और बचपन भी ऑनलाइन हो गया है। यह सिर्फ किसी एक बच्चे की कहानी नहीं है। अधिकांश घरों में यही हालात है। यह हर उस बचपन की कहानी है, जो हमारी आंखों के सामने मैदान से उठकर मोबाइल में कैद हो गया। नवप्रदेश की ऑनलाइन चौपाल में जब बच्चों ने अपने मन की बात कही, तो सामने सिर्फ मोबाइल की लत नहीं, बल्कि एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ... क्या स्क्रीन की नीली रोशनी हमारे बच्चों के बचपन का रंग छीन रही है?

नवप्रदेश की ऑनलाइन चौपाल में बच्चों ने खोला दिल, कहा- होमवर्क मोबाइल पर आता है तो करें क्या?

बचपन स्क्रीन पर अटका: मोबाइल की लत में खोता मासूमपन

रायपुर/नवप्रदेश। आज का बच्चा पार्क में गिल्ली-डंडा खेलते नहीं, मोबाइल की स्क्रीन पर अंगूठा घिसते हुए दिखता है। उसका बचपन कंचे, गिट्टी और लंगड़ी टांग में नहीं, इंस्टा रील और पबजी की दुनिया में बीत रहा है। बच्चों में बढ़ती इस डिजिटल लत को लेकर राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नवप्रदेश ने एक अनोखी पहल की। नवप्रदेश ने स्कूली और कॉलेज के बच्चों को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जोड़ा, जहां बच्चे, उनके माता-पिता और एक्सपर्ट आमने-सामने हुए। इस वर्चुअल मीटिंग में बच्चों ने दिल खोलकर बताया कि वे मोबाइल से आखिर चाहते क्या हैं और क्यों नहीं छोड़ पा रहे हैं।

बातचीत की शुरुआत बच्चों के परिचय से हुई। चौथी से लेकर कॉलेज तक के बच्चों ने अपनी पढ़ाई और दिनचर्या साझा की। ज्यादातर बच्चों का एक ही जवाब था- 'सर, हमें मजबूरी में मोबाइल चलाना पड़ता है।' स्कूली बच्चों ने कहा कि स्कूल का सारा होमवर्क अब व्हाट्सएप ग्रुप पर आ रहा है। नोट्स, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट, पीडीएफ सब मोबाइल पर...। मोबाइल नहीं मिलेगा तो होमवर्क कैसे करेंगे? कॉलेज के छात्रों ने बताया कि ऑनलाइन क्लास, गूगल मीट और यूट्यूब लेक्चर के बिना पढ़ाई अधूरी है। यहीं से मोबाइल के लत की शुरुआत होती है। बच्चों ने ईमानदारी से कबूल किया कि पढ़ाई के बीच में ही नोटिफिकेशन आ जाता है और हम गेम खोल लेते हैं। एक बच्चे ने कहा 'होमवर्क सर्च करते-करते कब गेम पर चले जाते हैं पता ही नहीं चलता।' दूसरा बोला '10 मिनट के लिए रील देखता हूं, घंटा निकल जाता है।'

माता-पिता ने चिंता जताई कि मोबाइल की वजह से बच्चे परिवार से कट रहे हैं। साथ बैठकर खाना नहीं, बात नहीं, सिर्फ कमरे में अकेले स्क्रीन। एक मां ने कहा 'मेरा बेटा पहले शाम को साइकिल चलाता था, अब शाम से रात तक हेडफोन लगाकर गेम खेलता है। उसका बचपन कहीं खो गया है।' एक मां ने कहा कि बच्चा पहले शाम को खेलने निकलता था, अब तो जाता ही नहीं... बल्कि मोबाइल लेकर बैठ जाता है। टीवी स्क्रीन से भी बच्चे दूर हो रहे हैं। पहले टीवी पर कार्टून चैनल बच्चे देखते थे... अब उनसे भी दूरी बन रही है।

एआई इमेज

नियम मानोगे तो पिकनिक पर ले जाऊंगा: यशवंत धोटे

ऑनलाइन चौपाल में नवप्रदेश के प्रधान संपादक यशवंत धोटे ने भी बच्चों से सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों को एक दोस्त की तरह समझाया। उन्होंने कहा 'बच्चो, मोबाइल सिर्फ पढ़ाई के लिए इस्तेमाल करो। बेवजह गेमिंग और रील स्क्रॉल करना बंद करो। मोबाइल में पढ़ाई और ज्ञानवर्धक चीजें ही खोजें। रील्स, गेमिंग यह सब समय ही खराब करेगा। इसी बीच कुम्हारी की एक बच्ची ने कहा कि आप हमें पिकनिक पर ले जाओ...। प्रधान संपादक यशवंत धोटे ने कहा कि अगर आपने ये नियम माना तो मैं खुद आप सबको पिकनिक पर ले जाऊंगा।' ये सुनते ही ऑनलाइन जुड़े बच्चों के चेहरे खिल उठे और सबने एक साथ मोबाइल से सिर्फ पढ़ाई की हामी भरी।

मोबाइल छोड़ बच्चों के साथ बात करेंगे माता-पिता

मीटिंग के अंत में सभी अभिभावकों ने एक स्वर में कहा कि स्कूलों को होमवर्क का बोझ मोबाइल से कम करना होगा और माता-पिता को भी बच्चों के साथ रोज एक घंटा बिना मोबाइल के बिताना होगा। तभी बचपन वापस लौटेगा, वरना स्क्रीन पर अटका बचपन एक दिन बड़ी कीमत वसूल लेगा। बच्चों के साथ समय बिताना बहुत जरूरी है। उनकी बातें सुने और उन्हें सही-गलत का फर्क बताएं।

मोबाइल की लत एक राष्ट्रीय चिंता: श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव ने नवप्रदेश के इस नवाचार की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आज जब अखबार सिर्फ खबर छापते हैं, नवप्रदेश समाज की नब्ज पर हाथ रख रहा है। मोबाइल की लत एक राष्ट्रीय चिंता है और इस पर बच्चों से सीधी बात करना ही इसका पहला इलाज है। उन्होंने स्कूल प्रबंधकों से आग्रह किया कि बच्चों को कम से कम मोबाइल पर होमवर्क भेजा जाए। स्कूल की पढ़ाई को मोबाइल पर भेजकर वर्कलोड न बढ़ाएं। बच्चे मोबाइल लेते हैं और पढ़ाई से हटकर गेमिंग और रील्स की तरफ पहुंच जाते हैं।इससे उनकी पढ़ाई का नुकसान होता है।

क्रिकेट, फुटबाल, दौड़ सहित मैदानी खेलों से जुड़े: चंद्रशेखर

इस गंभीर मसले पर चंद्रशेखर धोटे ने काउंसलर की भूमिका निभाते हुए बच्चों को समझाते हुए मोबाइल के दुष्प्रभावों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि मोबाइल आंखों के साथ-साथ दिमाग की एकाग्रता भी खा रहा है। लगातार स्क्रीन से चिड़चिड़ापन, नींद की कमी और अकेलापन बढ़ रहा है। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि मोबाइल को दुश्मन मत बनाओ, बल्कि इस्तेमाल को कंट्रोल करो। पढ़ाई के लिए समय तय करो, बाकी समय में खुद को फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, साइकिलिंग, दौड़ और मैदानी खेलों में झोंक दो। जब पसीना बहेगा तो मोबाइल की लत खुद भागेगी।

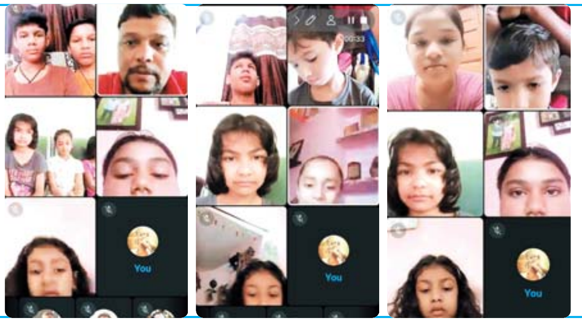

पुराने दिनों की यादें हो गई ताजा

ऑनलाइन चौपाल के दौरान रायपुर, दुर्ग-भिलाई, महासमुंद, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, बेमेतरा, मुंगेली और धमतरी समेत प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से बच्चे जुड़े। बच्चों से संवाद के दौरान पत्रकारों ने भी अपने बचपन की यादें साझा कीं और वह दौर फिर जीवंत हो उठा, जब खेल मोबाइल की स्क्रीन पर नहीं, मैदान और गलियों में हुआ करते थे। चर्चा में कबड्डी, खो-खो, डंडा-पिचरंगा, कंचे यानी बांटी, बिल्लस, भंवरा, झूला और टायर चलाने जैसे पारंपरिक खेलों की यादें ताजा हुईं। पत्रकारों ने स्कूल के दिनों के अनुभव सुनाते हुए बताया कि कैसे छुट्टी के बाद बच्चे सीधे मैदान की ओर भागते थे और खेलते-खेलते शाम हो जाती थी। चौपाल में पुरानी पीढ़ी की खेल संस्कृति और मौजूदा डिजिटल बचपन के बीच का फर्क खास तौर पर उभरकर सामने आया।

एक्सपर्ट की राय:
मोबाइल नहीं, आदत खतरनाक है

एआई इमेज

एजुकेशन काउंसलर की मानें तो आज बच्चे मोबाइल नहीं, मोबाइल की लत के शिकार हैं। नवप्रदेश की इस ऑनलाइन मीटिंग में ये साफ हो गया कि बच्चों को मोबाइल से नफरत नहीं, बल्कि उसका सही इस्तेमाल नहीं पता। मोबाइल हमारी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। मोबाइल से होने वाले 5 बड़े दुष्प्रभाव जो हर माता-पिता को जानना चाहिए।

1. **दिमाग पर ब्रेक:** हर 10 मिनट में रील देखने से बच्चे की एकाग्रता टूटती है। 45 मिनट लगातार पढ़ने की क्षमता अब 10 मिनट रह गई है। इसे पॉपकॉर्न ब्रेन कहते हैं।
2. **नींद की चोरी:** रात में स्क्रीन की नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन रोक देती है। बच्चा रात 2 बजे तक जागता है, सुबह स्कूल में नींद में रहता है।
3. **गुस्सा और अकेलापन:** गेम हारने पर चिड़चिड़ापन, परिवार से बात बंद। बच्चा धीरे-धीरे डिप्रेशन की तरफ जाता है।
4. **आंख और शरीर:** 12 साल की उम्र में चश्मा, गर्दन दर्द, उंगलियों में जकड़न। मैदान में खेलना बंद तो मोटापा और सुस्ती।
5. **बचपन का गायब होना:** जो बच्चा कभी कंचे, पिट्ठू और साइकिल से बड़ा होता था, वो अब लाइक और कमेंट से बड़ा हो रहा है। उसका इमोशनल कनेक्शन खत्म हो रहा है।

बच्चों, ये जरूर करो

- मोबाइल के लिए रोज का एक ही टाइम टेबल बनाओ, जैसे 6 से 7 बजे सिर्फ होमवर्क के लिए।
- पढ़ाई के बाद मोबाइल को मां-पापा को वापस दे दो, अपने पास मत रखो।
- शाम के 1 घंटे मोबाइल नहीं, सिर्फ मैदान में। फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, दौड़ जो पसंद हो वो खेलो।
- हफ्ते में एक दिन 'नो मोबाइल डे' रखो। उस दिन किताब पढ़ो, दादी से कहानी सुनो, माता-पिता के साथ बैठों...। दोस्तों से मिलो।

यह बिल्कुल न करें

- बिस्तर पर लेटकर अंधेरे में मोबाइल कभी मत चलाओ।
- पढ़ते समय मोबाइल को साइलेंट करके दूसरे कमरे में रखो।
- अनजान लिंक, अनजान ग्रुप और ऑनलाइन दोस्ती से बिल्कुल दूर रहो।
- गेम में हारने पर फोन पटकना या गुस्सा करना तुरंत बंद करो।

एआई इमेज

माता-पिता के लिए 3 सुझाव

1. **डांटो मत, दोस्त बनो:** 'मोबाइल छोड़' कहने से बच्चा और ज्यादा चलाएगा। रोज 30 मिनट बिना मोबाइल के उसके साथ बैठो, उसकी बात सुनो।
2. **खुद उदाहरण बनो:** आप खुद दिनभर रील देखोगे तो बच्चा कैसे मानेगा? घर में एक 'मोबाइल बास्केट' रखो, खाने और सोने के समय सबका फोन उसी में रहेगा।
3. **नियम बनाओ, सजा नहीं:** मोबाइल चलाने का कॉन्ट्रैक्ट बनाओ - पढ़ाई इतनी देर, खेल इतनी देर, फिर मोबाइल। सही इस्तेमाल पर शाबाशी दो।

स्कूलों के लिए 3 सुझाव

1. **होमवर्क का तरीका बदलो:** सारा होमवर्क व्हाट्सएप पर मत भेजो। हफ्ते में 2 दिन ऑफलाइन डायरी वाला होमवर्क जरूरी करो।
2. **डिजिटल डिटॉक्स पीरियड:** स्कूल में हफ्ते में एक पीरियड ऐसा हो जहां कोई गैजेट नहीं, सिर्फ कहानी, खेल और बातचीत हो।
3. **पैरेंट्स वर्कशॉप:** हर महीने 1 घंटे की क्लास सिर्फ माता-पिता के लिए- 'बच्चों को मोबाइल से कैसे बचाएं'।

आखिरी बात: मोबाइल से भागना हल नहीं है। मोबाइल का मालिक बनना सीखना है, गुलाम नहीं...। जिस दिन बच्चे ने मोबाइल को जेब में रखना सीख लिया और दिल से निकाल दिया, उसी दिन उसका बचपन लौट आएगा। पैरेंट्स अपने बच्चों को परिवार से जोड़ें।

मोबाइल लत पर कोर्ट की फटकार और गाइडलाइंस

ऑनलाइन क्लास के अलावा होमवर्क व्हाट्सएप पर न भेजें

सरकार ने DPDP Act 2023 पास किया। नियम कहता है 18 साल से कम उम्र का बच्चा सोशल मीडिया पर अकाउंट नहीं बना सकता जब तक माता-पिता OTP से वेरिफाइड इजाजत न दें। IT Rules 2021 के तहत यूट्यूब, इंस्टा, फेसबुक को बच्चों का डेटा इस्तेमाल करने से रोका गया है। स्कूलों को सलाह है - ऑनलाइन क्लास के अलावा होमवर्क व्हाट्सएप पर न भेजें। केंद्रीय मंत्रालय ने सख्त चेतावनी दी है कि गेमिंग और अश्लील कंटेंट परोसने वाले ऐप बैन होंगे।

दूरसंचार नियामक आयोग (TRAI)

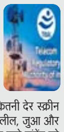

TRAI ने कहा - मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट प्रोवाइडर को बच्चों की सुरक्षा के लिए Parental Control Service देना होगा। हर सिम और वाईफाई में पेरेंट्स विंडो होनी चाहिए, जिससे पता चले बच्चा कितनी देर स्क्रीन पर है। अश्लील, जुआ और हिंसक गेम वाले कंटेंट को डिफॉल्ट ब्लॉक करना होगा। TRAI ने स्कूलों को इंटरनेट सेफ्टी का पाठ पढ़ाने और कंपनियों को हर 3 महीने में बच्चों के डेटा की ऑडिट रिपोर्ट देने का नियम प्रस्तावित किया है।

हर मोबाइल फोन वर्चुअल जुआघर बन गया: सुको

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में कहा - 'हर मोबाइल फोन वर्चुअल जुआघर बन गया है, गेमिंग की लत सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है'। कोर्ट ने तमिलनाडु के ऑनलाइन गेमिंग बैन कानून को सही ठहराया। दूसरी याचिका में 13 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया बैन पर सुनवाई करते हुए कहा - ये नीतिगत मामला है, सरकार 8 हफ्ते में फैसला ले। कोर्ट ने माना कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में डिप्रेशन, चिंता और आत्महत्या बढ़ी है।

ऑनलाइन गेमिंग पर राष्ट्रीय नीति बनाएं

दिल्ली हाईकोर्ट ने दो बड़े आदेश दिए। पहला - स्कूल में स्मार्टफोन पर पूरी तरह बैन नहीं कर सकते, लेकिन क्लास में जमा कराना होगा, कैमरा और रिकॉर्डिंग बैन रहेगी, सिर्फ सुरक्षा के लिए फोन की इजाजत है। दूसरा - केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग की लत पर राष्ट्रीय नीति बनाए। मद्रास हाईकोर्ट ने सबसे सख्त आदेश दिया - ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों का सोशल मीडिया अकाउंट बैन हो। जब तक कानून नहीं बनता, बाल अधिकार आयोग जागरूकता चलाए।

कोरोना ने बदली दुनिया: मोबाइल बढ़ा, मैदान और रिश्ते घटे

- **ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मिला मोबाइल अब बन रहा सिरदर्द**
- **खेलकूद से दूरी और परिवार से घटता संवाद चिंता का विषय**

कोरोना महामारी ने बच्चों की जिंदगी में कई ऐसे बदलाव किए, जिनका असर अब भी दिखाई दे रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चों के हाथों में आया मोबाइल अब सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गया। धीरे-धीरे स्क्रीन बच्चों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन गया और खेल के मैदान, दोस्तों की टोली और परिवार के साथ बितने वाला समय पीछे छूटता चला गया। कभी शाम होते ही बच्चे घर से निकलकर मैदान की ओर दौड़ पड़ते थे। कबड्डी, खो-खो, गिल्ली-डंडा, कंचे और साइकिल जैसे खेल उनकी दिनचर्या का हिस्सा थे। अब वही समय मोबाइल स्क्रीन पर बीत रहा है। इसका असर बच्चों की शारीरिक सक्रियता के साथ उनके व्यवहार और दिनचर्या पर भी दिखाई देने लगा है। अनुशासन की प्रवृत्ति में कमी और खेलकूद से बढ़ती दूरी अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है।

दादा-दादी या नाना-नानी के घर जाने की परंपरा

सबसे बड़ा बदलाव बच्चों और परिवार के रिश्तों में भी नजर आ रहा है। पहले गर्मी की छुट्टियां दादा-दादी या नाना-नानी के घर बिताने की परंपरा थी। बच्चे घंटों उनके पास बैठकर किस्से-कहानियां सुनते थे। उन कहानियों में संस्कार, अनुभव और जीवन की सीख छिपी होती थी। अब मोबाइल और डिजिटल मनोरंजन ने उस संवाद की जगह काफी हद तक ले ली है।

मोबाइल और बचपन के बीच संतुलन बनाना जरूरी

मोबाइल ने बच्चों को दुनिया से जोड़ने का रास्ता जरूर आसान किया, लेकिन सवाल यह है कि कहीं इसी स्क्रीन के कारण वे अपने आसपास की दुनिया से दूर तो नहीं हो रहे? आज जरूरत मोबाइल छीनने की नहीं, बल्कि मोबाइल और बचपन के बीच संतुलन बनाने की है। बच्चों को फिर मैदान तक ले जाना होगा, परिवार के साथ बैठाना होगा और उन्हें उन रिश्तों से जोड़ना होगा, जिनसे बचपन सिर्फ गुजरता नहीं, बल्कि बनता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे*, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com